हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 20 जुलाई 2025

विष्णु, रमन और बैस समेत दो दर्जन नेताओं ने साझा किए मोदी के साथ काम करने के अनुभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलग-अलग भूमिकाओं में कार्य करने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, डिप्टी सीएम अरुण साव, पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यपाल रमेश बैस सहित करीब दो दर्जन नेताओं ने अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर दिल्ली से यहां पहुंची टीम ने सबके अनुभवों की वीडियो रिकॉर्डिंग की है। पूरे देश के राज्यों में जिन भी नेताओं ने प्रधानमंत्री के साथ काम किया है, उनके अनुभवों को रिकॉर्ड किया जा रहा है। प्रदेश भर के कई नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अलग-अलग रूप में काम करने का मौका मिला है। बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ के नेताओं ने लंबे समय तक श्री मोदी के साथ काम किया है, लेकिन इन नेताओं में से करीब दो दर्जन नेताओं के नामों का चयन उनके साथ किए गए कामों के अनुभवों को साझा करने के लिए किया गया।

सुबह मिला नया रायपुर पहुंचने का निर्देश

पिछले कुछ दिनों से यह चर्चा चल रही थी कि श्री मोदी के साथ काम करने वालों को 19 जुलाई शनिवार को एक स्थान पर एकत्रित होना है। इसके लिए प्रदेश भाजपा संगठन को जिम्मा दिया गया था। प्रदेश भाजपा संगठन के एक जिम्मेदार पदाधिकारी ने इन नेताओं को फोन करके जानकारी दी कि उनको शनिवार को 11 बजे के बाद का पूरा समय रिजर्व रखना है। इन नेताओं को स्थान के बारे में शनिवार की सुबह को जानकारी दी गई और सबको नया रायपुर के नए विश्राम गृह पहुंचने का निर्देश गया।

दिल्ली से पहुंची टीम ने की वीडियो रिकॉर्डिंग

इन नेताओं ने किए अनुभव साझा

नया रायपुर के विश्राम गृह में सुबह 11 बजे से ही भाजपा नेताओं के पहुंचने का सिलसिला प्रारंभ हुआ। यहां पर दिल्ली से पहुंची एक टीम भी थी जिसको नेताओं के अनुभव की वीडियो रिकॉर्डिंग करने के लिए भेजा गया था। यहां पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, डिप्टी सीएम अरुण साव, प्रदेश के मंत्री केदार कश्यप, पूर्व राज्यपाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश बैस के अलावा, विधायक धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल, राजेश मूणत, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व सांसद अशोक शर्मा, चंद्रशेखर साहू, पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता सच्चिदानंद उपासने सहित वे नेता पहुंचे जिनको बुलाया गया था। सभी ने एक-एक करके श्री मोदी के साथ अपने अनुभव साझा किए। इन सबकी रिकॉर्डिंग की गई है। इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय भी उपस्थित थे।

वालकिंस गंगा
USFDA स्वीकृत अत्याधुनिक उपचार
एक्ने स्कार्स परमानेंट रिमूवल
परामर्श सिर्फ 199/-
डॉ. सुकृति अरोरा
एम.डी. गोल्ड मेडलिस्ट
शंकर नगर, रायपुर
9238709001

खबर संक्षेप

बूढ़ा अमरनाथ यात्रा 28 से होगी शुरू

जम्मू। जम्मू कश्मीर सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुंछ जिले में आगामी 13 दिवसीय बूढ़ा अमरनाथ तीर्थयात्रा के सुचारू संचालन के लिए व्यवस्थाओं की समीक्षा की। पुंछ में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। पहला जत्था 28 जुलाई को जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रवाना होगा।

बस डिवाइडर से टकराई 12 महिला जवान घायल

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में जानसठ रोड पर शुक्रवार को आरएएफ के जवानों को लेकर जा रही बस एक डिवाइडर से टकरा गई। इसमें 12 महिला जवान और एक कांस्टेबल ड्राइवर घायल हो गया। घायल जवानों की पहचान सीमा, सुशीला, मोनी, संगीता, अनिता, निधि, संतोष, रेखा, कृष्णा, पुष्पा, ऊषा, रेखा और ड्राइवर मुन्नीलाल के रूप में हुई है। उन्हें मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। वाहन चालक की बांई टांग की हड्डी टूट गई है।

न्यायमूर्ति विभु ने ली मुख्य न्यायाधीश की शपथ

बेंगलुरु। न्यायमूर्ति विभु बाखरू ने शनिवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने यहां राजभवन के ग्लास हाउस में आयोजित एक समारोह में न्यायमूर्ति विभु बाखरू को पद की शपथ दिलाई। इससे पहले न्यायमूर्ति बाखरू (59) दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में सेवाएं दे चुके हैं।

कार ने सो रही महिलाओं को कुचला, एक की मौत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में तेज रफ्तार एक कार ने फ्लाईओवर के नीचे सो रही तीन महिलाओं को कुचल दिया। सिविल लाइंस थानाक्षेत्र में आंबेडकर चौराहे के पास हुई इस दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई जबकि दो अन्य महिलाएं घायल हो गईं। घायल महिलाओं को एसआरएन में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान चमोली देवी (65) के रूप में हुई है। सिंह ने बताया कि चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया और उसे गिरफ्तार करने के लिए दो टीमों का गठन किया गया है।

सेंट्रल कमेटी मेंबर को माड़ में सुरक्षित लाने ले जाने वाली प्लाटून का सफाया

एनकाउंटर में मारे गए कमांडर समेत 6 नक्सलियों पर था 48 लाख का ईनाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

हरिभूमि फॉलोअप

नारायणपुर जिले के परिया-काकुर के जंगल में पिछले 48 घंटे से जारी मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने चार महिला समेत छह नक्सलियों को ढेर करने में सफल रही। मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों में पीएलजीए बटालियन नंबर एक के कमांडर व सदस्य शामिल हैं, जिनके जिम्मे केंद्रीय कमेटी समेत शीर्ष नक्सलियों को माड़ में सुरक्षित लाने व ले जाने की जिम्मेदारी थी। इस पूरी टीम का सफाया कर दिया गया है। इन सभी पर 8-8 लाख रुपए का ईनाम घोषित था।

माओवादियों के खिलाफ सशक्त अभियान जारी, अब तक 204 ढेर

पीएलजीए प्लाटून क्रमांक 1 के कमांडर और डिविजनल कमेटी स्तर के माओवादी राहुल पुनेम की मुठभेड़ में मारे जाने को अबूझमाड़ क्षेत्र में माओवादियों व नक्सल संगठन के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि शुक्रवार से चल रहे भीषण मुठभेड़ में मारे गए सभी नक्सलियों के शव के अलावा अत्याधुनिक हथियार व विस्फोटक बरामद किए गए हैं। सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच परिया-काकुर के घने जंगलों में हुई मुठभेड़ के बाद कुल 6 माओवादी के शव बरामद किए गए हैं। जिनमें पीएलजीए प्लाटून क्रमांक 1 की 4 महिला कैडर भी शामिल है। वहीं, इस प्लाटून के कमाण्डर व डिविजनल कमेटी स्तर के माओवादी राहुल पुनेम की मुठभेड़ में मारे जाने को अबूझमाड़ क्षेत्र में माओवादियों के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। यह प्लाटून का काम वरिष्ठ माओवादी नेताओं के सुरक्षित ▶▶|शेष पेज 7 पर

निर्णायक चरण में पहुंची लड़ाई

एसपी ने बताया कि बस्तर से नक्सलवाद को समाप्त करने के निर्णायक चरण में हम प्रवेश कर चुके हैं। जो लोग इसकी खोखली विचारधारा से भ्रमित हैं और विकास की राह में बाधा बन रहे हैं, उन्हें आत्मसमर्पण कर सम्मानपूर्वक जीवन अपनाना चाहिए अन्यथा उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। डीआईजी कांकेर रेंज अमित तुकाराम कांबले तथा बीएसएफ डीआईजी पीके दुबे ने कहा कि सुरक्षा बलों के निरंतर दबाव के चलते अबूझमाड़ में माओवादियों का आधार कमजोर हो चुका है और क्षेत्र अब समावेशी विकास की दिशा में बढ़ रहा है।

चार जिले की डीआरजी, एसटीएफ व बीएसएफ की तीन बटालियन

आईजी समेत एसपी नारायणपुर रॉबिनसन गुरिया तथा बीएसएफ, एसडीएफ व डीआरजी के वरिष्ठ अधिकारियों ने संयुक्त प्रेसवार्ता में मारे गए माओवादियों व बरामद हथियारों की जानकारी देते हुए बताया कि मानसून जैसी ▶▶|शेष पेज 7 पर

7 माह में 204 ढेर

पूरे बस्तर संभाग में प्रतिबंधित व अवैध माओवादी संगठन के विरुद्ध एक सशक्त अभियान जारी है। वर्ष 2025 के शुरूआती सात माह में ही 204 माओवादी विभिन्न मुठभेड़ में मारे गए हैं। मानसून जैसी विषम परिस्थिति में ▶▶|शेष पेज 7 पर

माड़ मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों में यह शामिल

माड़ में मारे गए सभी नक्सलियों पर 8-8 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। इनमें डीवीसीएम कमाण्डर व पीएलजीए प्लाटून नम्बर एक मेंबर राहुल पुनेम उर्फ लच्छू पुनेम (38), निवासी ग्राम डल्ला जिला सुकमा के अलावा पीएम मेंबर उंगी टाटी (24), निवासी सुरपनागुड़ा, थाना जगरगुंडा, मनीषा (25), निवासी ग्राम वाला थाना सोनपुर, जिला नारायणपुर, टाटी मीना उर्फ सोमरी उर्फ छोटी (22), निवासी ग्राम टोडका थाना गंगालूर जिला बीजापुर, हरीश उर्फ कोसा (25), निवासी ग्राम कमलापुरम थाना पामेड़ जिला बीजापुर तथा कुड़ाम बुधरी (21), निवासी ग्राम मालसकट्टा थाना धनोरा जिला नारायणपुर शामिल है।

अवैध सट्टा मामला

ईडी ने मेटा और गूगल के अफसरों को किया तलब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने कई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के खिलाफ धनशोधन के आरोपों की जारी जांच के तहत प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा और गूगल के प्रतिनिधियों को तलब किया है। सूत्रों बताया कि अधिकारियों को 21 जुलाई को यहां एजेंसी के समक्ष पेश होने और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपने बयान दर्ज कराने को कहा गया है। दोनों कंपनियों की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। संघीय एजेंसी अवैध सट्टेबाजी और जुए के लिंक साझा करने ▶▶|शेष पेज 7 पर

इन पर हुई थी कार्रवाई

पिछले हफ्ते, ईडी ने तेलुगु राज्यों में 29 मशहूर हस्तियों के खिलाफ कार्रवाई की। इनमें अभिनेता विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, निधि अग्रवाल, प्रणिता सुभाष, मंचू लक्ष्मी और अनन्या नगेला शामिल हैं। इसके अलावा, टीवी कलाकार, होस्ट और सोशल मीडिया प्रभावशाली व्यक्तियों जैसे श्रीमुखी, श्यामला, वर्षिणी सौंदर्यराजन, वसंती कृष्णन, शोभा शेट्टी, अमृता चौधरी, नयनी पावनी, नेहा पठान, पांडु, पद्मावती, हर्षा साय और बय्या सनी यादव के नाम भी जांच में हैं।

जांच के दायरे में अभिनेता-खिलाड़ी

इन मामलों में कुछ अभिनेता, मशहूर हस्तियां और खिलाड़ी भी ईडी की जांच के दायरे में हैं और उन्हें भी जल्द ही तलब किए जाने की उम्मीद है। ईडी ने कहा है कि अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ प्लेटफॉर्म निर्दोष लोगों से उनकी मेहनत की कमाई को ठग रहे हैं और करोड़ों रुपये का धनशोधन करने के साथ कर चोरी भी कर रहे हैं।

घायलों का जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

पुल से टकराई कार, चार युवक जिंदा जले, दो गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर कार क्रमांक सीजी 04 पीजे 7460 के तेज गति होने से कुलगांव के पास पुल से टकरा गई। पुल से टकराने के बाद कार में आग लग गई। कार में सवार 6 युवकों में से 4 कार से बाहर नहीं निकल पाए और कार में ही जलकर खाक हो गए। वहीं 2 युवक जैसे-तैसे कार के टकराते ही बाहर निकल गए, जिनकी जान बच गई और उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

जानकारी के अनुसार कांकेर पुलिस को लगभग 1.30 बजे एक्सीडेंट की खबर मिली और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आग के भयानक रूप को देखकर कार के पास जाने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। फायर ब्रिगेड के आने के बाद जल रही कार को बुझाने में सफल रहे, तब तक कार में केवल कंकाल नजर आ रहे थे। वहीं घायल मिले ▶▶|शेष पेज 7 पर

चाय पीकर निकले थे, चालक ने खो दिया था नियंत्रण

प्राथमिक इलाज के बाद घायल युवकों से पूछताछ पर पता चला कि मुरूवेंड ढाबा में चाय पीकर निकले थे। वाहन चालक युवराज को छोड़ने के लिए कांकेर आ रहे थे। कार को युवराज चला रहा था, गाड़ी की स्पीड अधिक होने से निर्माणाधीन पुलिया के पास चालक ने कार से नियंत्रण खो दिया। कार पुराने पुल के किनारे से टकराई और अचानक आग लग गई। वे किनारे बैठे होने के कारण गेट खोलकर उतरते, तब तक भयानक आग लग गई। घायल युवकों ने बताया कि कुछ ही सेकंड में यह हादसा हो गया।

इनकी हो गई मौत

- कार चालक युवराज शोरी पिता दानवीर सोरी (24), निवासी- बाड़ाटोला, चौकी हल्बा, जिला कांकेर
- हेमंत शोरी पिता नरेश (20), निवासी- सिंघनपुर, थाना केशकाल, जिला कोंडागांव
- सूरज उइके पिता मायाराम उईके (19), निवासी- ढोढरेपाल थाना केशकाल, जिला कोंडागांव
- दीपक मरावी पिता असादू राम मरावी (19), निवासी- ढोढरेपाल थाना केशकाल, जिला कोंडागांव

अस्पताल में भर्ती घायल युवक

- प्रीतम नेताम पिता किशन नेताम (21), निवासी- ढोढरेपाल थाना केशकाल, जिला कोंडागांव
- पृथ्वीराज सलाम पिता मेघराज सलाम (19), निवासी, ढोढरेपाल थाना केशकाल, जिला कोंडागांव

दोबारा याचिका पर नाराजगी

याचिकाकर्ता पर कोर्ट ने लगाया 25 हजार जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट ने दवा कंपनी डिवाइन लेबोरटरीज द्वारा दाखिल याचिका को वापस लेने की अनुमति तो दे दी, लेकिन याचिकाकर्ता की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। राशि जशपुर के शासकीय दृष्टिबाधित बालक-बालिका विद्यालय को देने के निर्देश दिए गए हैं। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता ने बार-बार दोषपूर्ण याचिका लगाकर कोर्ट का बेशकीमती समय बर्बाद किया। राज्य सरकार ने हेपरिन सोडियम ▶▶|शेष पेज 7 पर

दूसरी बार संशोधित याचिका

सुनवाई के दौरान पता चला कि इस संबंध में याचिका पहले भी खारिज की जा चुकी थी। दूसरी बार संशोधित याचिका लगाई गई है। राज्य सरकार की तरफ से आपत्ति उठाई गई कि याचिका में आधार वही रखे गए हैं जो पहले से खारिज याचिका में थे। कंपनी ने सिर्फ प्रार्थना बदलकर दोबारा वही मामला उठाया है।

कांवड़ियों ने जवान को पीटा, मारे लात-घूंसे

एजेंसी ▶▶| मिर्जापुर

रेलवे स्टेशन पर ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस पकड़ने आए सीआरपीएफ जवान की टिकट को लेकर कांवड़ियों से कहासुनी हो गई, जो मारपीट में बदल गई। कांवड़ियों ने जवान को फर्श पर लिटाकर लात-घूंसे मारे। सूचना पर पहुंची रेलवे पुलिस ने 7 कांवड़ियों को हिरासत में लेकर मुकदमा दर्ज किया। हालांकि, सभी आरोपियों को तुरंत ही जमानत मिल गई।

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर रेलवे स्टेशन पर शनिवार को उस समय हंगामा मच गया, जब कांवड़ यात्रा पर निकले कुछ युवकों ने एक सीआरपीएफ जवान को बेरहमी से पीट दिया। घटना उस वक्त हुई जब जवान ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस पकड़ने के लिए टिकट ले रहा था। इसी दौरान उसकी कुछ कांवड़ियों से कहासुनी हो गई, जो बाद में हिंसा में बदल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद बढ़ने ▶▶|शेष पेज 7 पर

वायरल हुआ वीडियो

पिटाई करने का वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। वीडियो वायरल होने पर आरपीएफ और जीआरपी ने छानबीन शुरू किया। आरपीएफ ने मारपीट करने वाले सात कांवड़ियों को गिरफ्तार कर लिया। इसमें चार नाबालिग हैं। सीआरपीएफ जवान तहरीर देकर ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस से मणिपुर के लिए रवाना हो गए। विवाद का कारण स्पष्ट नहीं है। टिकट लेने और गांजा मांगने को लेकर विवाद होने की चर्चा स्टेशन पर है।

आरोपियों में चार नाबालिग

आरपीएफ प्रभारी चमन सिंह तोमर ने बताया कि सीआरपीएफ जवान से कांवड़ियों ने विवाद किया। सात कांवड़ियों को पकड़ा गया। इसमें चार नाबालिग हैं। सभी आरोपी शहर कोतवाली क्षेत्र के हैं। बालिग आरोपी सत्यम, अभिषेक साहू निवासी फतहां कोतवाली शहर और अभय तिवारी कजरहवा पोखरा निवासी है। जिनका चालान किया गया।

टीआई पति की मौत के बाद पत्नी ने लड़ी लड़ाई

एक हजार की रिश्वत का मामला, 26 साल चला केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

महासमुंद जिले में रिश्वत लेने के आरोप में फंसे एक थानेदार की केस लड़ते-लड़ते मौत हो गई।

- हाईकोर्ट ने रिश्वत लेने के आरोप में सुनाई गई सजा रद्द की

अब करीब 26 साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद दिवंगत थाना प्रभारी को हाईकोर्ट से राहत मिली है। जस्टिस संजय अग्रवाल ने ट्रायल कोर्ट की सजा को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने माना है कि, जिस रिश्वत की मांग की बात की गई, उसका कोई औचित्य नहीं बनता, क्योंकि शिकायतकर्ता और उसके परिजन को पहले ही जमानत पर रिहा कर

दिया गया था, फिर दो दिन बाद उसी जमानत की एवज में पैसे की मांग करने का आरोप असंभव लगता है। मामला महासमुंद के बसना थाना क्षेत्र का है। दरअसल, 8 अप्रैल 1990 में ग्राम थुरीकोना निवासी जैतराम साहू ने सहनी राम, नकुल और भीमलाल साहू ▶▶|शेष पेज 7 पर

3 साल कैद और 2 हजार रुपए जुर्माना

लोकायुक्त ने साल 1999 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 13(1)(D) के साथ धारा 13(2) के तहत चालान पेश किया। इस पर कोर्ट ने थाना प्रभारी को दोषी ठहराते हुए 3 साल कैद और 2 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ शेंडे ने हाईकोर्ट में अपील की थी। अपील लंबित रहते ही उनकी मौत हो गई। इसके बाद उनकी पत्नी ने अपने पति का केस लड़ा। हाईकोर्ट ने दस्तावेजों और गवाहों के बयानों के आधार पर पाया कि जिस रिश्वत की मांग की बात ▶▶|शेष पेज 7 पर

ट्रैप की परिस्थितियों को संदेहास्पद माना

मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि, शिकायत करने वाले भीमलाल साहू ने भी मामले में दूसरे पक्ष के खिलाफ शिकायत की थी। जिस पर कार्रवाई नहीं होने के कारण वो थाना प्रभारी शेंडे से नाराज था। तर्कों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने ऐसे में ट्रैप की परिस्थितियों को संदेहास्पद माना। कोर्ट ने माना कि अभियोजन पक्ष रिश्वत की मांग साबित करने में असफल रहा और ट्रैप में जब्त राशि का कोई वैधानिक आधार नहीं था।

तरकश

संजय के दीक्षित

प्लेसमेंट का बड़ा खेल

विधानसभा के प्रश्नकाल में कल अजय चंद्राकर के सवाल के जवाब में खुलासा हुआ कि राजधानी रायपुर में आठ साल पहले खुला दिव्यांग कॉलेज प्लेसमेंट के लोगों से संचालित हो रहा है। प्लेसमेंट के लोग वहां तबला वादन भी सीखा रहे और कंप्यूटर चलाना भी। कॉलेज के लिए स्वीकृत 31 पदों से 30 पद आठ साल से खाली हैं। कह सकते हैं, सिस्टम ने दिव्यांगों के कॉलेज को भी दिव्यांग बना दिया। बहरहाल, ये सिर्फ एक कॉलेज का मामला नहीं है। रायपुर के सरकारी डेंटल कॉलेज के प्रिंसिपल भी कई साल तक प्लेसमेंट में रहे। छत्तीसगढ़ में प्लेसमेंट का वायरस दशक भर पहले आया और अब कड़वा सच यह भी कि सरकार का कोई विभाग ऐसा नहीं, जो प्लेसमेंट नाम के वायरस से बचा हो। कई विभागों की स्थिति यह है कि वहां रेगुलर स्टॉफ से ज्यादा प्लेसमेंट के लोग हो गए हैं। चाहे वह इंद्रावती भवन हो या फिर मंत्रालय। मंत्रालय के प्यून भी प्लेसमेंट में हैं। दिक्कत यह है कि प्लेसमेंट के इन मुलाजिमों पर सरकार का पैसा भी खर्च हो रहा और विधानसभा के हर सत्र में उसे इस सवाल का सामना भी करना पड़ता है...फलां-फलां विभाग में इतना पद खाली क्यों?

प्लेसमेंट में बड़ा खेल-1

प्लेसमेंट एजेंसियों के लिए छत्तीसगढ़ चारागाह बनता जा रहा है। दस साल पहले जो कंपनियां लाखों में थीं अब करोड़ों में खेल रही हैं। छत्तीसगढ़ की शोहरत सुन देश भर से कंपनियां रायपुर भागे आ रही हैं। दरअसल, इस काम में प्लेसमेंट कंपनियों को सिर्फ फायदे-ही-फायदे हैं। इसमें अफसरों को एक बार उनकी कीमत दे दो उसके बाद फिर उसका दस गुना वसूलते रहो। बता दें, आजकल प्लेसमेंट में भर्ती के लिए भी लोगों को मोटा रिश्वत देना पड़ रहा है। शर्त ये भी होती है कि महीने की सेलरी का इतना परसेंट प्लेसमेंट एजेंसी को देना होगा। फिर, किस एजेंसी के कितने लोग कागजों पर काम कर रहे और कितने टेबल पर, इसे कोई देखता नहीं। जो देखने वाला है, वह पहले ही अपनी कीमत ले चुका होता है। बड़े अफसरों को उपकृत करने उनके कुछ नाते-रिश्तेदार या करीबी को लाखों की सेलरी में इंगेज कर देती हैं। कुल मिलाकर प्लेसमेंट के इस खेल में पिस रहे हैं तो वहां काम करने वाले कर्मचारी। पहले सरकारी नौकरी के लिए पैसे देने होते थे मगर अब प्लेसमेंट में भी घूस देने पड़ रहे, उपर से कुछ महीने में रिचार्ज कराने का झंझट भी। उपर से, प्लेसमेंट कर्मचारियों की कोई एकाउंटबिलिटी होती नहीं, सो कई ऐसी जानकारियां भी लीक हो रही, जो पहले गोपनीय होती थीं।

स्पीकर की नसीहत

दिव्यांग कॉलेज के खाली पदों का मामला विधानसभा में उठा तो समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने विपक्ष पर ठीकरा फोड़ते हुए कहा कि 2017 में पद स्वीकृत हुए थे, 2018 में हमारी सरकार हार गई। इसके बाद कांग्रेस की सरकार ने पांच साल में कुछ नहीं किया। दरअसल, पिछले कुछ सत्रों में कई मंत्रियों ने पिछली सरकार का नाम लिया तो इसका औचित्य भी था। मगर अब काफी समय हो गया है। सो, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने इसे पकड़ लिया। उन्होंने तल्खी से कहा...आप ये कहकर बच नहीं सकतीं...अब आपको डेढ़ साल हो गया है...सीधा-सीधा बताइये कि आप कब तक व्यवस्था सुधार देंगी। स्पीकर के इस दो टूक पर मंत्री किंचित सकपकाई, फिर बोली...जल्द-से-जल्द वे कोशिश करेंगी।

जेम का खेल

छत्तीसगढ़ में करप्शन का रिकार्ड बन जाता। 32 हजार में स्टील का जग आदिवासी हॉस्टल में सप्लाई हो चुका होता...मगर उससे पहले पकड़ में आ गया। और, राज्य का नाम खराब होने से बच गया। दरअसल, जेम का यह खेल सिर्फ छत्तीसगढ़ में नहीं है। बाकी राज्यों में कार्रवाई होती है, इसलिए वहां सप्लायरों में डर होता है...छत्तीसगढ़ में आज तक किसी सप्लायर और अधिकारी को उल्टा टांगा नहीं गया, सो लिमिट क्रॉस कर गया है। खैर, सिस्टम के लिए यह गंभीर चिंतन का सब्जेक्ट हो सकता है कि सप्लायरों ने सरकारी मुलाजिमों के साथ मिलकर जेम का तोड़ निकाल लिया है, उससे निबटा कैसे जाए। छत्तीसगढ़ में सीजीएमएससी से लेकर जितने विभागों में सप्लाई के काम हो रहे, सभी में एक ही खेल चल रहा। पहले संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर डील कर लो। टेंडर में ऐसा क्लॉज जोड़ दिया जाएगा, जो वह कंपनी ही पूरी करती है। फिर एक ही सप्लायर कई फार्म बनाकर रखता है। अपने ही तीन फार्मों के नाम पर तीन टेंडर भर देगा। और एल1 के नाम पर काम हासिल कर लेता है। 32 हजार में स्टील का जग इसी तरह एल1 आ गया था। इन फार्मों का पता-ठिकाना खोजने जाने पर कोई किराना दुकान मिलेगा या फिर कोई मुहल्ले के बीच एक बंद पड़ा मामूली कमरा मिलेगा। अब वक्त आ गया है कि सप्लायरों के खेल का तोड़ निकाला जाएगा। उसी तरह जिस तरह जीएसटी सिकरेट्री ने जीएसटी चोरी को तोड़ निकाला है। जीएसटी से रेवेन्यू में तभी छत्तीसगढ़ ने सारे बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया है।

सिस्टम पर सप्लायर भारी

कुछ अरसा पहले सीजीएमएससी में मोक्षित कारपोरेशन के इशारे के बिना पत्ता नहीं हिलता था। टेंडर, सप्लाई तो छोटी बात थी, सीजीएमएससी में किस अफसर की पोस्टिंग करनी है और किसे हटवाना, ये वही तय करता था। चलिये वो तो एक नमूना था...छत्तीसगढ़ में ऐसे कई मोक्षित हैं, जो खुला खेल...फर्रुखाबादी की तरह काम कर रहे हैं। पिछले कुछ सालों में वे इतने ताकतवर हो गए हैं कि उनका कोई कुछ कर भी नहीं सकता। उनकी नेटवर्किंग इतनी जबर्दस्त है कि मैदानी अफसरों से पहले उन्हें पता चल जाता है कि सरकार में क्या चल रहा, क्या खरीदी करनी है। और वे उन जिलों में धमक जाते हैं। उनके पास हर बीमारी का इलाज होता है। जन्मदिन से लेकर दशहरा, दिवाली में महंगे गिफ्ट भेंटकर सारे बड़े हाउसों को ऐसे सेट करके रखते हैं कि एक ने उनका काम रोका, तो दूसरी जगह, दूसरी नहीं तो तीसरी जगह से फोन करा देंगे। यहां से अगर बात नहीं बनी तो फिर यूपी या दिल्ली से कनेक्शन ढूंढ निकालेंगे। ऐसे में, छत्तीसगढ़ में ठेका, सप्लाई और टेंडर में करप्शन रोकना नामुमकिन जैसा प्रतीत होता है।

आईएएस को बदनाम, ट्रांसफर

सिस्टम पर सप्लायर किस कदर भारी पड़ रहे हैं, इस वाकये से आपको पता चल जाएगा। तीन-चार साल पहले की बात है। सीजीएमएससी में धोखे से एक ठीकठाक छबि वाले आईएएस को एमडी बना दिया गया था। चूकि अफसर ईमानदार होगा, तो मक्खी गिरा दूध नहीं पियेगा। सो, उसने सारे गड़बड़झालों की फाइलों को रोक दी। इसके बाद सप्लायरों ने ऐसा बवाल काटा कि पूछिए मत! हर तरफ एक ही चर्चा थी...फलां ने दवा और मेडिकल इक्विपमेंट की फाइलें रोक दी...कोई काम ही नहीं हो रहा...अस्पतालों में हाहाकार मचा हुआ है। इसका नतीजा यह हुआ कि आईएएस का वहां से ट्रांसफर हो गया। छत्तीसगढ़ में यह है सप्लायरों और ठेकेदारों का पावर।

छत्तीसगढ़ कैडर के ऐसे आईएएस

छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस रहे बीवीआर सुब्रमणियम विजन डॉक्यूमेंट के विमोचन के सिलसिले में रायपुर में थे। सुब्रमणियम जब 2017 में जम्मू-कश्मीर के चीफ सिकेरट्री बनकर श्रीनगर गए थे, तब यहां एसीएस होम थे। वे अगर छत्तीसगढ़ में रहे होते तो हो सकता था कि यहां सीएस बन जाते। मगर वे ऐसा चाहते नहीं थे, न ही उनका कोई प्रयास दिखा। मोदी सरकार ने उन्हें खुद ही बुलाकर जेके का चीफ सिकरेट्री बना दिया। अपने मित्रों में बीवीआर के नाम से जाने जाने वाले सुब्रमणियम ने कश्मीर से धारा 370 हटाने का ड्राफ्ट बनाने में अहम भूमिका निभाई। इसका उन्हें ईनाम भी मिला। केंद्र में सिकरेट्री बनने वाले वे छत्तीसगढ़ कैडर के पहले आईएएस बने। और वहां से रिटायर होने के बाद मोदी सरकार ने उन्हें नीति आयोग का सीईओ बनाया। सुब्रमणियम रिजल्ट देने वाले अफसर माने जाते हैं। नीति आयोग में भी उन्होंने रिफार्म कर दिया। छत्तीसगढ़ की ब्यूरोक्रेसी को सुब्रमणियम पर गर्व हो सकता है। एसीएस रहते उन्होंने छेड़छाड़ के आरोपी एआईजी को चौतरफा प्रेशर के बाद भी बर्खास्त कराकर ही माना। तब कैबिनेट के कई सदस्य मन मसोसकर रह गए थे। ये अलग बात है कि उनके जाने के बाद एआईजी फिर बहाल हो गए।

सुब्रमणियम के मार्केबल सुझाव

छत्तीसगढ़ के नीति आयोग ने विजन डॉक्यूमेंट-2047 तैयार कर दिया है। मगर यह भी सही है कि जितना परिश्रम इसे तैयार करने में लगा होगा, उससे अधिक चुनौतियां अब इसे लागू करने की होगी। इस दिशा में नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमणियम ने अहम सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि विजन डॉक्यूमेंट से आम आदमी को जोड़ने इसकी कॉपी उन्हें भेजा जाए। दूसरा जो महत्वपूर्ण था...इसकी एक टीम बनाकर विभागों से सतत मानिटरिंग कराया जाए, तभी इसकी सार्थकता होगी। वरना, विभाग वालों की क्या पड़ी है। सुब्रमणियम ने खुद केंद्र के नीति आयोग में इसके लिए सिस्टम बनाया है। छत्तीसगढ़ कैडर की 94 बैच की आईएएस निधि छिब्बर को नीति आयोग में मानिटरिंग और वैल्यूएशन विंग का हेड अपाइंट कराया है। राज्य के हिसाब से देखें तो निधि एसीएस लेवल की अफसर हैं। जाहिर है, पीएम मोदी की इच्छा के अनुरूप विजन डॉक्यूमेंट-2047 तैयार करने में गुजरात के बाद छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य बन गया है...मगर असली चुनौती बाकी है। 50 परसेंट विजन भी अगर जमीं पर उतर गया तो छत्तीसगढ़ की दिशा और दशा बदल जाएगी। मगर इसके लिए बड़े मिशन मोड में काम करना होगा।

आईएएस की लिस्ट

चिंतन शिविर के बाद अब विधानसभा का मानसून सत्र भी निबट गया है। राज्योत्सव से पहले सरकार के सामने कोई बड़ा इवेंट नहीं है। सरकार अब योजनाओं के क्रियान्वयन पर अपना फोकस बढाएगी। ग्राम सुराज में आए आवेदनों का रिव्यू किया जाएगा। दो-तीन जिलों के कलेक्टरों का ट्रांसफर भी हो सकता है। आईएएस अवार्ड वाले अधिकारियों में से वैसे तो ज्यादातर अच्छी पोस्टिंग में हैं, मगर जो बचे हैं, उन्हें उम्मीद होगी कि आईएएस के अनुरूप में पदास्थापना मिलेगी। बालोद जिले में कुछ महीने से जिला पंचायत सीईओ का पद खाली है, उसे भी भरा जा सकता है। गरियाबंद और जीपीएम जिले में तबाही की स्थिति है...भगवान भरोसे पूरा सिस्टम चल रहा। पीएम आवास सरकार का अहम प्रोजेक्ट है, इस पर भी कई जिलों के कलेक्टरों का ध्यान नहीं है। सरकार जब तक दो-चार कौवा मारकर नहीं लटकाएगी, तब तक सब....ऐसा ही चलता रहेगा।

कांग्रेस में नो चेंज!

कुछ महीने पहले की ही बात है। दीपक बैज की जगह टीएस सिंहदेव को पीसीसी का अध्यक्ष तय मान लिया गया था...कभी भी उनके नाम का ऐलान होने के दावे किए जा रहे थे। मगर अब स्थिति यह है कि इस पर कोई बात भी नहीं कर रहा। अलबत्ता, रायपुर में पार्टी की जंगी सभा के बाद तो दीपक बैज का वजन और बढ़ गया है। डेढ़ साल पहले करारी पराजय के बाद कांग्रेस इतनी जल्दी उठ खड़ी होगी, इसको देख सियासी पंडित भी चकित हैं। जाहिर है, 2018 की हार के बाद बीजेपी को संभलने में लंबा वक्त लगा। पांचवे साल में भी मोदी, अमित भाई, मनसुख भाई और नीतीन नबीन ने जलवा नहीं दिखाया होता, तो बीजेपी किस हाल में होती, पता नहीं। बहरहाल, बात दीपक बैज की तो बरसते पानी में हजारों की सभा कराने के बाद वे आदिवासी नेताओं की बैठक में शिरकत कर दिल्ली से लौट चुके हैं। राहुल गांधी के साथ उनकी नजदीकियां बढ़ने की भी खबरें आ रही हैं। ऐसे में, नहीं लगता कि आने वाले समय में दीपक बैज को पार्टी पीसीसी चीफ से हटाएगी। उमेश पटेल, देवेंद्र यादव, विकास उपध्याय और शिव डहरिया में से दो-तीन कार्यकारी अध्यक्ष जरूर बनाए जा सकते हैं।

मंत्रियों का हनीमून, नेताओं के सपने

अचरज की बात यह है कि हमेशा लाइव रहने वाले बीजेपी के नेता इस समय किधर हैं, पता नहीं चल रहा। विपक्ष के बेसिर पैर के आरोपों पर भी पार्टी नेताओं की चुप्पी नहीं टूट रही। दीपक बैज ने 32 हजार के ऐसे जग पर ट्वीट कर सनसनी पैदा कर दी, जो खरीदी ही नहीं गई। ऐसे कई मसले हैं, जिस पर पार्टी खुल कर प्रतिक्रिया नहीं दे रही और न ही सरकार में बैठे मंत्री। असल में, दिक्कत यह है कि विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत से पार्टी के लोकल नेताओं का दिमाग सातवें आसमान पर चढ़ गया...सरकार हमने बनवाई तो हमारा कुछ होना चाहिए। सबको लाल बत्ती चाहिए या फिर बड़ा ठेका और सप्लाई। वास्तविकता यह है कि कैडर बेस पार्टी कही जाने वाली बीजेपी ने डेढ़ साल में ढंग का एक कार्यक्रम नहीं किया है। सरकार के मंत्री हनीमून से उबर नहीं पा रहे तो नेता लाल बत्ती के सपने से बाहर नहीं आ रहे। चिंतन शिविर में पार्टी अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा ने मंत्रियों को आखिर ऐसे थोड़े ही चेताया। कुछ मंत्रियों का ये हाल है कि जो कार्यकर्ता उनके चुनाव में बढ़-चढ़कर काम किया, बंगले में उसकी इंट्री नहीं है, फोन उठाने की बात दीगर है।

अंत में दो सवाल आपसे

1. अधिकारियों द्वारा होमवर्क करवा कर भेजने के बाद भी कई मंत्री विधानसभा में जाकर विभाग का नाम क्यों खराब कर डालते हैं?
2. एक मंत्री का नाम बताइये, जो छंटनी के खतरे से घबराकर इन दिनों सामाजिक कार्यक्रम कराने में जुट गए हैं?

तीन डाक्टरों के खिलाफ दर्ज दो मामले हाईकोर्ट से निरस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए डॉ. सुधा, डॉ. रवि शेखर और श्रीमती कमला के खिलाफ दर्ज दो आपराधिक मामलों को निरस्त कर दिया है।

ध्यान रहे कि शिकायतकर्ता राज शेखर द्वारा डॉ. सुधा, डॉ. रवि शेखर और श्रीमती कमला के खिलाफ वर्ष 2021 एवं 2024 में दो एफआईआर दर्ज कराई गई थीं। इसमें धारा 420 (धोखाधड़ी) धारा 467 (जालसाजी की कूटरचना) धारा 468 (धोखाधड़ी के लिए कूटरचना) धारा 471 (जाली दस्तावेज का उपयोग) धारा 34 (साझा आपराधिक मंशा) लगाई गई थी। हाईकोर्ट ने तथ्यों और साक्ष्यों की बारीकी से जांच करते हुए पाया कि यह पूरा विवाद महज एक सिविल प्रकृति का है, जिसमें कोई आपराधिक तत्व नहीं है। कोर्ट ने कहा कि इस प्रकरण में सभी विवाद पक्षकारों के बीच पूर्णतः सिविल प्रकृति को हैं और। इसमें कोई आपराधिक तत्व नहीं है। कोर्ट ने माना कि यह मामला न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

अदालतों पर अनावश्यक बोझ

हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद 14 अक्टूबर 20121 को दर्ज एफआईआर क्रमांक 1103/2021 और 5 अगस्त 2024 को दर्ज क्रमांक 695/2024 को निरस्त कर दिया गया है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि राज शेखर द्वारा की गई शिकायतों में जिस प्रकार से आपराधिक धाराओं का इस्तेमाल हुआ, वह यह दर्शाता है कि कुछ लोग व्यक्तिगत हित के लिए न्याय व्यवस्था का दुरुपयोग करने में भी संकोच नहीं करते। यह न केवल निर्दोषों को अपमानित करता है, बल्कि अदालतों पर अनावश्यक बोझ भी डालता है।

आपराधिक मामला एवं विभागीय जांच एक साथ नहीं चल सकते

कोर्ट ने पुलिस विभाग के एएसआई की विभागीय जांच पर स्टे दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭बिलासपुर

हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि आपराधिक मामला एवं विभागीय जांच एक साथ नहीं चल सकते हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने पुलिस विभाग के एएसआई की विभागीय जांच पर स्टे दे दिया है।

गोमती इन्डस्ट्री के पास, लक्ष्मी नगर, रायपुर निवासी एस. बी. सिंह, जिला-रायपुर में सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) के पद पर पदस्थ हैं। उनके सेवाकाल के दौरान दिनांक 18 मार्च 2025 को उनके विरूद्ध पुलिस थाना कोतवाली, रायपुर में धारा-74, बी.एन.एस. एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया।

29 मई 2025 को पुलिस अधीक्षक, रायपुर द्वारा क्रिमीनल केस में लगाए गए समान आरोपों पर एएसआई के विरूद्ध विभागीय आरोप पत्र जारी कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई। इसके खिलाफ एएसआई सिंह द्वारा हाईकोर्ट अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं स्वाती कुमारी के माध्यम से रिट याचिका दायर की गई। याचिका में कहा गया कि यदि किसी शासकीय कर्मचारी के विरुद्ध आपराधिक मामला न्यायालय में विचाराधीन है एवं समान मामलों में उसे आरोप पत्र जारी कर विभागीय जांच की जा रही है तो गलत है। हाईकोर्ट ने विभागीय जांच पर रोक लगाई है।

फिरौती मामले तीन आरोपियों की आजीवन कारावास की सजा रद्द, अपहरण में सात साल की सजा भुगतनी होगी

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि यदि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहता है कि फिरौती की मांग की गई तो भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 364-ए के तहत फिरौती के लिए अपहरण का अपराध स्थापित नहीं होता है।

> ■ अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहा कि फिरौती की मांग की

इसके साथ ही अदालत ने धारा 364-ए के तहत दोषी ठहराए गए तीन लोगों की आजीवन कारावास की सजा को रद्द कर दिया, जबकि आईपीसी की धारा 363 के तहत अपहरण के लिए उनकी सजा को बरकरार रखा। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बिभु दत्ता गुरु की खंडपीठ ने खिलावन दास महंत उर्फ निखिल, अमरदास महंत और संजय सिदार को फिरौती के लिए अपहरण के आरोप से बरी कर दिया। अदालत ने पाया कि यद्यपि एक नाबालिग बच्चे के अपहरण का कृत्य साबित हो गया था, लेकिन बाद में किसी भी फिरौती की मांग का कोई सबूत नहीं था। अदालत ने अपहरण और गलत तरीके से छिपाने के लिए उनकी दोषसिद्धि और सात साल की सजा को बनाए रखा।

मामला खरसिया का है। 20 फरवरी, 2021 को रमेश कुमार अग्रवाल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उनका पूर्व रसोइया, खिलावन दास महंत उर्फ निखिल को दो दिन पहले नौकरी से निकाल दिया गया था। एक भूला हुआ मोबाइल चार्जर लेने के बहाने उनके घर आया और इसी दौरान उनके छह वर्षीय पोते, शिवांश अग्रवाल का अपहरण कर लिया। खरसिया पुलिस स्टेशन में इसकी आईपीसी की धारा 364-ए के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। जांच में एक सह-आरोपी, अमरदास का लोकेशन झारसुगुड़ा की ओर पाया गया।

सत्र न्यायालय ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड पुलिस के सघन अभियान के बाद झारखंड के खूंटी पुलिस स्टेशन के पास अर्टिगा गाड़ी से तीन आरोपियों के साथ ही अपहृत बच्चे को बरामद कर लिया। पुलिस ने खिलावन दास महंत, अमरदास महंत और संजय सिदार को पकड़ लिया। वाहन की तलाशी में एक देसी पिस्तौल, रस्सी, चिपकाने वाली टेप और एक रासायनिक पदार्थ सहित अन्य सामान बरामद हुए। जांच ने निष्कर्ष निकाला गया कि आरोपियों ने फिरौती के लिए बच्चे का अपहरण करने की साजिश रची थी, जिसमें उनकी मांग पूरी न होने पर उसकी हत्या करने की एक योजना भी थी। रायगढ़ के सत्र न्यायालय ने खिलावन दास महंत, अमरदास महंत और संजय सिदार को फिरौती के लिए अपहरण (आईपीसी धारा 364-ए) और आपराधिक साजिश (आईपीसी धारा 120-बी) सहित अपराधों के लिए दोषी ठहराया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। चौथे आरोपी प्रीतम दास महंत को बरी कर दिया गया।

फिरौती कॉल किए जाने के संबंध में कोई सबूत नहीं

दोषी व्यक्तियों ने बाद में इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। उन्होंने तर्क दिया कि गवाहों के बयानों में भौतिक विरोधाभास थे और महत्वपूर्ण रूप से, "वर्तमान अपीलकर्ताओं द्वारा किसी भी फिरौती कॉल किए जाने के संबंध में कोई सबूत नहीं है।" शासन की ओर से कहा गया कि अभियोजन का मामला साबित हो गया है। कोर्ट ने पीड़ित बच्चे की गवाही को "अत्यधिक महत्वपूर्ण" पाया। बच्चे ने आरोपी निखिल और अन्य दो सह-आरोपियों की पहचान की, और कहा कि निखिल उसे चिप्स खरीदने के बहाने ले गया था हाईकोर्ट ने अपीलों को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया। इसने तीनों अपीलकर्ताओं की आईपीसी की धारा 364-ए/34 के तहत दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा, और खिलावन दास महंत की धारा 120-बी आईपीसी के तहत दोषसिद्धि को रद्द कर दिया, और उन्हें इन आरोपों से बरी कर दिया। हालांकि, अदालत ने आईपीसी की धारा 363 के तहत अपहरण और धारा 368 के तहत अपहृत व्यक्ति को गलत तरीके से छिपाने के लिए उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखा।

संभावित आशंका और अनुमान किसी भी मामले को एक कोर्ट से दूसरे कोर्ट में स्थानांतरित करने का आधार नहीं होना चाहिए

बिलासपुर। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने एक अधिवक्ता को अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामले में पीठासीन अधिकारी द्वारा जमानत नहीं दिए जाने पर प्रकरण को अन्य अदालत में सुनवाई हेतु भेजने पेश याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा है कि संभावित आशंका का मात्र अनुमान किसी भी मामले को एक न्यायालय से दूसरे न्यायालय में स्थानांतरित करने का आधार नहीं होना चाहिए। हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि केवल अत्यंत विशेष परिस्थितियों में जब ऐसे आधार लिए जाते हैं तो न्यायालय को किसी मामले को स्थानांतरित करने के लिए मौजूद कारणों का पता लगाना चाहिए, ताकि न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा और उनके आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और सबसे बढ़कर न्याय संस्था की गरिमा को बनाए रखा जा सके।

मामले के मुताबिक पांच वर्ष ला विषय की पढ़ाई कर रही अनुसूचित जनजाति की छात्रा के साथ ओबीसी वर्ग के वकील ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाया। इससे वह गर्भवती हो गई। मामले में पीड़िता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में मुख्य आरोपी वकील के अलावा प्रदेश के जिला न्यायालय में प्रैक्टिस करने वाले अन्य वकीलों के खिलाफ भी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया। पुलिस ने एक

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला एडवोकेट की अपील खारिज

अधिवक्ता को अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर विचारण न्यायालय में पेश किया। विचारण न्यायालय ने जमानत आवेदन खारिज कर जेल दाखिल का आदेश दिया। इस पर अधिवक्ता ने पीठासीन अधिकारी पर संदेह व्यक्त कर प्रकरण को विचारण के लिए अन्य कोर्ट में भेजने याचिका पेश की थी। वर्तमान में पीड़िता एवं आरोपी दोनों एडवोकेट हैं।

जिला न्यायपालिका न्याय प्रशासन की रीढ़

मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि वर्तमान में देश में न्याय प्रदान करने की प्रचलित प्रणाली के विभिन्न स्तर हैं। जमीनी स्तर पर, न्यायालयों को आमतौर पर जिला न्यायपालिका के रूप में जाना जाता है और वे न्याय प्रशासन का आधार बनते हैं। यह भी कहा जाता है कि जिला न्यायपालिका न्याय प्रशासन की रीढ़ है। केवल एक प्रतिकूल आदेश के आधार पर पक्षपात का आरोप स्थानांतरण को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं है, जब तक कि इसकी पुष्टि प्रासंगिक सामग्री से न हो, जो कि वर्तमान मामले में नहीं है। इसके साथ ही कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है।

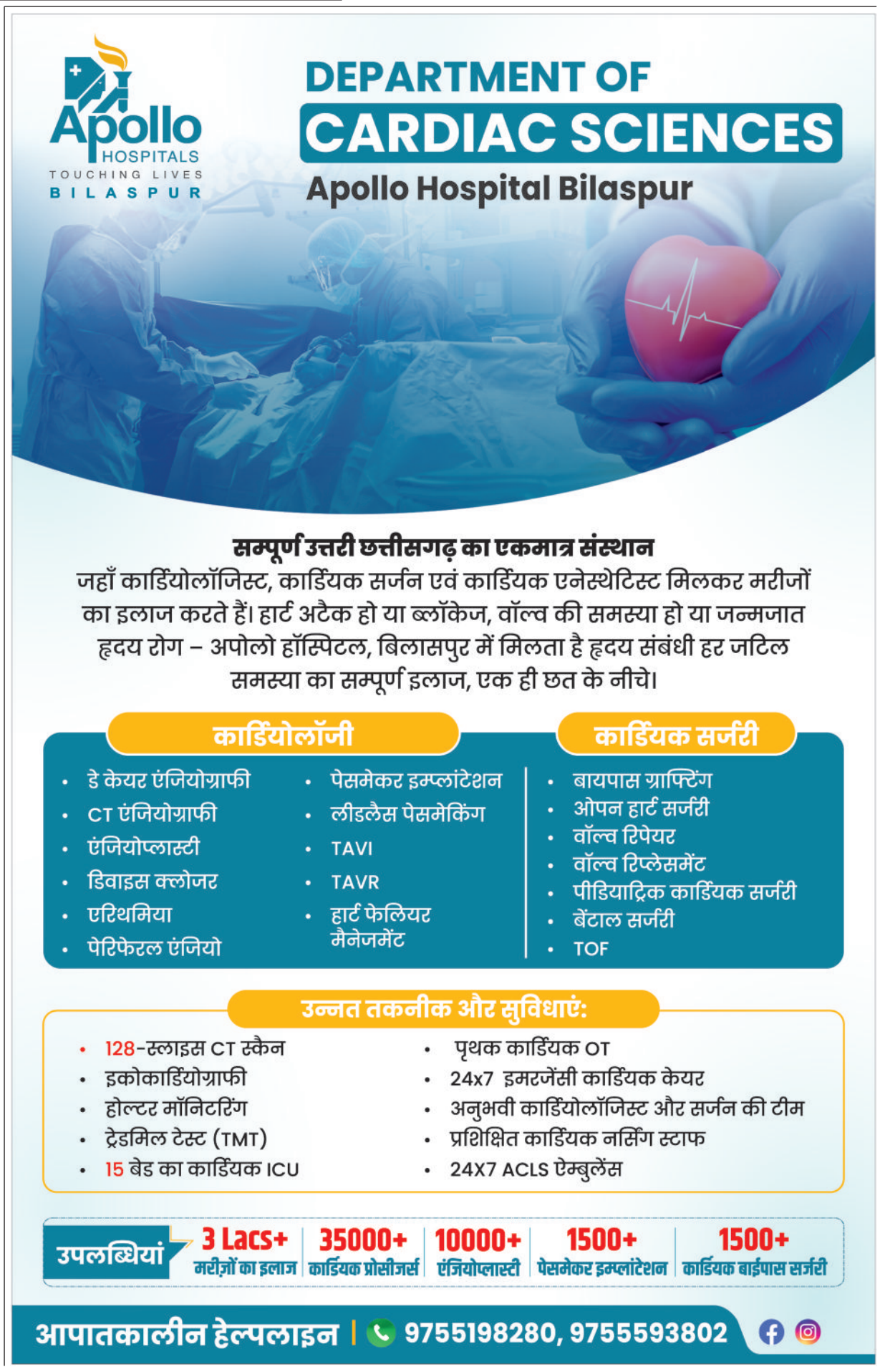

बिलासपुर
रविवार 20 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण पक्ष दशमी
वर्ष: 25, अंक: 119
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 34.4
न्यून. 26.8

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

जिन-जिन जिलों में डुप्लिकेट आधार वाले राशन कार्ड मिले हैं उनकी जांच चल रही

प्रदेश में 86200 राशन कार्ड संदेह के दायरे में, डुप्लिकेट आधार से बने, ईकेवाईसी के बाद सामने आए आंकड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में 82 हजार 2 सौ राशन कार्ड संदेह के दायरे में हैं। इन राशन कार्डों को डुप्लिकेट आधार से बनवाया गया है। वन नेशन वन कार्ड योजना के तहत राशन कार्ड के प्रत्येक सदस्य का ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह चौंकाने वाले आंकड़े विभाग की रिपोर्ट में सामने आए हैं। इस रिपोर्ट के बाद ▶▶शेष पेज 7 पर

इनमें हजारों लोग दुकानों से हर माह उठा रहे राशन

जिन लोगों ने डुप्लिकेट आधार से राशन कार्ड बनवाए हैं, उनमें से हजारों लोग ऐसे भी होंगे जो हर महीने उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न भी उठाते होंगे। हालांकि इसका आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है। इसकी जानकारी भौतिक सत्यापन या फिर जांच के बाद ही सामने आ पाएगी।

दूसरी योजनाओं का भी ले रहे लाभ

आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला योजना, छात्रवृत्ति, महतारी वंदन सहित अन्य कई सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए राशन कार्ड होना अनिवार्य है। सूत्रों की मानें तो प्रदेश में डुप्लिकेट आधार से राशन कार्ड बनाए जाने के जो आंकड़े सामने आए हैं, ये सभी कार्ड पिछले पांच साल के दौरान बने हैं। यह भी संभावना है कि जिन लोगों ने ये कार्ड बनवाए हैं, उनमें ज्यादातर लोग राशन की जगह अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के उद्देश्य से बनवाए हैं।

रायपुर-दुर्ग में सबसे ज्यादा डुप्लिकेट आधार धारकः आंकड़ों के अनुसार डुप्लिकेट आधार से राशन कार्ड सबसे ज्यादा रायपुर जिले में हैं। यहां 17 हजार से ज्यादा इसकी संख्या है, वहीं दूसरे नंबर पर दुर्ग जिला है, जहां 8 हजार से ज्यादा कार्ड सदस्य हैं।

एक नजर...

कौन से जिले में कितने डुप्लिकेट आधार धारक

रायपुर	17990	कवर्धा	1981
दुर्ग	8809	राजनांदगांव	3551
बस्तर	3149	बलौदाबाजार	1296
बीजापुर	187	धमतरी	506
दंतेवाड़ा	1082	गरियाबंद	2663
कांकेर	875	महासमुंद	3094
कोंडागांव	1036	बलरामपुर	4628
नारायणपुर	106	जशपुर	3764
सुकमा	588	कोरिया	407
बिलासपुर	2581	सरगुजा	4776
गौपेंम	1829	सूरजपुर	1617
जांजगीर	1113	खैरागढ़-गंडई	2426
कोरबा	3129	मोहला-मानपुर	717
मुंगेली	706	सक्ती	883
रायगढ़	2586	सारंगढ़-बिलाईगढ़	1108
बालोद	1683	मनेंद्रगढ़-चिरमिरी	3587
बेमेतरा	1747		

ई-केवाईसी के दौरान पता चला कार्ड में डुप्लिकेट है आधार नंबर

केंद्र सरकार ने राशन कार्ड में होने वाली गड़बड़ी, फर्जीवाड़ा और पारदर्शिता लाने के लिए वन नेशन वन योजना के तहत देशभर में राशन कार्ड के प्रत्येक सदस्य को ई-केवाईसी कराना अनिवार्य किया था। केवाईसी कराने की अंतिम तारीख 30 जून 2025 थी। इसके बाद केवाईसी की प्रक्रिया ▶▶शेष पेज 7 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

राहुल ने प्रधानमंत्री से मांगा जवाब, भाजपा नेता ने सुना दी खरी-खरी

ट्रंप का दावा : भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान मार गिराए गए थे 5 फाइटर जेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली/न्यूयॉर्क/वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर बयान दिया है। इस बयान के बाद फिर से भारत में सियासी भूचाल आ गया है। व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सीनेटरों के लिए आयोजित डिनर के दौरान ट्रंप ने दावा किया कि उनके कार्यकाल में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य तनाव के दौरान "पांच लड़ाकू विमान" मार गिराए गए थे। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये जेट किस देश के थे। ट्रंप के इस दावे के बाद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से जवाब मांगा है, इस पर भाजपा ने पलटवार करते हुए जमकर निशाना साधा है।

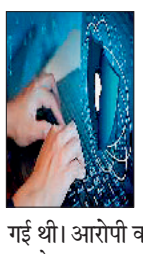

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया दावा किया है कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के दौरान पांच विमान मार गिराए गए।' साथ ही उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव उनके हस्तक्षेप के बाद समाप्त हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट नहीं किया कि किसी एक पक्ष के विमान मार गिराए गए या फिर वह दोनों पक्षों के नुकसान की बात कर रहे थे। भारत सैन्य टकराव समाप्त कराने के ट्रंप के दावे को वस्तुतः खारिज करते हुए यह कहता रहा है कि अमेरिका की मध्यस्थता के बिना दोनों पक्षों ने अपनी सेनाओं के बीच सीधी बातचीत के बाद सैन्य कार्रवाइयां रोकीं।

ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों के लिए शुक्रवार को आयोजित रात्रिभोज के दौरान कहा, एक तरफ भारत और दूसरी ओर पाकिस्तान था। दोनों के बीच सैन्य टकराव जारी था। विमान मार गिराए जा रहे थे... चार या पांच विमान। मुझे लगता है कि वास्तव में पांच विमान मार गिराए गए थे... हालात बद से बदतर होते जा रहे थे, है ना?' उन्होंने कहा, ..दोनों के पास परमाणु हथियार हैं और वे एक-दूसरे पर हमले कर ▶▶शेष पेज 7 पर

व्हाइट हाउस में डिनर के दौरान ट्रंप ने किया दावा

पहलगाम के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर'

भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाते हुए सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत की कार्रवाई के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमले किए। इसके बाद 10 मई को सैन्य टकराव रोकने पर सहमति बनीं। अमेरिका ने गुरुवार को टीआरएफ को एक वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किया। भारत ने अमेरिका के इस फैसले का स्वागत किया है।

हमने बहुत सारे युद्ध रुकवाए

ट्रंप ने कहा, मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि हमने बहुत सारे युद्ध रुकवाए, कई सारे युद्ध... और ये गंभीर युद्ध थे। ट्रंप 10 मई के बाद से विभिन्न अवसरों पर कई बार यह दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव खत्म कराने में मदद की। दोनों देशों से कहा कि यदि वे संघर्ष को रोक दें तो अमेरिका उनके साथ बहुत सारा व्यापार करेगा।

इधर, सियासी घमासान

राहुल ने पूछा-

मोदी जी पांच जहाजों का सच क्या है

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताना चाहिए कि पांच जहाजों का सच क्या है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अब इस बारे में संसद के भीतर स्पष्टीकरण देना चाहिए।

भाजपा बोली-

राहुल की मानसिकता एक देशद्रोही की

भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा, 'राहुल गांधी की मानसिकता एक देशद्रोही की है। ट्रंप ने अपने बयान में न तो भारत का नाम लिया, न ही यह कहा कि वे पांच जहाज भारत के थे। फिर कांग्रेस के युवराज ने उन्हें भारत के ही क्यों मान लिया? पाकिस्तान के क्यों नहीं माने? क्या उन्हें अपने देश से ज़्यादा हमदर्दी पाकिस्तान से है?

आप ने कहा-

प्रधानमंत्री जी, अब अपनी चुप्पी तोड़िए

आप ने लिखा- मोदी ने भारत की गरिमा से समझौता किया। 'प्रधानमंत्री जी, अब अपनी चुप्पी तोड़िए। ट्रंप बार-बार इशारा कर रहे हैं कि व्यापार रोकने की धमकी के चलते प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की गरिमा से समझौता किया है, लेकिन 56 इंच के सीने का दावा करने वाले नरेंद्र मोदी के मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला है।

एअर इंडिया विमान में तकनीकी खराबी

16 मिनट में वापस लौटा थाइलैंड जा रहा विमान

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से थाइलैंड के फुकेट के लिए रवाना हुआ एक विमान उड़ान भरने के 16 मिनट बाद ही रनवे पर वापस लौट गया। एअर इंडिया एक्सप्रेस के इस विमान ने शनिवार सुबह 6:40 पर हैदराबाद से टेकऑफ किया था। इस विमान संख्या आईएक्स-110 को सुबह 11:45 पर फुकेट पहुंचना था, लेकिन उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी के चलते यह हैदराबाद एयरपोर्ट वापस लौट आई।

विमान ने अपने निर्धारित समय से 20 मिनट देरी से उड़ान भरी थी। आंकड़ों के अनुसार, इस विमान ने उड़ान भरी लेकिन यह बहुत दूरी तक नहीं जा पाई। इसमें कुछ तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद पायलट ने इसे दोबारा हैदराबाद एयरपोर्ट पर उतार दिया। हालांकि इस मामले को लेकर अभी तक एयरपोर्ट अधिकारी या एयरलाइन का कोई बयान सामने नहीं आया है।

20 मिनट की देरी से उड़ी थी फ्लाइट

आंकड़ों के अनुसार बोइंग 737 मैक्स 8 (पंजीकरण वीटी-बीडब्ल्यूए) विमान पर संचालित फ्लाइट आईएक्स-110 ने सुबह 6.40 बजे हैदराबाद से उड़ान भरी थी। जो इसके निर्धारित प्रस्थान समय 6.20 बजे से लगभग 20 मिनट देरी से थी। इस फ्लाइट को अपने निर्धारित समय के अनुसार 11.45 बजे फुकेट पहुंचना था। फुकेट जा रही फ्लाइट के वापस लौटने पर सोशल मीडिया में एक यात्री की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। इसमें यात्री ने अपना गुस्सा व्यक्त किया है।

16 मिनट हवा में रही फ्लाइट

हैदराबाद से फुकेट जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट कुल 16 मिनट हवा में रही। विमान ने 6:41 पर राजीव गांधी हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। 16 मिनट बाद 6:57 बजे फ्लाइट को लैंड कराया गया। एयर इंडिया एक्सप्रेस 110 में क्या खराबी आई और क्यों ऐसा हुआ? इसकी ब्योरा अभी एयर इंडिया ने साझा नहीं किया गया है।

खबर संक्षेप

आयरन फैक्टरी में ब्लास्ट चार मजदूरों की मौत

हजारीबाग। एक आयरन फैक्ट्री में शनिवार को सुबह बड़ा ब्लास्ट हुआ। इस हादसे में चार लोगों की मौत की आशंका है। घटना की सूचना मिलने के बाद भारी भीड़ बाहर जमा हो गई लेकिन फैक्ट्री का गेट नहीं खोला गया। घटना की जानकारी पुलिस को मिली तो एक टीम पहुंची और गेट खुलवाया।

मां की डांट से नाराज नाबालिग ने की आत्महत्या

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के एक गांव में शुक्रवार शाम को मां की डांट से नाराज होकर 12 वर्षीय एक नाबालिग लड़के ने फंदा लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। सुल्तानीपुर गांव में शुक्रवार को सत्यम गोंड (12) ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

डॉक्टर से 15 लाख की ठगी, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। साइबर धोखाधड़ी के लिए कमीशन पर कॉर्पोरेट बैंक खातों की व्यवस्था करने वाले बैंक कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली के एक डॉक्टर से लगभग 15 लाख रुपए की ठगी की गई थी। आरोपी की पहचान बुद्धदेव हाजरा (31) के रूप में हुई है, जो कई बैंकों के ऋण विभागों में काम कर चुका है।

आप विधायक अनमोल गगन ने दिया इस्तीफा

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी की नेता अनमोल गगन मान ने पंजाब विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। मान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पंजाबी में एक पोस्ट में कहा, मैंने भारी मन से राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया है। विधायक पद से अध्यक्ष को दिया गया मेरा इस्तीफा स्वीकार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, पार्टी के साथ मेरी शुभकामनाएं हैं। मुझे उम्मीद है कि पंजाब सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

एम्स में पढ़ाई कर रहा छात्र मृत मिला

पटना। बिहार के पटना स्थित एम्स में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहा छात्र शनिवार को छात्रावास के अपने कमरे में मृत पाया गया। मृतक की पहचान ओडिशा निवासी राघवेंद्र साहू के रूप में हुई है और वह एमडी (प्रथम वर्ष) का छात्र था। पुलिस को सूचना मिली कि साहू सुबह से छात्रावास संख्या-5 में अपना कमरा नहीं खोल रहा है। उसका कमरा अंदर से बंद था।

22 जुलाई को आर्थिक नाकेबंदी

चैतन्य की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने बनाई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किए जाने के विरोध में कांग्रेस ने 22 जुलाई को पूरे राज्य में आर्थिक नाकेबंदी का ऐलान किया है। पूरे प्रदेश के पांच संभागों में आर्थिक नाकेबंदी करते हुए चक्काजाम करने का निर्णय लिया गया है। प्रेस कान्फ्रेंस में कांग्रेस के सभी बड़े नेता एक साथ बैठे। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा कि हम सब एक हैं और सब एक दूसरे के सुख-दुख में खड़े रहेंगे। कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में कांग्रेस की राजनैतिक मामलों की समिति तथा विधायकों की बैठक ▶▶शेष पेज 7 पर

- कांग्रेस की राजनैतिक मामलों की समिति तथा विधायकों की बैठक में लिया गया निर्णय
- भूपेश बघेल के बेटे की गिरफ्तारी पर गरमाई सियासत

बीजेपी की सरकार जनता के सामने बेनकाब : बैज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, बीजेपी की सरकार जनता के सामने बेनकाब हो चुकी है। बस्तर से लेकर सरगुजा तक जल, जंगल, जमीन लूट रही है। छत्तीसगढ़ में लॉ एंड ऑर्डर खत्म हो चुका है। सभी मुद्दों पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सरकार के खिलाफ मजबूती से लड़ रही है। जनता के बीच सरकार की नाकामी स्थापित करने में हम सफल रहे हैं। उन्होंने कहा, एक जग, एक चप्पल और एक टीवी की कीमत क्या है, ये पूरी जनता ने देख लिया। पूर्व सीएम बघेल को महादेव सट्टा एप के नाम से बदनाम किया। क्या महादेव एप बंद हुआ? क्या अब तक सौरभ और रवि को सरकार ने गिरफ्तार किया है? नया एप शुरू हो चुका है।

साय ने कहा- अभी तो जांच जारी है, न जाने और कितनों का नंबर लगेगा

ईडी की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस के 22 जुलाई को प्रदेशव्यापी आर्थिक नाकेबंदी पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस तो जनता के लिए परेशानी खड़ा करती ही है। 5 साल सरकार चलाए तो जनता को धोखा दिए। पांच सालों में अनेक घोटाले हुए, इसलिए जेल जा रहे हैं। अभी तो जांच जारी है, न जाने और कितने लोगों का नंबर लगेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संवाददाताओं ▶▶शेष पेज 7 पर

नाइजर में आतंकी हमला दो भारतीयों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

अफ्रीकी देश नाइजर के डोसो क्षेत्र में हुए जघन्य आतंकवादी हमले में दो भारतीयों की मौत हो गई है और एक का अपहरण कर लिया गया है। राजधानी नियामी में भारतीय मिशन दोनों मृतकों के शवों को वापस लाने और एक अपहृत भारतीय की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय प्राधिकारियों के साथ संपर्क में बना हुआ है। इसके अलावा मिशन की तरफ से नाइजर में रह रहे सभी भारतीयों को मौजूदा ▶▶शेष पेज 7 पर

- एक का किया अपहरण

आतंकियों के निशाने पर विदेशी

भारत के अलावा नाइजर में आतंकवादियों द्वारा दुनिया के अन्य देशों के नागरिकों पर किए गए हमलों की घटनाओं में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। डोसो क्षेत्र की उक्त घटना के अलावा कई अन्य विदेशी नागरिकों का भी आतंकियों ने अपहरण किया है। जिसमें ऑस्ट्रिया की एक महिला, जो नाइजर में बीते दो दशक से अधिक वक्त से रह रही थी।

चाकू से पेट्रोल पंप मैनेजर की हत्या

फ्लिपकार्ट, इलास्ट्रिक रन कोरियर के आधा दर्जन कर्मी गिरफ्तार

- निर्देश के बाद भी ऑनलाइन शॉपिंग साइट कंपनी द्वारा चाकू उपलब्ध कराए जाने पर पुलिस ने की कार्रवाई
- पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ व्यक्तिगत, दूसरों की जीवन की सुरक्षा को खतरे में डालने का दर्ज किया अपराध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी सहित प्रदेश के ज्यादातर बदमाश पुलिस से बचने ऑनलाइन शॉपिंग साइट से चाकू सहित अन्य घातक हथियार मंगाकर अपराध कर रहे हैं। पिछले दिनों मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में एक पेट्रोल पंप मैनेजर की हत्या में इस्तेमाल चाकू ऑनलाइन साइट से मंगाया गया था। उसी चाकू से बदमाशों ने पेट्रोल पंप मैनेजर की हत्या की थी। इसकी जानकारी मिलने पर राजधानी पुलिस ने पहली ▶▶शेष पेज 7 पर

पड़ताल में पता चला और दो चाकू मंगाए थे : हत्या के आरोपियों से पूछताछ करने पर पुलिस ने उनके मोबाइल जब्त कर जांच की, तो पता चला कि वे हत्या में इस्तेमाल चाकू के अलावा पूर्व में फ्लिपकार्ट से दो और चाकू मंगवा चुके हैं। बदमाश ने पूर्व में मंगाए गए चाकू से लूट के साथ लोगों के साथ मारपीट की थी। हत्या के आरोप में गिरफ्तार आरोपी अभनपुर थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर बदमाश हैं।

इसलिए की गई गिरफ्तारी

एसएसपी के अनुसार अपराध पर अंकुश लगाने जितनी भी ऑनलाइन शॉपिंग साइट कंपनी हैं, उन कंपनी प्रबंधन को पूर्व में कई बार पत्र लिखकर निर्देशित किया गया है कि वे चाकू सहित अन्य घातक हथियारों का ऑनलाइन आर्डर बुक नहीं करें। जो ऑनलाइन चाकू के साथ अन्य हथियार मंगाते हैं, उनकी सूचना पुलिस को दें। बावजूद इसके ▶▶शेष पेज 7 पर

पंडरिया की विधायक भावना बोहरा से डॉ. हिमांशु द्विवेदी की खास बातचीत

भाजपा का टिकट मिला तब नहीं चौंकी थी उत्कृष्ट विधायक का सम्मान चौंकाने वाला है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि खास

पंडरिया की विधायक भावना बोहरा का कहना है, पंडरिया से भाजपा की टिकट का मिलना उतना चौंकाने वाला नहीं था, लेकिन उत्कृष्ट विधायक का सम्मान मिलना जरूर चौंकाने वाला है। विधानसभा में जब मेरे नाम की घोषणा हुई थी तो मुझे यकीन नहीं हुआ था। तब मैंने अपने साथी विधायक से पूछा था क्या मेरा ही नाम लिया गया है। अपने राजनीति जीवन पर विस्तार से भावना बोहरा ने हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से जो खास बातचीत की है, वह प्रस्तुत है।

▶▶ मौजूदा स्थिति को लेकर कितनी अचंभित रहती हैं, कहां से चले थे, कहां पहुंचे हैं?

▶▶ कहां पहुंचे ये तो नहीं पता लेकिन सफर की शुरुआत जरूरी है। भावना बोहरा के रूप में शुरुआत की थी आज भावना दीदी के रूप में लोगों का समर्थन और सहयोग मिल रहा है। बहुत अच्छा अनुभव हो रहा है। ये सफर कहां तक जाएगा कह नहीं कहते हैं, लेकिन मैं जब तक जीवित हूं, सेवा भाव हमेशा भगवान मेरे अंदर रखें यही चाहती हूं। जहां तक महत्वाकांक्षा का सवाल है तो यही जरूरी है। महत्वाकांक्षा और अति महत्वाकांक्षा में फर्क है। मैं कभी अति महत्वाकांक्षी नहीं बनना चाहूंगी।

▶▶ क्या शुरू से इरादा था राजनीति में आना है और छा जाना है?

▶▶ शुरू से ही इरादा था राजनीति में आने का। पांचवीं क्लास से ही था कि मुझे मानिटर बनना है। 12वीं तक मैंने लगातार क्लास में मानिटर का रोल किया है। कॉलेज में मैंने छात्रसंघ की राजनीति से शुरुआत की। वैसे मेरे पिता भी राजनीति से ही रहे हैं। ▶▶शेष पेज 7 पर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूस से तेल खरीदने वालों पर 500 फीसदी टैरिफ की धमकी के बाद अमेरिका की धरती से ही नाटो ने भारत, चीन व ब्राजील को धमकीभरी चेतावनी दी है कि रूस से व्यापार जारी रखने पर इन तीनों देशों पर नाटो सैन्य संगठन के सदस्य देशों द्वारा सौ प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ लगाया जाएगा। नाटो के महासचिव मार्क रूट के ऐलान के बाद भारत ने भी बड़े तीखे शब्दों में जवाब दिया कि नाटो का दोहरापन नहीं चलेगा। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने राजधानी दिल्ली में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत की प्राथमिकता अपने लोगों के लिए ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने की है। विदेश मंत्रालय ने नाटो द्वारा दोहरा मापदंड अपनाने के लिए उनके ऐलान की कड़ी आलोचना की है। नाटो के सदस्य रूस से तेल खरीदे व नाटो भारत को धमकी दे, ये नहीं चलेगा। भारत की दो टूक राय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का खात्मा केवल कूटनीतिक बातचीत से मुमकिन हो सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप की रणनीति तो युद्ध को और अधिक प्रज्ज्वलित कर सकती है। भारत द्वारा परमाणु परीक्षण अंजाम देने के बाद अमेरिका द्वारा आर्थिक प्रतिबंध आयद किए गए थे। उस वक्त अमेरिकन आर्थिक प्रतिबंध एकदम नाकाम सिद्ध हुए थे। यदि भारत पर फिर से प्रतिबंध आयद किए गए तो फिर से वही अंजाम होगा। पेश है एक विश्लेषण...

नाटो की धमकी से भारत विचलित नहीं

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मार्क रूट ने बाकायदा ऐलान किया कि भारत, चीन और ब्राजील यदि भविष्य में रूस के साथ अपना कारोबार जारी रखेंगे, तो फिर इन तीनों देशों पर नाटो सैन्य संगठन के देशों द्वारा सौ प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ आयद कर दिया जाएगा। मार्क रूट के इस धमकी भरे ऐलान के बाद भारत द्वारा भी बड़े तीखे शब्दों में इसका प्रति उत्तर पेश किया गया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने राजधानी दिल्ली में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत की प्राथमिकता अपने लोगों के लिए ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने मार्क रूट द्वारा टैरिफ आयद करने पर दोहरा मापदंड अपनाने के लिए उनके ऐलान की कड़ी आलोचना की। रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि तेल आयात के प्रश्न पर भारत वस्तुतः बाजार और दुनिया के हालात से निर्देशित होता है।

नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन संक्षेप में कहें तो नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट ने अमेरिकी सीनेटर टॉम टिलिस और जीन शाहीन के साथ संयुक्त रूप से अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में एक प्रेस कांफ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मार्क रूट ने बाकायदा ऐलान किया कि भारत, चीन और ब्राजील यदि भविष्य में रूस के साथ अपना कारोबार जारी रखेंगे, तो फिर इन तीनों देशों पर नाटो सैन्य संगठन के देशों द्वारा सौ प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ आयद कर दिया जाएगा। मार्क रूट के इस धमकी भरे ऐलान के बाद भारत द्वारा भी बड़े तीखे शब्दों में इसका प्रति उत्तर पेश किया गया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने राजधानी दिल्ली में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत की प्राथमिकता अपने लोगों के लिए ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने मार्क रूट द्वारा टैरिफ आयद करने पर दोहरा मापदंड अपनाने के लिए उनके ऐलान की कड़ी आलोचना की। रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि तेल आयात के प्रश्न पर भारत वस्तुतः बाजार और दुनिया के हालात से निर्देशित होता है।

भारत द्वारा दोहरा मापदंड अपनाए जाने का जो संगीन इल्जाम नाटो सैन्य संगठन पर आयद किया गया है, उसका तथ्यात्मक आधार यह है कि तुर्किये जो कि नाटो सैन्य संगठन का सदस्य देश है, के भी बड़े कारोबारी रिश्ते रूस के साथ कायम रहे हैं। तुर्किये रूस से बड़ी मात्रा में आयल भी आयात करता है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) रूस की ऊर्जा के अंतरराष्ट्रीय लेनदेन के लिए एक वित्तीय माध्यम के तौर पर काम करता रहा है। यूरोप के तकरीबन सभी देश भारत द्वारा रूस के क्रूड आयल से रिफाइन तेल विगत तीन वर्षों से निरंतर खरीदते रहे हैं। अमेरिका खुद भी बड़े पैमाने पर रूस से यूरेनियम की खरीदारी करता रहा है। इन तमाम देशों पर ना तो प्रेसिडेंट ट्रंप ने और ना ही नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट ने एक बड़ा अतिरिक्त टैरिफ आयद करने की धमकी दी है। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी आवश्यकता का तकरीबन 85 प्रतिशत तेल आयात करता है। आजकल भारत अपने कुल आयात का तकरीबन आधा तेल रूस से खरीद रहा है।

रूट की टैरिफ आयद करने की धमकी

नाटो के सेक्रेटरी जनरल और नीदरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री मार्क रूट यह भी फरमाते हैं कि भारत, चीन और ब्राजील तीनों देशों के सर्वोच्च लीडरों को रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत करके उनको युद्ध खत्म करने के लिए रजामंद करना चाहिए। मार्क रूट का यह कैसा विकट अंदाज ए बयां है, कि जिसमें कोई कूटनीतिक आग्रह नहीं है, वरन सौ प्रतिशत टैरिफ आयद करने की धमकी का विषाक्त धुआं उठता हुआ प्रतीत हो रहा है। विश्व पटल पर यह कैसा

विकराल दौर आ गया है जब कि भारत के साथ मित्रता का दम भरने वाले अमेरिका और यूरोप के अन्य नाटो देश भारत के साथ किसी जटिल अंतरराष्ट्रीय प्रश्न पर कूटनीतिक बातचीत करने के स्थान पर सार्वजनिक तौर पर भारत के विरुद्ध धमकी भरे अंदाज में सौ प्रतिशत टैरिफ नाफ़िज़ करने का ऐलान कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति आई है, जब से कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर दूसरी पारी में आसीन हुए हैं। राष्ट्रपति पद पर आसीन होने के एकदम बाद उन्होंने दावा किया था कि कुछ दिनों के अंदर ही वह रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करा देंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कूटनीतिक तौर पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन को युद्ध खत्म करने के लिए अपने दबाव में नहीं ले पाए। इसके विपरीत रूसी फ़ौज द्वारा यूक्रेन पर भीषण सैन्य आक्रमण शुरू कर दिए गए। फिर क्या था, राष्ट्रपति ट्रंप ने बौखला कर रूस के साथ गहन मित्रता रखने वाले ब्रिक्स देश भारत, चीन और ब्राजील पर अतिरिक्त टैरिफ आयद करने की धमकी भरा ऐलान कर दिया।

अमेरिका के हाथों की कठपुतली है नाटो

सर्वविदित है कि नाटो सैन्य संगठन में 32 सदस्य देश हैं, जिनमें यूरोपीय यूनियन के 23 देश शामिल हैं, किंतु नाटो का तकरीबन 70 प्रतिशत खर्च अमेरिका वहन करता है। अभी हाल ही में यूरोप के नाटो देशों पर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा यह दबाव डाला गया कि ये देश अपने जीडीपी का कम से कम पांच प्रतिशत नाटो सैन्य संगठन को फंड प्रदान करेंगे। अभी तक केवल अमेरिका के अतिरिक्त अन्य नाटो देश अपनी जीडीपी का केवल ढाई प्रतिशत नाटो सैन्य संगठन को मुहैया कराते रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो देश को भी यह धमकी दी थी कि यदि वह ऐसा नहीं करेंगे तो अमेरिका नाटो सैन्य संगठन को तत्काल छोड़ देगा। उल्लेखनीय है कि जी-7 के शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों के मध्य जबरदस्त तकरार हो गई थी। आखिरकार रूस के संभावित सैन्य हमले से भयभीत हो रहे यूरोप के कुछ नाटो देश अपनी जीडीपी का पांच प्रतिशत नाटो सैन्य संगठन को प्रदान करने के लिए राजी भी हो गए हैं। ऐतिहासिक तौर पर नाटो संगठन वस्तुतः अमेरिका के हाथों की कठपुतली बना रहा है।

बहु ध्रुवीय शक्तियों का उदय हुआ

उल्लेखनीय है कि 4 अप्रैल सन् 1949 को 12 देशों द्वारा नाटो सैन्य संगठन की बुनियाद रखी गई थी। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के तत्पश्चात विश्व दो शक्तिशाली सैन्य गुटों में विभाजित हो गया था। कोल्ड वॉर का सैन्य तनाव का खतरनाक दौर प्रारंभ हो चुका था। सोवियत यूनियन के नेतृत्व में वारसा सैन्य पैक्ट अस्तित्व में आ चुका था। सन् 1991 में इतिहास ने जबरदस्त पलटा खाया और सोवियत यूनियन एकदम बिखर गया। इसके साथ ही वारसा सैन्य पैक्ट का भी अंत हो गया।

इस बुनियादी परिवर्तन के बावजूद अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन बाकायदा बरकरार बना रहा। विश्व पटल पर सोवियत पराभव के बाद अमेरिका एक ध्रुवीय विश्व शक्ति बन गया। परिणामस्वरूप अमेरिका के राष्ट्रपति जॉर्ज बुश सीनियर ने सद्दाम हुसैन के इराक पर ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म के तहत 17 जनवरी 1991 को धावा बोल दिया। सन् 1996 में नाटो सेना ने बोस्निया और हर्जेगोविना पर बम बरसाए थे। सन् 2001 में अफगानिस्तान पर और सन् 2003 में अमेरिका की कयादत में आक्रमण अंजाम दिया। 21वीं सदी में चीन के सैन्य और आर्थिक शक्ति के तौर पर जबरदस्त उभार ने विश्व पटल पर शक्ति संतुलन की तस्वीर बदल कर रख दी। अब विश्व पटल पर अमेरिका एक ध्रुवीय शक्ति नहीं रह गया है, बल्कि बहु ध्रुवीय शक्तियों का उदय हो चुका है।

अमेरिका के उकसावे में हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध

राष्ट्रपति पुतिन के नेतृत्व में रूस भी एक बड़ी सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित हो गया है। फरवरी वर्ष 2022 में प्रारंभ हुए रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस के विरुद्ध सैन्य उकसावे की कार्रवाई वस्तुतः अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन द्वारा ही प्रारंभ की गई थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने नाटो सैन्य संगठन का सदस्य बनने के लिए एक दरख्वास्त पेश की, जिस पर विचार करने के लिए नाटो देश एकदम रजामंद हो गए।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि यदि यूक्रेन को नाटो सैन्य संगठन का सदस्य बना लिया गया तो फिर रूस की सरहद पर नाटो के फौजी दस्ते तैनात हो जाएंगे और रूस की सुरक्षा गंभीर तौर पर खतरे में पड़ जाएगी। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को नाटो सैन्य संगठन का सदस्य देश नहीं बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रपति पुतिन के इस आग्रह को नाटो देशों ने एकदम अस्वीकार कर दिया। यही कारण था कि यूक्रेन पर रूस की सेना द्वारा आक्रमण अंजाम दिया गया। अमेरिका और नाटो सैन्य संगठन का सोच विचार था कि अफगानिस्तान युद्ध की तरह रूस को कमजोर करने के लिए यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध में उलझा दिया जाए। अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन द्वारा इस समस्त षड्यंत्र को अंजाम दिया गया। रूस-यूक्रेन युद्ध को तकरीबन तीन वर्षों से अधिक का वक्त बीत चुका है, किंतु अभी तक यह युद्ध किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पाया है। भारत प्रारंभ से ही रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए कूटनीतिक बातचीत की पुरजोर पैरवी करता रहा है और भारत ने इस भीषण युद्ध को समाप्त कराने के लिए कूटनीतिक मध्यस्थता करने की भी पेशकश की थी।

कोल्ड वॉर के दौर में भी भारत गुटनिरपेक्ष देश

आज के दौर में क्या इतिहास खुद को दोहराने लगा है। दुनिया फिर से दो सैन्य गुटों में स्पष्ट रूप से विभाजित होती हुई दिखाई दे रही है। कोल्ड वॉर के दौर में भी भारत गुटनिरपेक्ष देश रहा और आज भी गुटनिरपेक्ष देश है। भारत एक तरफ रूस और चीन के साथ ब्रिक्स का सदस्य देश है। दूसरी तरफ क्वॉड मोर्चे में अमेरिका और जापान के साथ सदस्य देश है। किसी सैन्य गुट में शामिल हुए बिना भारत अपने राष्ट्रीय हितों की पैरवी और सुरक्षा करता है। लेकिन भारत किसी अन्य देश के राष्ट्रीय हितों को क्षति पहुंचाने की कदाचित कोशिश भी नहीं करता। राष्ट्रपति पुतिन पर सैन्य दबाव कायम करने के लिए प्रेसिडेंट ट्रंप ने यूक्रेन की फौज को ऐसी लॉन्ग रेंज मिसाइल देने का निर्णय लिया है, जोकि रूस की राजधानी मास्को को निशाना बना सकें। राष्ट्रपति ट्रंप की आखिरकार युद्ध समाप्त करने की कैसी कारगर रणनीति है? अथवा तृतीय विश्व युद्ध का आगाज करने की सैन्य धृष्टता है?

राष्ट्रपति ट्रंप की अंतरराष्ट्रीय रणनीति के विरोध में यूरोप में आंतरिक तौर पर निरंतर विरोध और आक्रोश रहा है। फ्रांस और जर्मनी प्रेसिडेंट ट्रंप की रणनीति से एकदम सहमत नहीं है। भारत की दो टूक राय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का खात्मा केवल कूटनीतिक बातचीत से मुमकिन हो सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप की रणनीति तो युद्ध को और अधिक प्रज्ज्वलित कर सकती है। भारत द्वारा परमाणु परीक्षण अंजाम देने के बाद अमेरिका द्वारा आर्थिक प्रतिबंध आयद किए गए थे। उस वक्त अमेरिकन आर्थिक प्रतिबंध एकदम नाकाम सिद्ध हुए थे। यदि भारत पर फिर से प्रतिबंध आयद किए गए तो फिर से वही अंजाम होगा। अमेरिका और नाटो द्वारा की जा रही भारत विरोधी और शत्रुतापूर्ण घोषणाओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निरंतर चुप्पी साधे हुए हैं आखिर क्यों? भारत पर अंजाम दिए जा रहे प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय आक्रमण पर क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना स्पष्ट नजरिया पेश नहीं करना चाहिए?

भारत ने नाटो को दिया करारा जवाब

कूटनीति

सुनील अमर

वरिष्ठ पत्रकार

नाटो के महासचिव मार्क रूट ने बीते बुधवार को कहा है कि भारत, ब्राजील और चीन रूस पर दबाव बनाएं कि वह यूक्रेन में युद्ध बन्द करे। उन्होंने धमकी दी है कि ये देश अगर ऐसा नहीं करते तो इन पर भारी टैरिफ लगाया जाएगा क्योंकि ये तीनों देश रूस से तेल खरीद कर उसे आर्थिक रूप से मजबूत कर रहे हैं। रूट चाहते हैं कि भारत, ब्राजील और चीन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन करके कहें कि वे यूक्रेन से शांति वार्ता करने के लिए तैयार हो जाएं। रोजमर्रा के समाचार पढ़ने वाला कोई भी व्यक्ति यह समझ सकता है कि नाटो महासचिव के मुंह से किसकी आवाज निकल रही है।

असल में यह धमकी रूट (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) की नहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की है। अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ लेने से काफी पहले से ही वे यूक्रेन को अमेरिकी हथियारों की आपूर्ति रोकने तथा युद्ध बन्द कराने व दुनिया के तमाम देशों पर टैरिफ का चाबुक चलाने की घोषणा कर रहे हैं। दिक्कत यह है कि बड़बोले ट्रम्प ऐसा कुछ तो कर नहीं पाये, उल्टे इजरायल की पीठ ठोंक कर ईरान व सीरिया पर अलग से हमला करवा दिया। एक तरफ तो वे शांति का नोबल पाने को किसी बच्चे की तरह लालायित दिखते हैं तो दूसरी तरफ अपने बगलबच्चे (नाटो को वाशिंगटन ट्रीटी भी कहा जाता है) नाटो की मार्फत वे इसके सदस्य देशों से अपील करते हैं कि युद्ध के लिए सहयोग राशि व हथियारों की मात्रा बढ़ाई जाए ताकि यूक्रेन को मदद की जा सके। ज्ञात हो कि नाटो को उसके सदस्य देश अपनी जीडीपी की दो प्रतिशत धनराशि तथा हथियार आदि सहयोग के रूप में देते हैं। वैश्विक चौधरी बनने की अपनी आदत से मजबूर अमेरिका इस बार यूक्रेन में जाकर फंस गया है और अब वहां से येन-केन प्रकारेण निकलना चाहता है और इसके लिए वह तमाम तरह की कोशिशें कर रहा है।

रूस पर दबाव बनाने का प्रयास

शपथ ग्रहण करने के कुछ दिन बाद ही उन्होंने न सिर्फ यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्सकी को व्हाइट हाऊस बुलाकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया के सामने अशोभनीय तरीके से बहस कर अपमानित किया बल्कि सारी युद्धक सहायता रोकने तथा अब तक की गई समस्त प्रकार की मदद की कीमत वसूलने की भी घोषणा कर दी। रूस पर दबाव बनाने की हर संभव कोशिश की और जब रूस नहीं माना तो हार कर ट्रंप ने जेलेन्सकी को दुबारा युद्धक मदद देनी शुरू कर दी। ट्रंप और नाटो दोनों को समझ में आ गया है कि व्यापार प्रतिबन्ध, टैरिफ की धमकी व इस तरह के अन्य प्रतिबन्धात्मक उपायों से बात बनने वाली नहीं है तो वे अब उन देशों को टारगेट कर रहे हैं जो रूस के बड़े व्यापार सहयोगी हैं।

नाटो का सदस्य नहीं है भारत

हास्यास्पद यह है कि नाटो महासचिव ऐसा व्यवहार कर रहे हैं मानों वे स्वयं अमेरिका के राष्ट्रपति हों! वे यह भूल गये लगते हैं कि उनका आदेश/ निर्देश महज नाटो के 32 सदस्य देशों पर ही चल सकता है। भारत, चीन और ब्राजील नाटो के सदस्य नहीं हैं। दूसरी तरफ, रूस से तेल खरीदने या अन्य तरह का व्यापार करने वाले

सिर्फ यही तीन देश नहीं हैं। नाटो के कई सदस्य देश जैसे- तुर्किये, हंगरी, स्लोवाकिया, आस्ट्रिया, बेल्जियम व चेक गणराज्य तथा जर्मनी भी रूस से कच्चा तेल व गैस खरीद रहे हैं। चेक ने अभी इसी महीने से तेल खरीदना बन्द किया है और जर्मनी सीधे नहीं बल्कि फ्रांस व बेल्जियम के रास्ते से गैस खरीदता है। नाटो अपने इन सदस्य देशों को रूस से तेल या गैस खरीदने को वर्जित क्यों नहीं करता? यह सही है कि भारत और चीन रूस से तेल खरीदने वाले बड़े देश हैं। रूस के सकल तेल उत्पादन का लगभग 47 प्रतिशत अकेले चीन तथा 38 प्रतिशत भारत खरीदता है। तुर्किये ने तो अभी बीते जून माह में ही रूस से चार लाख बैरल तेल प्रतिदिन खरीदा है जो काला सागर के बन्दरगाहों तथा पाइप लाइनों के माध्यम से पहुंचता है। नाटो देश हंगरी ने तो रूस से अपनी तेल खरीद को और बढ़ाकर 61 प्रतिशत से 86 प्रतिशत कर दिया है, वहीं स्लोवाकिया तो अपनी जरूरत का सारा तेल ही रूस से खरीद रहा है। आस्ट्रिया और बेल्जियम यद्यपि रूस से सीधे तेल नहीं खरीद रहे हैं लेकिन वे इस कच्चे तेल को भारत या तुर्किये में रिफाइन्ड कराकर वहां से ले रहे हैं। नाटो महासचिव ने अपने इन सदस्य देशों को कोई चेतावनी कभी नहीं दी। यही इनका दोहरा मानदण्ड है। यूक्रेन युद्ध के बाद से अमेरिका ने जब रूस पर तमाम तरह के व्यापार प्रतिबन्ध लगाए तो रूस ने अपने कच्चे तेल व गैस की कीमतें काफी कम कर दीं और यही कारण है कि आज रूस प्रतिदिन 70 लाख बैरल से अधिक तेल बेच रहा है और इसी को रोककर रूस को आर्थिक चोट पहुंचाना ही ट्रंप का लक्ष्य है। रूस के साथ भारत का सम्बन्ध सिर्फ तेल खरीदने का ही नहीं हैं। दशकों से रूस भारत का एक भरोसेमन्द रक्षा सहयोगी भी है और भारत इस रक्षा सहयोग को दांव पर कभी नहीं लगाना चाहेगा।

दूसरे, रूस यद्यपि तेल खरीद में भारतीय मुद्रा रुपया को स्वीकार नहीं करता लेकिन बाकी अन्य प्रकार के व्यापार में रूस रुपये और रुबल (रुसी मुद्रा) में भुगतान लेता है और यह भारत के लिए काफी राहत की बात रहती है। नाटो महासचिव की चेतावनी के बाद भारत के विदेश विभाग तथा केन्द्रीय पेट्रोलियम मन्त्री ने स्पष्ट कर दिया कि भारत के पास तेल खरीद के कई सारे विकल्प हैं और भारत इस तरह का हस्तक्षेप और दोहरा मानदण्ड मानने को बाध्य नहीं है। उधर शंघाई में गत सप्ताह सम्पन्न शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक में भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी दोहरे मानदंड की बात उठाते हुए पहलगाम की आतंकवादी घटना का जिक्र किया और कहा कि सदस्य देशों को बयानबाजी के बजाय क्रियान्वयन पर जोर देना चाहिये। गत माह जी-7 देशों की बैठक में जिस तरह प्रधानमन्त्री मोदी ने भी अमेरिका को साफ शब्दों में कहा था कि भारत-पाक युद्ध के सीजफायर में किसी तीसरे की भूमिका नहीं थी, आज भी उसी तरह स्पष्ट शब्दों में नाटो को भी जवाब देने की जरूरत है।

भारत सावधान और सतर्क रहे

रूस से तेल न खरीदने का दबाव तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने भी बनाया था लेकिन तब भारत ने स्पष्ट कर दिया था कि भारत अपने हितों की रक्षा कर सकता है। अमेरिका के टैरिफ वॉर की वजह से ही सही, भारत-चीन सम्बन्धों की बर्फ पिघलनी शुरू हुई है। गलवान घाटी की झड़प के बाद पहली बार भारत का कोई बड़ा राजनेता (विदेश मन्त्री) चीनी राष्ट्रपति से आमने-सामने मिला है। टैरिफ वॉर के चलते भारत-चीन व्यापार के नये आयाम खुलने के संकेत भी हैं। भारत सावधानी और सतर्कता दिखाये तो रूस से भी व्यापारिक लाभ बढ़ सकता है। ट्रंप अपनी चौधराहट खत्म होते देखकर बौखलाये हुए हैं और उनकी धमकी तथा चेतावनी का दौर चलता ही रहेगा। भारत को इसे गम्भीरता से लेने की जरूरत नहीं है। भारत अपने लिए सक्षम है।

धमकियों से उलझ रहे टैरिफ समझौते

इंडो-यूएस ट्रेड वार्ता

डॉ. एन. के. सोमानी

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार

नाटो के महासचिव मार्क रूट द्वारा हाल ही में दी गई भारी टैरिफ लगाने की धमकी के बावजूद भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पेच सुलझाने की कवायद तेज हो गई है। समझौते की शर्तों को अंतिम रूप देने के लिए दोनों देशों के व्यापार प्रतिनिधि इस हफ्ते वाशिंगटन में बैठक कर सकते हैं। मीडिया में चल रही खबरों की मानें तो टैरिफ कटौती के मुद्दे पर कुछ बिन्दुओं को लेकर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। अमेरिका 15 से 20 प्रतिशत टैरिफ चाहता है जबकि भारत का कहना है कि टैरिफ की दर 10 प्रतिशत से कम हो।

कम टैरिफ पर नहीं मानेंगे ट्रंप

हालांकि, बौद्धिक संपदा अधिकार और बाजार तक पहुंच जैसी दीर्घकालिक चिंताओं को दूर कर लिया गया है लेकिन अब ट्रंप जिस तरह से फ्रंट फुट पर खेलते हुए एक के बाद एक देशों पर टैरिफ बम फोड़ रहे हैं, उसे देखते हुए लगता है कि ट्रंप 10 प्रतिशत से कम टैरिफ के लिए शायद ही राजी हों। ऐसे में व्यापार प्रतिनिधियों के बीच होने वाली इस बैठक को काफी अहम कहा जा रहा है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है। 2024 में भारत ने अमेरिका को 87.4 बिलियन डॉलर का निर्यात किया। भारत अमेरिका को जैविक रसायन, कपड़ा, इस्पात, मोती, विधुत मशिनरी और दवा उत्पाद आदि का निर्यात करता है। जबकि अमेरिका भारत से चमड़ा, कपड़ा, चिकित्सा उपकरण, कीमती रत्न और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का आयात करता है। अभी व्यापार संतुलन भारत के (अमेरिकी घाटा 45.7 बिलियन डालर) पक्ष में है। हालांकि, अमेरिका द्वारा पारस्परिक टैरिफ की घोषणा किए जाने से पहले भारत ने बोरबॉन जैसे लक्जरी सामान और हार्ले डेविसन मोटरसाइकिल पर टैरिफ में कटौती की। लेकिन इसके बावजूद अमेरिका का कहना है कि भारत की टैरिफ दरें अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर लगने वाले टैरिफ से कहीं अधिक हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत की औसत टैरिफ दर 17 प्रतिशत है जबकि अमेरिका में यह 3.3 प्रतिशत है। सबसे बड़ा टकराव कृषि क्षेत्र में है, जहां भारत की टैरिफ दर बहुत अधिक है। भारत में अमेरिका से आने वाले कृषि उत्पादों पर औसतन शुल्क दर 37.7 प्रतिशत है जबकि अमेरिका में यह दर 5.3 प्रतिशत है। प्रस्तावित व्यापार समझौते में यही सबसे पड़ा पेच है। भारत के साथ अपने व्यापार घाटे को कम करने के लिए ट्रंप भारत पर कृषि और डेयरी उत्पादों पर टैरिफ कम करने का दबाव बना रहे हैं। वे चाहते हैं कि भारत सोयाबीन, मक्का, मिल्क पाउडर और डेरी उत्पादों पर लगने वाले भारी-भरकम आयात शुल्क में कटौती कर दे ताकि उनके उत्पाद भारत के बाजार में आासानी से बिक सके। भारत अमेरिकी मक्का पर 61 फीसदी और दूध पाउडर पर 68 फीसदी टैक्स लगाता है। भारत कृषि प्रधान देश है। यहां आधी से अधिक आबादी खेती पर निर्भर है। कृषि और डेयरी उत्पादों पर टैरिफ घटाने से देश के छोटे और सीमांत किसान अमेरिकी आयात की

चपेट में आ जाएंगे। अमेरिका में इन उत्पादों की लागत बहुत कम है। सस्ते आयात से भारत के किसानों के लिए अपनी फसल का सही दाम पाना भी मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में कृषि और डेयरी से जुड़े मुद्दों को लेकर अभी भारत सरकार संशय की स्थिति में है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि कृषि और डेयरी उत्पादों के मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं हो पाती है तो समझौते का क्या होगा। यदि समझौता नहीं हो पाता है तो भारत क्या करेगा। क्या भारत अमेरिका द्वारा घोषित 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क को चुपचाप स्वीकार कर लेगा या अमेरिका को काउंटर करने के लिए कोई प्लान-बी है। अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारत से आने वाले सामानों पर 26 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया था, लेकिन बाद में इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था।

26 प्रतिशत शुल्क पर असमंजस

90 दिनों की अवधि 8 जुलाई को समाप्त हो गई है। अब एक अगस्त तक का सतय है। भारत चाहता है कि ट्रंप 26 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का निर्णय वापस ले। दूसरी ओर, अमेरिका चाहता है कि भारत सोयाबीन, मक्का, कार और शराब पर आयात शुल्क में कटौती कर दे ताकि उसके उत्पाद भारत के बाजार में अपनी जगह बना सकें। अप्रैल में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा के दौरान इन आशंकाओं को दूर करने का प्रयास किया गया।

अब गेंद अमेरिकी पाले में

अंतिम परिणाम क्या रहा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, भारत ने प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है, अब गेंद पूरी तरह से अमेरिकी पाले में है। अगर अमेरिका भारत की चिंताओं पर नरम रुख अपनाता है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्द ही समझौते का ऐलान हो जाएगा। सच तो यह है कि भारत-अमेरिका संबंधों में व्यापारिक गिला-शिकवा आपसी खींचतान का बड़ा कारण रहा है। जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है कि समझौते का बड़ा मकसद भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 190 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 500 बिलियन डॉलर करना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दोनों देशों के बीच अगले पांच वर्षों में 250-270 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त व्यापार आवश्यक है। इसके लिए दोनों देशों को रक्षा और ऊर्जा जैसे उच्च मूल्य वाले क्षेत्रों को बीटीए का हिस्सा बनाना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जेडी वेंस की मुलाकात के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति रक्षा सहयोग को गहरा करने और नवीनतम रक्षा उपकरणों विशेष रूप से एफ-35 लड़ाकू जेट खरीदने की पेशकश कर चुके हैं। इसके अलावा अमेरिका चाहता है कि भारत बड़े पैमाने पर उससे पेट्रोल खरीदे जिससे व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिल सके। बहरहाल, तमाम अन्तर्विरोधों के बावजूद अगर दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर सहमति बनती है तो यह भारत-अमेरिका संबंधों की दृष्टि से काफी अहम होगा। समझौते से नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच व्यापार संबंध तो पुख्ता होंगे ही, साथ ही दोनों के बीच की रणनीतिक साझेदारी भी मजबूत हो सकेगी। दूसरा, व्यापक व्यापार समझौते के लागू हो जाने के बाद दोनों देश अपने द्विपक्षीय व्यापार को साल 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक ले जाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे। निसंदेह, दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध शिकवा-शिकायतों से भरे रहे हैं। वाशिंगटन नई दिल्ली पर कम टैरिफ का आरोप लगाता है जबकि भारत को अमेरिका द्वारा प्रौद्योगिकी प्रतिबंधों की शिकायत रहती है। अब अमेरिका आधे से अधिक आयातों पर टैरिफ में कटौती करने के लिए खुला और लचीला दृष्टिकोण दिखा रहा है, उससे लगता है कि एक निष्पक्ष और भविष्योन्मुखी समझौता दोनों देशों के बीच की व्यापार बाधाओं को दूर कर सकता है।

MARUTI SUZUKI

NEXA

RAINING DEALS, ROARING WHEELS.
FRONX Awaits.

FRONX

INDIA'S FASTEST
3 LAKH SALES#

FRONX
THRILL HAS A NEW SHAPE

1.0L Turbo Boosterjet Engine with Progressive Smart Hybrid

360 View Camera

Head Up Display

NEXTre' Rear Combination Lights

In-Built Suzuki Connect

3 years 100 000 km WARRANTY*
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

BENEFITS UP TO ₹90 000**

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU!

e-book today @ www.nexaexperience.com

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]

For detailed T&C kindly visit your nearest dealership. Offers may vary subject to the model and variant purchased and shall be applicable till stock lasts. **All offers are brought to you by NEXA dealers only. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan-India. Maruti Suzuki Subscribe available only in selected cities. Creative Visualization. For details on functioning of safety features including airbags, kindly refer to the owner's manual. *3 years or 100 000 km whichever is earlier. #Claim verified by independent research agency JATO DYNAMICS Limited dated 1st April 2025 for fastest to 3 Lakh Sales in the Industry since launch.

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

जीवन में सबसे सुहाने दिन बचपन के ही होते हैं। उस दौर से जुड़ी यादें हम कभी नहीं भूल पाते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि हम बड़े हो गए तो अब बच्चों जैसी हरकतें नहीं कर सकते। जब भी मौका मिले, कुछ पल के लिए ही सही फिर से बच्चा बनकर देखिए, आपका तनाव गायब हो जाएगा और लाइफ को भरपूर एंज्वॉय कर पाएंगे।

कभी-कभी बन जाएं बच्चे
जी भर करें लाइफ एंज्वॉय

अपनी जिंदगी में रोजमर्रा की जिम्मेदारियों के बोझ से व्यथित होकर अकसर हम अपने बचपन के दिनों की मस्ती, बेपरवाही और उन दिनों से जुड़ी कुछ खास बातों को याद करके उदास हो जाते हैं और अनायास ही बोल पड़ते हैं, *बचपन के दिन भी क्या दिन थे, उड़ते फिरते थे तितली बन।* कई बार मन में ऐसा भी खयाल आता है कि सब के सपनों को साकार करने में, दुनिया की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश में, कितना थक जाते हैं हम। हम सोचने लगते हैं कि काश, फिर से वो बेफिक्री आ जाए, जो बचपन के दिनों में हुआ करती थी। वाल्ट डिजनी ने कहा था, 'इस दुनिया की मुश्किल यह है कि बहुत सारे लोग बड़े हो गए हैं।'

नहीं भूलते वो मस्ती भरे दिन

इस दुनिया में शायद ही कोई शख्स होगा, जो अपने बचपन के दिनों में लौट जाने की ख्वाहिश ना रखता हो, जब जिम्मेदारियां कम थीं और खुशियां बेशुमार। होमवर्क को झटपट पूरा किया और घर से बाहर निकल गए कॉलोनी के पार्क में, मकान की छत पर या अपनी बालकनी में। कभी मिट्टी में लथपथ हुए, तो कभी बारिश के पानी में भीगे। बाजार से गेंद नहीं ला पाए तो रद्दी कागजों का गोला बनाकर खेलने लगे। महंगे खिलौने ना हों तो कागज की नाव या पतंग ही सही। बस मस्ती चाहिए थी, हर कीमत पर।

करें ऐसा, जिसमें आए मजा

आप चाहें तो आज अपने बचपन वाली उम्र भले वापस ना ला सकें, लेकिन 40, 50, 60 साल के होने के बावजूद दिल बचपन का ला सकते हैं। इससे न सिर्फ आपको अनूठी खुशी मिलेगी बल्कि स्ट्रेस लेवल भी कम होगा। याद कीजिए बचपन में हम कितने क्रिएटिव होते थे। हमारे पास हर चीज का विकल्प था। माचिस की बेकार डिब्बियों से टीवी जैसी आकृति बना लेते थे। अखबारों या पत्रिकाओं से कटी तस्वीरों को एक के बाद एक चिपका कर लंबा करना फिर उनके दोनों सिरे पर 2 तिनकों में लपेटना। फिर डिब्बी बीच से काटकर स्क्रीन बनाकर तिनके घुमाते हुए अलग-अलग तस्वीरें देखना। एक रुपए के लट्टू या 2 रुपए की गेंद से दिनभर खेलना, मस्ती करना। कागज की नाव बनाकर उसे बरसात के पानी में चलाना। चित्रकारी, डांस, कॉमिक्स पढ़ना, किसी गीत की पैरोडी बनाकर उसे गुनगुनाना हमें कितना प्रफुल्लित करता था। अब भी क्या बिगड़ा है! अब भी आप ऐसी क्रिएटिव एक्टिविटी अपनाएं, जो आपको खुशी दे। कुकिंग, डांसिंग, सिंगिंग, ड्राइंग कुछ भी कीजिए ताकि कुछ देर अपनी जिम्मेदारियों को भूल कर उसमें व्यस्त हो जाएं।

याद करिए गुजरे हुए दिन

किसी ने कहा है, *टूटे बर्तन को खिलौना बना लेते हैं, हम बच्चे हैं हर जगह आशियाना बना लेते हैं।* अगर इसी सिद्धांत पर आज भी चलें तो आप खूब खुश रहेंगे। अगर आप संयोगवश अभी उसी शहर में रहते हैं, जहां आपका जन्म हुआ और बचपन बीता तो कभी उस गली या मोहल्ले में जाइए, जहां आपने बचपन बिताया और उन दिनों को शिद्दत से याद कीजिए। उस मकान के अड़ोस-पड़ोस में रहने वाले लोगों से मिलिए, जहां आप रहते थे। उनसे खूब गपशप कीजिए। अगर आपका शहर बदल गया है तो आप गूगल की मदद से उस मोहल्ले, पार्क या स्कूल को देख सकते हैं, जहां आपने बचपन बिताया था, या फिर फेसबुक के माध्यम से अपने बचपन के दोस्तों को ढूंढ़ कर उनसे बातचीत कर सकते हैं। आपके पास बचपन की तस्वीरों का एल्बम हो तो उन तस्वीरों को देखिए और एक-एक तस्वीर से जुड़ी बातें याद कीजिए। वही वाली टॉफी खरीदकर फिर से खाइए, जो आपको खूब पसंद हुआ करती थी। उस मिठाई की दुकान पर जाकर समोसा या कचौरी खाइए, जहां के समोसे, कचौरी आप बचपने में बड़े चाव से खाते थे। आप कुछ देर के लिए ही सही अपने बचपन में पहुंच जाएंगे। यकीन मानिए, किसी की लिखी ये पंक्तियां आपको बरबस याद आ जाएंगी कि *नंगे पांव दौड़ते थे उस बचपन में। बढ़ते तजुर्बे ने पैरों में चुभन का एहसास करा दिया।*

खूब लें राइडिंग का मजा

अपने बचपन को लौटाने के लिए, उन पलों को फिर से जीने के लिए आज के जमाने में बेस्ट प्लेस हैं एम्यूजमेंट पार्क। एम्यूजमेंट पार्क में छोटे बच्चों को खेलते देखकर आपको अपना बचपन याद आ जाएगा। फिर तरह-तरह के राइड्स का आनंद लेना, वहां घूमना-फिरना और मस्ती करना आपके अंतर्मन को पूरी तरह खुश कर देगा। जब मौका मिले, आप ऐसी जगहों पर जरूर जाएं और राइड्स के साथ-साथ वहां मिलने वाले डिफरेंट फूड्स एंज्वॉय करना ना भूलें।

बचकानी हरकतों से ना झिझकें

किसी ने क्या खूब लिखा है, *झूठ बोलते थे फिर भी कितने सच्चे थे हम। यह उन दिनों की बात है जब बच्चे थे हम।* आपने देखा होगा कि बच्चों को जो पसंद आता है, वे उसे पूरी मस्ती के साथ करते हैं। चाहे खेलना-कूदना हो, गाना हो या नाचना हो। उन्हें इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं रहती कि कोई क्या सोचेगा या क्या कहेगा? उनका पूरा ध्यान सिर्फ अपनी खुशी और मस्ती में होता है। आपको भी बिल्कुल वही बेपरवाही अपनानी होगी। अपने हमउम्र दोस्तों के साथ ठहाके मारकर हंसना, चुटकुले सुनाना, डांस करना या जो अच्छा लगता हो करें। यकीन मानिए आप अपनी उम्र काफी कम महसूस करने लगेंगे। इस बारे में मनोचिकित्सक डॉक्टर संजय गर्ग कहते हैं, 'हम वयस्क होकर भी बच्चों जैसी मस्ती कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए बनावटी कंफर्ट जोन से बाहर आकर रियल कंफर्ट जोन में जाने के लिए मेंटली प्रिपेयर होना पड़ेगा।' *

लाइफस्टाइल / अंजू जैन

कुछ लोगों की आदत होती है कि वे हर छोटी-बड़ी बात पर जरूरत से ज्यादा सोच-विचार यानी ओवर थिंकिंग करते हैं। इससे वे कोई भी निर्णय जल्द नहीं ले पाते हैं। अगर आप भी ऐसी समस्या से ग्रस्त हैं तो यहां बताए जा रहे उपायों को आजमा सकते हैं।

क्या आप भी करते रहते हैं
हर बात पर ओवर थिंकिंग

यह सही है कि कोई भी काम अच्छी तरह सोच-विचार कर करना चाहिए। विचारशीलता और मनन करना अच्छी बात है। लेकिन जब आपका चिंतन, मनन या विचार मंथन जरूरत से ज्यादा समय तक या ज्यादा मात्रा में होने लगता है तो यह अनायास ही चिंता और ओवर थिंकिंग की आदत में तब्दील हो जाता है, जो लाइफस्टाइल को प्रभावित कर सकता है। इसलिए इस हैबिट से उबरने के लिए यहां बताई जा रही बातों पर अमल करें।

दूसरों पर ध्यान न लगाएं: हमारा मन अकसर बाहरी कारकों पर ध्यान केंद्रित करने पर उलझा रहता है। जब हम ईर्ष्या, दूसरों द्वारा हमारी आलोचना, दूसरों की सुख-समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करते हैं तो हमारा मन अस्थिर और अशांत हो जाता है। इसलिए बेहतर होगा कि हमारी सोच और चिंतन का दायरा उन्हीं चीजों तक सीमित हो, जिन्हें हम सुधार, बदल या नियंत्रित कर सकते हैं। पुस्तक 'हेवनॉट गॉट टाइम फॉर द पेन' में लिखा गया है कि आपको अपने उलझे हुए विचारों को बदलना और उनका समाधान करना सीखना चाहिए। सबसे पहले जानिए कौन से विचार आपको पीड़ा देते हैं? उन विचारों को छोड़ने की कोशिश करें। ज्यादा सोचने से चीजें उलझ जाती हैं। इसलिए जीवन जीने और सोचने की प्रक्रिया को सरल रखें।

धैर्य बनाए रखें: यह एक मूलभूत सिद्धांत है कि आप जो अभी बोएंगे उसकी फसल आप बाद में काट पाएंगे। लेकिन हमारा चंचल स्वभाव इस बात को मानता नहीं और वह तुरंत परिणाम न मिलने पर विचलित हो जाता है। अपनी मेहनत के परिणाम के लिए जरा सा धैर्य रखिए फिर भी वांछित नतीजा ना मिले तो उस पर पुनर्विचार करिए।

भाग्य को न कोसें: मुश्किल परिस्थितियों में मनुष्य भाग्य को दोष देता है। लेकिन उसका भाग्य अधिकांशतः उसके चरित्र, जुनून, गलतियों और कमजोरी का ही प्रतिबिंब होता है। उसे अपने अवसरों से संतुष्ट रहना चाहिए और उनका फायदा उठाने की युक्ति पर विचार करते हुए स्वयं को बेहतर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

परफेक्शन की जिद छोड़ें: कई लोग पूर्णतावाद के शिकार होते हैं। वह किसी काम को करने के बाद भी बार-बार सोचते हैं कि इसे और कैसे बेहतर किया जाए? अगर आपकी भी यह समस्या है तो इससे उबरें। एक काम के बाद अपनी अगली प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करें।

टू द पॉइंट सोचें: आप क्या सोच रहे हैं, क्यों सोच रहे हैं और किन मूल बिंदुओं पर आपका चिंतन है, यह पूरी तरह स्पष्ट होना चाहिए। इसके लिए बिंदुओं को लिख लीजिए। विभिन्न पहलुओं पर गौर कीजिए और फिर सोचिए। ऐसी सोच आपको निर्णय लेने में मददगार होगी और समय भी नष्ट नहीं होगा।

अनुभवी लोगों से मिलें: विचार मंथन की प्रक्रिया अगर लंबी खिंच रही हो और आप किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पा रहे हों तो अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लें। कुछ परिस्थितियों में सबसे अच्छा यह होता है कि आप अपनी गट फीलिंग का उपयोग करें। आपका अंतर्मन यानी सिक्स्थ सेंस जो कहे उसे ही सही मानें। कई शोध हो चुके हैं, जिनसे पता चलता है कि गट फीलिंग और लॉजिकल सोच का संयोजन सही निर्णय लेने में मददगार होता है।

मन को थकाने से बचें: आपको हर दिन छोटे-बड़े सैकड़ों निर्णय लेने होते हैं, जो आपके मन को थका सकते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि अपने दिमाग की शक्ति को बचाने के लिए एक दिनचर्या बनाएं, जिसमें उलझे हुए विषयों पर विचार के लिए एक वक्त तय कर दें। इसी समय जरूरी बातों पर निर्णय लें। बेवजह विचारों के सागर में डूबे रहना समय और ऊर्जा की बर्बादी है। इसकी बजाय सकारात्मक सोच के बीज बोएं और जरूरी चीजों पर विचार करें। पुस्तक 'डेवलपिंग इन टू, हेल्दी थिंकर्स' में कहा गया है कि सकारात्मक वाक्य हमें एक खुशहाल और भयमुक्त जीवन बनाने में प्रभावशाली रूप से मदद करते हैं। अपनी आवश्यकताओं के अनुसार सूक्तियां चुनें या अपने प्रेरक वाक्यांश बनाएं और उन पर अमल करें।

समय पर छोड़ दें: अगर आप यह सोचकर चिंतित रहते हैं कि पता नहीं कोई समस्या सुलझेगी या नहीं, तो याद करें अतीत में आपने कितनी ही समस्याओं को सुलझाया है। इससे आपकी थिंकिंग पॉजिटिव साइड में चली जाएगी। इसके साथ ही आपको यह भी याद रखना चाहिए कि कई समस्याएं तो समय के साथ सुलझ जाती हैं। ओवर थिंकिंग से बचने का सबसे आसान तरीका पुस्तक 'स्टॉप लुक एंड लिसन' में बताया गया है। इस पुस्तक में विस्तार से समझाया गया है कि आप वर्तमान में जिएं और उस क्षण को पूरी तरह महसूस करें। जिंदगी को एक तय उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाएं। कर्म पर विश्वास करें और अपनी मानसिक स्थिति पर नियंत्रण रखें। *

सजेशन
मोनिका शर्मा

स्मार्ट गैजेट्स से दूर रहकर भी
मिल सकती है खुशी-सुकून

हालांकि आज के दौर में स्मार्ट गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहना तो संभव नहीं रह गया है। लेकिन अगर केवल इस पर इंटरनेट यूज को कंट्रोल कर लें तो भी खुशी और सुकून हासिल कर सकते हैं।

सब कुछ पा लेने से ही सुकून नहीं मिलता। खुशी का मतलब दुनिया भर से जुड़े रहना ही नहीं होता। टेक्नीक के घेरे में घिरी आज की जिंदगी में स्मार्ट तकनीकों से लैस गैजेट्स से दूरी बनाना भी मन को सुख दे सकता है। वर्चुअल दुनिया में अनजान लोगों तक से जुड़ने और हर पल जुड़े रहने के बजाय, स्क्रीन की मौजूदगी पर लगाम लगाना भी मन को खुशी दे सकता है। टिक-टिक की आवाज पर हमारा ध्यान भटकाते नोटिफिकेशंस को बंद रखना भी मन को शांत सहज रख सकता है। कनाडा और अमेरिका में हुआ एक ताजा अध्ययन नोटिफिकेशंस की टोन पर भागते मन की लगाम थामकर असली दुनिया में सच्चे सुख को जीने की बात पुख्ता करता है।

टिक-टिक पर कंट्रोल के लाभ: बीते कुछ वर्षों में स्मार्टफोन का साथ एक आदत बन गया है। बहुत से लोगों के लिए तो स्क्रीन में झांकते रहना किसी लत से कम नहीं। वहीं इस आदत के खामियाजों को समझकर खुद को वर्चुअल व्यस्तता से बचाने के प्रयास भी खूब किए जा रहे हैं। हालांकि आज के समय में फोन एक जरूरत भी बन गया है। इससे पूरी तरह दूर रहना भी मुश्किल है। पर इसके लती बनने से तो बचा जा सकता है। अमेरिका और कनाडा की कुछ यूनिवर्सिटीज द्वारा एक महीने तक 467 आईफोन यूजर्स पर की गई एक रिसर्च इस मोर्चे पर सही और सहज राह दिखाती है। असल में इस स्टडी में शामिल होने वाले लोगों को फोन का उपयोग पूरी तरह बंद करने की बजाय इंटरनेट का इस्तेमाल न करने को कहा गया था। इन लोगों के फोन में बाकायदा एक एप डाउनलोड की गई थी, जो फोन पर मोबाइल इंटरनेट ब्लॉक करने से जुड़ी थी। अध्ययन में सामने आया कि इंटरनेट बंद रखना लोगों का फोकस बढ़ाने और दिमाग भी जवान करने में मददगार साबित हो सकता है। इतना ही नहीं कुछ दिनों तक अगर फोन में ऐसी सेटिंग रखी जाए तो मूड में भी सुधार हो सकता है। इंसान का दिमाग तो 10 साल तक जवान हो सकता है। स्पष्ट देखने में भी आ रहा है कि पल-पल मिलते नोटिफिकेशंस यूजर्स का ध्यान भटकाने और मेमोरी लॉस का कारण बन रहे हैं। ऐसे में इंटरनेट सेटिंग्स के माध्यम से टिक-टिक पर लगाम लगाने के बहुत लाभ यूजर्स को मिल सकते हैं। आम लोगों के लिए भी खुद को स्मार्ट गैजेट्स से दूर रखने के लिए कुछ समय तक मोबाइल इंटरनेट बंद रखने का यह रास्ता अपनाने योग्य है।

सेटिंग्स का खास असर: फोन की सेटिंग्स चेंज करना कोई बड़ा बदलाव प्रतीत नहीं होता पर इसका असर बहुत अहम है। एक महीने की इस रिसर्च में दो हफ्ते बाद ही लोगों पर मोबाइल इंटरनेट बंद रखने की साधारण सी सेटिंग्स का असाधारण प्रभाव दिखने लगा। अध्ययन में शामिल लोगों ने माना कि वे पहले से ज्यादा खुश हैं। साथ ही अपनी जिंदगी को लेकर उनमें संतुष्टि का भाव भी बढ़ गया है। टिक-टिक या कोई और नोटिफिकेशन टोन को बंद रखने से यूजर्स को ना केवल मानसिक तौर पर स्वस्थ महसूस हुआ बल्कि यह बेहतरी से जुड़े ये बदलाव कॉग्नेटिव बिहेवियरल थेरेपी के बराबर थे। रिसर्च में शामिल लोगों ने बताया कि फोकस्ड रहने को लेकर भी उन्होंने पॉजिटिव बदलाव महसूस किए। साथ ही अटेंशन टेस्ट में इन लोगों के दिमाग ने अपने से 10 साल जवान लोगों के बराबर परफॉर्म किया।

हर फ्रंट पर पॉजिटिव बदलाव: इस स्टडी में सामने आया कि लोगों ने फोन छोड़कर अपने से जुड़े इंसानों के साथ ज्यादा समय बिताया। अच्छे से नींद लेने और एक्सरसाइज करने पर भी ध्यान दिया। लोगों ने हर रात औसतन 17 मिनट अधिक नींद ली। इन नतीजों को देखते हुए रिसर्चर का कहना है कि स्मार्ट फोन से पूरी तरह दूरी नहीं बनाई जा सकती पर इसके इस्तेमाल में बैलेंस रखना बहुत आवश्यक है। यह बहुत व्यावहारिक सा पक्ष है कि हर पल मिलते नोटिफिकेशंस से दूर रहना मानसिक ठहराव देने का काम करता है। यह ठहराव एकाग्रता की सौगात देता है। फोकस्ड रहने वाला इंसान कामकाजी संसार में बेहतर परफॉर्म कर पाता है। *

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

कांच के बर्तन

नहीं होते भरोसेमंद
कांच के बर्तन
करने लगते हैं हवा के
सामने नर्तन।
फिजूल दूध को खौलाते रहे
मथ डाले
निकाल लेते हैं मलाई
बेचने वाले
हक में आता है क्रेताओं
के अब खुरचन।
सिर्फ बदली हैं तख्तियां
बदले हैं मुखड़े
नई नहीं है संरचना
बदले हैं टुकड़े
छुआ नहीं है सालों से
कोई परिवर्तन।
काटने की लगी है होड़
अंधभक्तों में
फल और फूल नहीं दिखते
अब दरख्तों में
मांगने के लिए
होता है मिथ्या अर्चन।
स्वयंभू गुरुओं के चेलों
की हैं दुकानें
बखान करते हैं बौद्धिकता
के अफसाने
अपने जैसों के आगे
करते हैं गर्जन।
घरों को लूट रहे हैं
उनके रखवाले
जुबां पे आम आदमी के
पड़े हैं ताले
असत्य बोला नहीं करते
कभी भी दरयन।

व्यंग्य/ अंशुमाली रस्तोगी

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े।

सोना और चोर

सोना जब देखो तब बमचक मचाए ही रहता है। ऐसे में न खरीदने वालों के हाथ आ पाता रहा है, न चोरों के। इससे सबसे अधिक 'आर्थिक नुकसान' हमारे चोर भाइयों का होता है। बेचारे न सोना चुरा पाते हैं, न बेच। महंगे होने के कारण लोगों ने सोना पहनना भी कम कर दिया है। और घर में जो रखा होता है, उसे लॉकर में डलवा देते हैं। अब चोर किस मुंह से किसी के घर चोरी करने जाए। सोना ही एक ऐसा आइटम है, जिसे चुराकर वे अच्छी कमाई कर लेते हैं। अपना घर चला लेते हैं। लेकिन उस पर भी अकसर ही ग्रहण लग जाता है। इसलिए छिनैती की घटनाएं भी अब घट गई हैं। वरना पहले तो चेन-कुंडल खींचने की वारदातें आए दिन अखबारों में पढ़ने को मिल जाया करती थीं। महिलाएं भी बड़ी अजीब हैं। अरे, अपने लिए नहीं तो कम से कम चोरों की भलाई के लिए ही सोना पहन कर घर से बाहर निकला करें। ताकि उन बेचारों की भी दुकान चलती रहे। एक यही तो उनकी कमाई का जरिया है, उस पर भी महंगाई की मार। घोर अन्याय है चोर बिरादरी के साथ। मैं इसकी सख्त शब्दों में मजम्मत करता हूं। सरकार को इस बारे में जरूर कुछ सोच-विचार करना चाहिए।

सोने के संग समस्या यही है कि वो कब बढ़ जाता है, कुछ पता नहीं चलता। रात भर में अपना दांव खेल देता है। लोगों ने भी सोने के प्रति ना जाने क्या मोह पाल रखा है कि रोटी पानी में डुबोकर खा लेंगे, लेकिन सोना जरूर खरीदेंगे। चाहे घर में खुद के रहने के लिए जगह न हो पर सोना जरूर रखेंगे। पहनने को चाहे ढंग के कपड़े न हों पर सोना जरूर पहनेंगे। मतलब हद है। यह नहीं होता कि थोड़ा सोना चोरों को भी दे दें ताकि उनका घर-परिवार भी चलता रहे। किसी गरीब की भलाई करने में दुआएं ही मिलती हैं।

चोरी करना कितना जोखिम भरा काम है, यह तो कोई चोर से ही पूछे। किसी अनजान घर में जाकर चुराई करना, मेरे तो सोचकर ही पसीने छूट जाते हैं। यहां मैं कलम चलाकर ही खुद को ऊंचा लेखक मानता हूं। अजी, कलम का क्या है कोई भी चला सकता है। परंतु चोरी हर कोई नहीं कर सकता। इसके लिए जिगर और इच्छाशक्ति दोनों की भरपूर जरूरत होती है। कभी-कभी तो चोर मुझे, लेखकों से कहीं अधिक सरल और सच्चे जान पड़ते हैं। लेखक चूंकि बुद्धिजीवी होता है, इसलिए हर समय शब्दों-भाषा का जाल बुनता रहता है। चोर सिर्फ चोर होता है। अपने धंधे से मतलब रखता है। यहां-वहां अपनी टांग नहीं फंसाता फिरता। वो तो खामख्वाह मैं लेखक बन गया, जबकि मुझे तो चोर ही बनना चाहिए था।

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े। उसका भी घर-परिवार चलता रहे। वो मुझे दुआएं दे। सोने का क्या है, वो तो पैसे की तरह हाथ का मैल है। आज है, कल नहीं। बल्कि मैं तो कहता हूं, देश के हर नागरिक को चोरों का ख्याल रखना चाहिए। ज्यादा नहीं तो महीने में दो चोरियां तो अपने घर में करवा ही लेनी चाहिए। बड़े-बुजुर्ग भी कह गए हैं, धन बांटने से बढ़ता है।

सही बोल रहा हूं, सोने का चोरी चला जाना पुण्य का काम है। इससे घर में बरकत बनी रहती है। सोने का महंगा होना चोरों के पेट पर लात है।

मुझे आम आदमी की सोने के पीछे दीवानगी कभी समझ नहीं आई। जिसे देखो वो सोना जोड़ने में लगा पड़ा है। कोई शौक के लिए जोड़ रहा है तो कोई शादी के लिए जोड़ रहा है तो कोई आड़े वक्त के लिए जोड़ रहा है। अमां, क्या कीजिएगा इतना सोना जोड़कर। जबकि साथ कुछ नहीं ले जाना है फिर भी...। यही सोना जब चोरी चला जाता है तब रोते हैं। चोरों को बद्दुआएं देते हैं। थाने में रपट लिखवाते हैं। बेवजह पुलिस वालों को भी परेशान करते हैं। मैं तो फिलहाल इस प्रतीक्षा में हूं कि सोना जल्द थोड़ा और नीचे आ जाए और चोरों का कारोबार फिर से चल निकले। मुझे यह कतई अच्छा नहीं लगता कि हम खाएं और चोर बेचारे हमारा मुंह ताकें। उनका दाना-पानी भी चलता रहे तो क्या हर्ज है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सर्जना और व्याख्या

वरिष्ठ लेखक-पत्रकार अवधेश श्रीवास्तव साहित्य के गंभीर पाठक-विवेचक भी हैं। लंबे समय से वे विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के लिए पुस्तक समीक्षाएं लिखते रहे हैं। हाल में उनकी लिखी समीक्षाओं का संकलन 'सर्जना और व्याख्या' पुस्तकाकार में आया है। इसमें उनके द्वारा लिखी गई तीस पुस्तकों की समीक्षाएं संकलित हैं। अवधेश श्रीवास्तव पुस्तकों का मूल्यांकन पूरी गंभीरता से करते हैं। वे अगर किसी किताब की विशिष्टताओं को रेखांकित करते हैं तो उसकी खामियों पर भी अंगुली रखने से परहेज नहीं करते हैं। यहां विष्णु प्रभाकर, भगवती चरण वर्मा, असगर वजाहत, अलका सरावगी, गोविंद मिश्र, शिवमूर्ति, राम दरश मिश्र, ओम निश्चल आदि की पुस्तकों के अलावा अर्नेस्ट हेमिंग्वे के अनूदित उपन्यास 'शस्त्र विदाई' की समीक्षा भी पढ़ी जा सकती है। *

पुस्तक: सर्जना और व्याख्या (समीक्षात्मक लेख)
लेखक: अवधेश श्रीवास्तव, **मूल्य:** 250 रुपए,
प्रकाशक: शांभवी प्रकाशन, गाजियाबाद

भारतीय पायलट फेडरेशन ने वॉल स्ट्रीट और रॉयटर्स को भेजा नोटिस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अहमदाबाद में 12 जून को हुए विमान हादसे को लेकर विदेशी मीडिया की भ्रामक रिपोर्टिंग पर भारतीय पायलट संघ (एफआईपी) ने आपत्ति जताई है। एफआईपी ने द वॉल स्ट्रीट जर्नल और रॉयटर्स को कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में दोनों संस्थानों से गलत रिपोर्टिंग के लिए माफी मांगने की मांग की गई है।

भारतीय पायलट संघ (एफआईपी) के अध्यक्ष सीएस रंधावा ने बताया कि हमने कानूनी कार्रवाई शुरू की है। हमने द वॉल स्ट्रीट जर्नल और रॉयटर्स को उनकी रिपोर्टों पर एक नोटिस भेजा है। हमने उनसे माफी मांगने के लिए कहा है। रॉयटर्स और द वॉल स्ट्रीट जर्नल को भेजे एक ईमेल में, एफआईपी ने कहा कि हमें पता चला है कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया के कुछ वर्ग बार-बार चुनिंदा और असत्यापित रिपोर्टिंग के माध्यम से विमान हादसे का निष्कर्ष निकालने का प्रयास कर रहे हैं। इस हादसे ने जनता को बड़ा सदमा पहुंचाया है। यह भारतीय विमानन उद्योग की सुरक्षा को लेकर, खासकर निराधार तथ्यों के आधार पर जनता में चिंता या आक्रोश पैदा करने का समय नहीं है। बता दें, 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के 32 सेकेंड देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी।

एअर इंडिया प्लेन क्रैश को लेकर 'गैर-जिम्मेदाराना रिपोर्टिंग' का लगाया आरोप

दोनों मीडिया संस्थानों से गलत रिपोर्टिंग के लिए माफी मांगने कहा

विमान हादसे के लिए पायलट सभरवाल को 'जिम्मेदार' वाली थी रिपोर्ट

आधिकारिक पुष्टि के बिना रिपोर्टिंग

एफआईपी ने कहा कि मीडिया संस्थान आधिकारिक पुष्टि और अंतिम रिपोर्ट के बिना ऐसी कोई भी सामग्री प्रकाशित या प्रसारित न करें जिसमें दुर्घटना के कारणों पर अटकलें लगाई गई हों और मृत पायलटों को दोषी ठहराती हों। इस तरह की अटकलें लगाने वाली सूचनाओ का प्रकाशन बेहद गैर-जिम्मेदाराना है। इससे मृत पायलटों की प्रतिष्ठा को गंभीर और अपूरणीय क्षति हुई है। रॉयटर्स ने शोक संतप्त परिवारों को अनावश्यक संकट में डाला है और पायलट वर्ग का मनोबल गिराया है, जो भारी दबाव और सार्वजनिक जिम्मेदारी के तहत काम करता है।

रॉयटर्स से यह कहा गया

कानूनी नोटिस में रॉयटर्स से कहा गया है कि वह 17 जुलाई 2025 को प्रकाशित रिपोर्ट की तुरंत समीक्षा और संशोधन करें। इसमें एक उपयुक्त अस्वीकरण शामिल हो और ऐसी किसी भी सामग्री को हटा दें जिसे दोष ढेने के रूप में समझा जा सकता है। एफआईपी ने रॉयटर्स को एक स्पष्टीकरण जारी करने के लिए कहा है। इसमें यह स्वीकार किया गया हो कि अधिकारियों ने कोई अंतिम निष्कर्ष जारी नहीं किया है। यह लेख कुछ रिपोर्टों पर आधारित था।

एनटीएसबी के बयान पर जताई खुशी

भारतीय पायलट संघ के अध्यक्ष कैप्टन सीएस रंधावा ने कहा कि हम एनटीएसबी बोर्ड के बयान से खुश हैं। इससे पश्चिमी मीडिया में चल रही रिपोर्टों पर रोक लगेगी। वे अपनी ही दुनिया में मस्त हैं और सोचते हैं कि वे कुछ भी प्रकाशित करके बच निकल सकते हैं। भारतीय रिपोर्ट बिल्कुल स्पष्ट है। हमें अंतिम रिपोर्ट आने का इंतजार करना होगा।

अमेरिकी अधिकारी ने कहा- मीडिया रिपोर्ट्स सिर्फ अटकलें

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सामने आईं मीडिया रिपोर्ट्स को लेकर अमेरिकी एजेंसी ने सावधान रहने की सलाह दी है। यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड की अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी ने कहा, जो बातें सामने आई हैं वो सिर्फ अटकलें लगाने वाली हैं। भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो एएआईबी ने अभी अपनी शुरुआती रिपोर्ट जारी की है। इस तरह की जांच में समय लगता है। होमेंडी की यह टिप्पणी अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्लूएसजे) की रिपोर्ट को लेकर है। तीन दिन पहले जारी इस रिपोर्ट में दावा किया गया कि विमान के कैप्टन सुमीत सभरवाल ने इंजनों में फ्यूल की सप्लाई रोकी थी।

अमेरिकी विवि में पढ़ाई से भारतीयों का मोहभंग

कड़े वीजा नियमों से छात्र संख्या में 70 फीसदी की आई गिरावट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका ने हाल ही में वीजा के नियमों में सख्ती की है। इसके बाद अमेरिका जाने से भारतीय छात्रों का मोहभंग होने लगा है। हैदराबाद ओवरसीज कंसल्टेंट के संजीव राय ने एक मीडिया हाउस को बताया कि आमतौर पर इस समय तक अधिकांश छात्र अपने वीजा इंटरव्यू पूरे कर चुके होते हैं और अमेरिका जाने की तैयारी कर रहे होते हैं। इस साल हम अभी भी हर दिन पोर्टल को देख रहे हैं। ताकि कोई स्लॉट खुल जाए। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है।

अभी तक पुष्टि पत्र नहीं मिल

विंडो ओवरसीज एजुकेशन कंसल्टेंसी के अंकित जैन का कहना है कि जिन छात्रों ने स्लॉट बुक कर लिए हैं, उन्हें अभी तक पुष्टि पत्र नहीं मिल पाया है। बुकिंग कन्फर्म किए बिना स्लॉट खुले रहने का एकमात्र तार्किक कारण यह हो सकता है कि अमेरिका सिस्टम का परीक्षण कर रहा है। आई20 फीवर कंसल्टेंसी के अरविंद मंडुवा ने कहा कि अगले कुछ दिनों में स्लॉट जारी नहीं किए गए, तो हजारों सपने चकनाचूर हो जाएंगे। हम लगभग 80 फीसदी की गिरावट देख रहे हैं। हमें हर दिन छात्रों और उनके अभिभावकों से घबराहट भरे फोन आ रहे हैं।

अमेरिका के विश्वविद्यालयों में पढ़ाई से भारतीय छात्रों का मोहभंग हो रहा है। लगातार कड़े हो रहे वीजा नियमों के चलते अमेरिका जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में 70 फीसदी की कमी आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि वीजा अप्वाइंमेंट स्लॉट पर लगी रोक और वीजा स्वीकृति में हो रही देरी के चलते यह गिरावट आई है।

ट्रंप सरकार ने हाल ही में वीजा के नियमों में की है सख्ती

वीजा अप्वाइंमेंट स्लॉट पर रोक और वीजा स्वीकृति में देरी मुख्य वजह

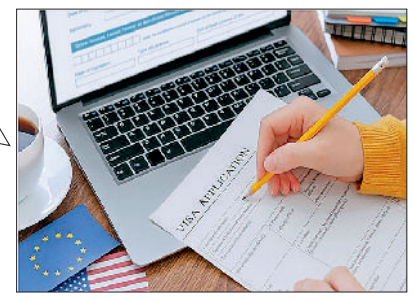

दूसरे देशों का रुख कर रहे छात्र

अमेरिका में कड़े वीजा नियमों के चलते भारतीय छात्र दूसरे देशों का रुख कर रहे हैं। एक छात्र ने कहा कि वह अब ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर की पढ़ाई के लिए जर्मनी जाएगा। मैं इंतजार नहीं कर सकता था। मैं एक साल गंवा सकता था। इस समय हालात ठीक नहीं हैं, इसलिए मैंने अपना आवेदन वापस लेने का निर्णय लिया है।

स्लॉट शुरू हो गए हैं: दूतावास

हैदराबाद स्थित अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि स्लॉट फिर से शुरू हो गए हैं। छात्र दूतावास या वेबसाइट पर अप्वाइंटमेंट की उपलब्धता की जांच कर सकते हैं। हम वीजा आवेदकों की पूरी तरह से जांच कर रहे हैं ताकि यह तय हो सके कि उनका इरादा अमेरिका या हमारे हितों को नुकसान पहुंचाने का नहीं है। आवेदक वीजा के लिए अपनी पात्रता को साबित करें, जिसमें यह भी शामिल है कि वे अपने प्रवेश की शर्तों के अनुरूप गतिविधियों में शामिल होने का इरादा रखते हैं।

किंग' के सेट पर शाहरुख घायल इलाज के लिए अमेरिका रवाना

मुंबई। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान इस वक्त 'किंग' फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं और इस दौरान उन्हें चोट लग गई है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक एक्शन सीन शूट करते समय शाहरुख खान की मांसपेशियों में चोट लग गई है। इलाज के लिए वो अमेरिका रवाना हो गए हैं, वहीं उनका इलाज होगा और डॉक्टरों ने उन्हें एक महीने तक आराम करने की सलाह दी है। बॉलीवुड हंगामा एक सूत्र ने बताया, 'शाहरुख की चोट के बारे में पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन वो अपनी टीम के साथ इलाज के लिए अमेरिका गए हैं।

ट्रंप ने वॉल स्ट्रीट जर्नल पर ठोका 10 अरब डॉलर का मुकदमा

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जाने-माने अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्लूएसजे), इसके मालिक रूपर्ट मर्डोक, डाउ जोन्स, न्यूज कॉर्प और दो पत्रकारों पर 10 अरब डॉलर का मानहानि का मुकदमा ठोक दिया है।

राष्ट्रपति ने कहा है कि इन्होंने गलत इरादे से काम किया जिससे पैसे के साथ ही उनकी इमेज को भी काफी नुकसान पहुंचा है। यह मुकदमा फ्लोरिडा के दक्षिणी जिले की फेडरल कोर्ट में दायर किया गया है। ट्रंप ने खुद ही इस बारे में जानकारी दी और ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा, 'मैं रूपर्ट मर्डोक और उनके 'कूड़े का ढेर' अखबार, डब्लूएसजे के खिलाफ अपने मुकदमे में गवाही देने का इंतजार कर रहा हूं। यह दिलचस्प अनुभव होगा!!!'

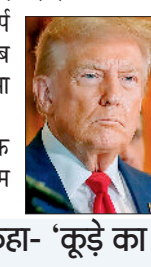

कहा- 'कूड़े का ढेर'

कौन था जैफ्री एपस्टीन?

जैफ्री एपस्टीन फाइनेंसर था और उस पर यौन शोषण के बहुत सारे आरोप थे। 2019 में उसने न्यूयॉर्क की एक जेल में आत्महत्या कर ली थी। ट्रंप के समर्थकों का समूह मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (मागा) मानता है कि ट्रंप प्रशासन इस मामले को छुपा रहा है और इस मामले में अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को इस मामले में निशाना बनाया गया है। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया था कि एपस्टीन ने आत्महत्या ही की थी।

यह है मामला

वॉल स्ट्रीट जनरल ने एक रिपोर्ट छापी थी जिसमें उसने कहा था कि 2003 में उस दौरान रियल एस्टेट के बड़े कारोबारी रहे डोनाल्ड ट्रंप ने जैफ्री एपस्टीन को उसके जन्मदिन पर एक लेटर भेजा था। इसमें एक महिला का नग्न चित्र था, ट्रंप का नाम था और कुछ सीक्रेट बातों की ओर इशारा किया गया था। ट्रंप ने डब्लूएसजे की रिपोर्ट को खारिज कर दिया था और मर्डोक को चेतावनी दी थी कि वह डब्लूएसजे और उससे जुड़े लोगों पर मुकदमा करेंगे।
डब्लूएसजे की मूल कंपनी डाउ जोन्स, न्यूज कॉर्प की ही एक डिवीजन है।

ऐसी गलती होती रही तो साथ रहने का कोई मतलब नहीं

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सवाल उठाया है कि अगर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा की तरह सीट बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन में देरी जैसी गलतियां दोबारा हुईं तो महा विकास आघाडी (एमवीए) का क्या औचित्य रह जाएगा। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में एमवीए के प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद का उत्साह विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टियों के खुद के जीतने पर केंद्रित व्यक्तिगत अहंकार में बदल गया, जो अंततः उनकी हार का कारण बना।

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
मिनी रत्न कम्पनी
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)

सूचना

एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाएँ एसईसीएल की वेबसाईट http://www.secl-cil.in, कोल इण्डिया के ई–प्रोक्यूमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है। एसईसीएल के माईनिंग सर्विसेस की निविदायें भी अब जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।

भारतीय स्टेट बैंक | क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय-2 कोरबा, प्रथम तल, घंटाघर के पास, निहारिका, कोरबा (छ.ग.)

बैंक हेतु व्यवसायिक परिसर की आवश्यकता है

एस.बी.आई. क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय-2 कोरबा की स्टेशन रोड जांजगीर शाखा स्थानान्तरित किया जाना प्रस्तथित है, जिसके लिये स्टेशन रोड जांजगीर के मुख्य मार्ग एवं आस पास भूतल में लगभग **2500-3000 वर्ग फीट क्षेत्रफल** के व्यवसायिक भवन परिसर की किराये पर आवश्यकता है।

1. आवेदक प्रस्तावक के पास भवन का मालिकाना हक सहित विलेख (क्लीन टाइटल डीड), प्रमाणित नक्शा, भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र, भूस्वामी का पहचान व वर्तमान पते के साथ दूरभाष/ मोबाईल नम्बर आदि होना चाहिए।
2. भू-स्वामी भवन को कम से कम 10 वर्षो के लिए किराए पर देने हेतु इच्छुक हो तथा आगे भी 5-5 वर्षो के न्यूनतम 10 वर्षो के नवीनीकरण हेतु सहमत हो।
3. भवन सामान्यतः निर्मित स्थिति **(READY TO MOVE)** निर्माणाधीन हो तथा निविदाकर्ता को बैंक की आवश्यकतानुसार भवन में सुधार कराने हेतु तैयार होना चाहिए, भू संपति पर कोई भी बकाया टैक्स अथवा न्यायालीन विवाद न हो।
4. निविदाकर्ता को बैंक द्वारा चाही गयी आवश्यक विद्युत लोड 3 फेस कनेक्शन लगभग **30-35 KVA** सहित प्रस्तावित परिसर में उपलब्ध कराना होगा, जिसका खर्च भू-स्वामी को वहन करना होगा। भवन का अधिपत्य लेने के पश्चात् बिजली का बिल बैंक द्वारा वहन किया जायेगा लेकिन सम्पति कर भवन स्वामी द्वारा वहन किया जायेगा। भवन के साथ जनरेटर रखने हेतु स्थान एवं समुचित 500 वर्गफिट पार्किंग व्यवस्था होना चाहिये, जिसका अलग से किराया देय नहीं होगा।
5. प्रस्ताव दो अलग-अलग लिफाफों में प्रस्तुत किये जाने है, जिनमें एक पर (वैकल्पिक भवन तकनीकी) लिखा होना चाहिये तथा इसमें प्रस्तावित भवन का पता, व्यावसासिक स्वीकृति, भवन का एमओएस सहित स्वीकृत नक्शा, मालिकाना हक का प्रमाण, प्लाट का क्षेत्रफल एवं अन्य तकनीको शर्तें/जानकारी होगी, दूसरे लिफाफे में **(वैकल्पिक भवन वित्तीय)** लिखा होना चाहिये तथा इसमें दरी क्षेत्र **(कार्पेट एरिया)** प्रति वर्ग फीट किराया प्रतिमाह एवं अन्य वित्तीय नियम व शर्तें होना चाहिये। प्रस्ताव का प्रारूप, पात्रता मानदंड, नियम व शर्तें और अन्य विवरण तथा निविदा कागजात **भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय-2 कोरबा, प्रथम तल, घंटाघर के पास, निहारिका, कोरबा (छ.ग.)** एवं वर्तमान शाखा से प्राप्त किये जा सकते हैं।

उक्त बिन्दुओं को ध्यान में रखकर **दिनाँक 08.08.2025** को दोपहर **3.00 बजे** तक इच्छुक व्यक्ति फर्म अपनी निविदा सफेद कागज पर सीलबंद लिफाफे में स्वयं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा **भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय 2 कोरबा, प्रथम तल, घंटाघर के पास, निहारिका, कोरवा (छ.ग.) को प्रेषित कर सकते है।** किसी भी प्रकार का कमीशन देय नहीं होगा। भारतीय स्टेट बैंक किसी भी प्रस्ताव को बिना कारण स्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय-2 कोरबा

अब दिल्ली में शिक्षक से 'परेशान' होकर छात्रा ने कर ली आत्महत्या

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा विश्वविद्यालय में बीडीएस सेकेंड इयर की एक छात्रा ने शुक्रवार रात को कथित तौर पर शिक्षकों द्वारा प्रताड़ित किए जाने के कारण आत्महत्या कर ली।

रिपोर्ट के अनुसार यह घटना विश्वविद्यालय के हॉस्टल के 12वीं मंजिल स्थित कमरे में हुई, जो नॉलेज पार्क पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आता है। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद किया है, जिसमें पीड़िता ने अपने शिक्षकों पर उत्पीड़न और अपमान का आरोप लगाया है। फिलहाल छात्र के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। अपने सुसाइड नोट में, छात्रा ने पीसीपी और डेंटल मैटेरियल्स के शिक्षकों को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि उन्होंने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित और अपमानित किया, जिससे उसे तनाव हुआ।

गाजा में खाद्य वितरण केंद्र पर गोलीबारी, 50 फलस्तीनी की मौत

गाजा। गाजा पट्टी के दक्षिणी हिस्से में शनिवार को 50 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार ये सभी खाने के पैकेट के लिए जा रहे थे। वहीं अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, इस्राइली सेना ने भीड़ पर गोलियां चलाई, जिसमें कई लोग घायल भी हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, ये सभी फलस्तीनी गाजा मानवतावादी फाउंडेशन (जीएचएफ) नाम की संस्था की तरफ से चलाए जा रहे खाद्य वितरण केंद्रों की ओर जा रहे थे।

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION COMPANY LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking)(Successor Company of CSEB) CIN U40108CT2003SGC015822
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (PROJECT) GUDHIYARI, RAIPUR E mail ID- ce.project@cspc.co.in

02-08/CW/2025-26/**Tr.No.2713-2714/2255** Raipur Date- 18-07-2025

EXTENSION ORDER

The due date of submission of E-bid for the following tenders are here by **extended up to 25.07.2025**. The revised schedule is as under:-

Sr.No	Tender No/Rfx no.	Name of work	Tender amount (in Rs.)	Completion Period	Eligible class for bidding	DUE DATE & TIME OF SUBMISSION OF BID
1	Tr.no - 2713 RFx-8100044642	33KV Underground Railway crossing at near village Patadhi, as per Railway Chainage no 01+740 &05+160 under Bhaisma Dc of O&M Dn. CSPDCL, Korba. (U/G CABLE LAYING WORK INVOLVED)	3828603.00	03 Months	Class I & II	12.00 noon 25.07.2025
2	Tr.no - 2714 RFx-8100044643	Interlinking 33/11 KV S/s Sonesarar And 33 KV Line Khujji (Khambhat Section) Near Village - Khursipar under (O&M) Dn., Dongargaon.	5426103.00	03 Months	Class I & II	12.00 noon 25.07.2025

SAVE ELECTRICITY

Chief Engineer (Project),
CSPDCL: RAIPUR

एक पेड़ की तरह है निवेश, अभी लगाएंगे तो भविष्य में देगा छाया

● निवेश की यात्रा शुरू कर रहे हैं तो जान लें कुछ जरूरी नियम● सबसे पहले निवेश के लिए लक्ष्य लेकर चलें और रुकें नहीं● हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करें और उसे हर साल बढ़ाते जाएं

निवेश मंत्रा
विनोद कौशिक

निवेश एक पेड़ की तरह है। यदि आप इस समय निवेश रूपी पौधा रोपेंगे तो यह बुढ़ापे में आपको छाया देगा और भविष्य को सुरक्षित रखेगा। अगर आप भी अपनी निवेश यात्रा शुरू करने जा रहे हैं या कर चुके हैं तो कुछ नियमों को अपने जीवन में उतार लें। इससे आप आसानी से अपने सपने को पूरा कर सकेंगे। अपने गोल पूरे कर सकेंगे। सबने इन्वेस्टमेंट यानी निवेश शब्द तो बहुत बार सुना होगा। चाहे परिवार की बातचीत, समाचार अपडेट या रोजमर्रा के जीवन में भी, लेकिन क्या आप कभी यह सोचने से रोके हैं कि इसका क्या मतलब है? सबसे सरल अर्थ में, इन्वेस्टमेंट आज पैसे, समय या ऊर्जा देने के बारे में है, आशा है कि यह भविष्य में कुछ और बढ़ेगा। कल्पना करें कि यह एक पौधा रोपने की तरह है, आप कोशिश करते हैं, इसे सावधानी से पोषण करते हैं, यह जानकर कि किसी दिन यह आपको छाया, फल या शायद कुछ सुंदरता भी प्रदान करेगा। यही इन्वेस्टमेंट यानी निवेश का मंत्र है। हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करें और उसे हर साल बढ़ाते जाएं।

आखिर क्या है निवेश

निवेश एक प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति या संगठन अपने पैसे को विभिन्न प्रकार की संपत्तियों या वित्तीय साधनों में लगाते हैं, जिससे उन्हें भविष्य में आय या लाभ प्राप्त हो सके। निवेश का उद्देश्य आमतौर पर अपने पैसे को बढ़ाना, आय अर्जित करना, या भविष्य के लिए बचत करना होता है। निवेश एक एसेट और/या एक आइटम है जो या तो अप्रिशिएशन प्राप्त करने या इनकम जनरेट करने के लिए अर्जित किया जाता है। इन्वेस्टमेंट में वृद्धि एक निश्चित अवधि में एसेट/आईटम के मूल्य में वृद्धि है। इससे स्टॉक खरीदना, रियल एस्टेट में इन्वेस्ट करना, गोल्ड खरीदना, या साइड बिजनेस शुरू करना भी हो सकता है। प्रत्येक विकल्प में वृद्धि की क्षमता होती है, विशेष रूप से अगर अच्छी तरह से मैनेज किया जाता है और हां, इसमें कुछ जोखिम शामिल हैं- वहां कोई आश्चर्य नहीं है, लेकिन ये इन्वेस्टमेंट वेल्थ-बिल्डिंग के अवसर प्रदान कर सकते हैं।

निवेश के प्रकार

1. **वित्तीय निवेश** : इसमें शेयर, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, और अन्य वित्तीय साधन शामिल हैं।
2. **वास्तविक निवेश** : इसमें अचल संपत्ति, सोना, और अन्य भौतिक संपत्तियां शामिल हैं।
3. **व्यवसायिक निवेश** : इसमें व्यवसाय शुरू करने या व्यवसाय में हिस्सेदारी खरीदने के लिए निवेश करना शामिल है।

निवेश के लाभ

1. **आय अर्जित करना** : निवेश से आय अर्जित करने का अवसर मिलता है।
2. **पैसे का बढ़ना** : निवेश से पैसे का मूल्य बढ़ सकता है।
3. **भविष्य के लिए बचत** : निवेश से भविष्य के लिए बचत करने में मदद मिलती है।
4. **विविधीकरण** : निवेश से पोर्टफोलियो का विविधीकरण होता है, जिससे जोखिम कम होता है।
5. **कैपिटल प्रिजर्वेशन** : जब आप इन्वेस्ट करते हैं, तो आप अपने पैसे को सुरक्षित रखते हैं और समय के साथ वैल्यू को खोने से रोकते हैं।
6. **टैक्स लाभ** : कुछ इन्वेस्टमेंट आपकी टैक्स योग्य आय को कम करने में मदद कर सकते हैं, जो हमेशा बोनस होता है!

निवेश के जोखिम

1. **बाजार का जोखिम** : बाजार की स्थितियों में बदलाव से निवेश का मूल्य प्रभावित हो सकता है।
2. **क्रेडिट जोखिम** : उधारकर्ता के डिफ़ॉल्ट करने से निवेश का मूल्य प्रभावित हो सकता है।
3. **लिक्विडिटी जोखिम** : निवेश को आसानी से बेचने में समस्या हो सकती है।
4. **जोखिम** : मुद्रास्फीति से निवेश का मूल्य प्रभावित हो सकता है।

ऐसे करें निवेश

1. **लक्ष्यों को परिभाषित करें** : सोचें कि आप अपने इन्वेस्टमेंट को प्राप्त करने के लिए क्या चाहते हैं।
2. **अपने जोखिम का आकलन करें** : सोचें कि आप नींद को खोए बिना कितना जोखिम ले सकते हैं।
3. **अपने इन्वेस्टमेंट चुनें**: आपके लिए सही महसूस करने वाले स्टॉक, बॉन्ड, रियल एस्टेट और फंड का मिश्रण चुनें।
4. **नियमित रूप से इन्वेस्ट करें**: हर महीने एक निश्चित राशि अलग रखने पर विचार करें. यह पहले खुद को भुगतान करने की तरह है।

ऐसे करता है काम

आप किसी कंपनी (एक एसेट) में शेयर खरीदने का निर्णय लेते हैं, जिसका आपको विश्वास है कि आपके पास एक आशाजनक भविष्य है। अगर कंपनी की वैल्यू बढ़ती है, तो आपके शेयरों की कीमत भी बढ़ती है या शायद आप किसी ऐसे क्षेत्र में भूमि (संपत्ति) का प्लॉट खरीदते हैं जिसे आप सोचते हैं कि समय के साथ महंगा हो जाएगा। दोनों मामलों में, आपका पैसा काम करने के लिए लगाया जाता है, और अगर चीजें अच्छी तरह से चलती हैं, तो यह आपको लगातार ध्यान दिए बिना लौटना लाता है।

निवेश का महत्व

- इन्वेस्टमेंट आपके पैसे को महंगाई से बचा सकता है।
- आपको आय अर्जित करने में मदद कर सकता है।
- आपको अपने लॉन्ग-टर्म लक्ष्यों के करीब ला सकता है।
- समय के साथ अपनी कैश वैल्यू खोने के बजाय, इन्वेस्टमेंट आपको रियल वेल्थ

बनाने में मदद कर सकता है

- कंपाउंडिंग होती है-जहां आपका रिटर्न गुणा होता है और समय के साथ अपना रिटर्न जनरेट करना शुरू करता है।
- इसलिए, चाहे रिटायरमेंट के लिए बचत हो या उस ड्रीम वेकेशन, इन्वेस्टमेंट आपके सभी वर्तमान और भविष्य के लक्ष्यों को आसानी से पूरा कर सकता है।

निवेश से पहले यह जान लें

जोखिम सहिष्णुता: आप अपने इन्वेस्टमेंट के कुछ या सभी को खोने के विचार से कितना आरामदायक हैं?
समय सीमा: क्या आप शॉर्ट टर्म या लॉन्ग टर्म के लिए इन्वेस्ट करना चाहते हैं?
फाइनेंशियल लक्ष्य: आप अपने इन्वेस्टमेंट के माध्यम से क्या प्राप्त करना चाहते हैं?
विविधता: विभिन्न क्षेत्रों में अपने इन्वेस्टमेंट को फैलाकर जोखिम को मैनेज करने में मदद मिल सकती है, जैसे कि आपके सभी अंडे एक ही टोकरी में न डालें।

इसलिए करें इन्वेस्टमेंट

महंगाई से सुरक्षा: इन्वेस्टमेंट अक्सर महंगाई की तुलना में तेजी से बढ़ते हैं, जिससे आपके पैसे की वैल्यू को सुरक्षित रखा जाता है।
पैसिव आय जनरेट करें: कुछ इन्वेस्टमेंट, जैसे डिविडेंड-भुगतान स्टॉक, नियमित कैश फ्लो प्रदान कर सकते हैं।
फाइनेंशियल लक्ष्य प्राप्त करें: इन्वेस्टमेंट आपको बड़े जीवन की घटनाओं, जैसे घर खरीदना या आराम से रिटायर होना आदि के लिए बचत करने में मदद करता है। इन्वेस्ट करना शुरू करना कभी भी बहुत जल्दी नहीं है, जितनी जल्दी आप शुरू करते हैं, कंपाउंडिंग का लाभ मिलेगा।

जवानी में कर लें इतना निवेश की बुढ़ापे में न गिननी पड़े परेशानियां

- रूल ऑफ 70 से जानिए बुढ़ापे में कितना पैसा होगा काफी
- आज की अर्थव्यवस्था में पैसा सबसे बड़ी जरूरत बन चुका
- जवानी में गलत फैसले लिए गए, तो बुढ़ापा मुश्किल होगा
- युवावस्था से ही रिटायरमेंट को मजबूत फंड बनाना शुरू करें
- अच्छा फंड भविष्य में आर्थिक तंगी से बचाएगा, जीवन आरामदायक बनेगा

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी रिटायरमेंट प्लानिंग कर रहे हैं तो जरा ध्यान दें। आप जितना जल्दी निवेश शुरू करेंगे। उतना ही बुढ़ापे में सुरक्षित होंगे। इसलिए जरूरी है कि जवानी में इतना निवेश कर लें कि बुढ़ापे में परेशान न होना पड़े। इसके लिए आप रूल ऑफ 70 के फार्मूले को भी फॉलो कर सकते हैं। इससे पता चल जाएगा कि बुढ़ापा अच्छे से काटने के लिए आपको कितने धन की जरूरत होगी। आज की अर्थव्यवस्था में पैसा सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। अगर जवानी में गलत फैसले लिए गए, तो बुढ़ापा मुश्किल हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि युवावस्था से ही रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड बनाना शुरू करें, ताकि भविष्य में आर्थिक तंगी से बचा जा सके और जीवन आरामदायक बना रहे।

हमेशा महंगाई का ध्यान रखें

आप भी सोचते होंगे कि अगर आपके पास एक करोड़ रुपये हों, तो जिंदगी की सारी ज़रूरतें पूरी हो जाएंगी, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यही रकम आने वाले वक्त में आपके लिए कितनी मायने रखेगी। आज जो रकम बड़ी लगती है, वो कल को शायद उतनी काम की न हो। महंगाई हर साल धीरे-धीरे बढ़ती रहती है और इसके साथ हमारी जरूरतों की कीमत भी। ऐसे में अगर आपने भविष्य की प्लानिंग सही से नहीं की, तो रिटायरमेंट के बाद दिक्कतें हो सकती हैं। कई बार हम यह मान लेते हैं कि जितना पैसा आज हमें काफी लग रहा है, वही आगे भी काफी रहेगा, लेकिन असलियत इससे बिल्कुल अलग है। इसलिए जरूरी है कि आप आज ही यह समझें कि आपकी रकम भविष्य में कितनी टिक पाएगी और उसी के हिसाब से अपनी बचत और निवेश की योजना बनाएं।

ऐसे जानें 'रूल ऑफ 70'

आपके पैसों की वैल्यू भविष्य में कितनी रह जाएगी, यह जानने के लिए 'रूल ऑफ 70' एक सरल तरीका है। इसमें आपको बस मौजूदा महंगाई दर जाननी होती है। जब आप 70 को उस महंगाई दर से भाग देंगे, तो जो संख्या निकलेगी, वह यह बताएगी कि कितने साल में आपके पैसों की आधी हो जाएगी। उदाहरण के लिए, अगर महंगाई दर 7% है, तो 70/7=10 साल। यानी 10 साल में आपके 1 करोड़ की वैल्यू 50 लाख जैसी हो जाएगी।

क्यों जरूरी है सही फाइनेंशियल प्लानिंग

लोग अक्सर सोचते हैं कि एक तय रकम जोड़ लेना ही काफी है, लेकिन वे महंगाई के असर को नजरअंदाज कर देते हैं। केवल सेविंग्स करना काफी नहीं है, आपको यह भी समझना होगा कि वो रकम भविष्य में क्या वैल्यू रखेगी। रूल ऑफ 70 जैसे सिंपल फॉर्मूलों से आप अपनी योजना को रियलिस्टिक बना सकते हैं। इससे आपको साफ नजर आएगा कि भविष्य में कितना पैसा वाकई जरूरी होगा।

स्मार्ट प्लानिंग

बुढ़ापे में आर्थिक तंगी से बचने के लिए युवावस्था से ही बचत और निवेश शुरू करें। हर महीने आय का कम से कम 20% रिटायरमेंट फंड में डालें। एसआईपी, पीपीएफ, और म्यूचुअल फंड जैसे विकल्प अपनाएं। महंगाई दर को ध्यान में रखते हुए फंड टारगेट तय करें। रूल ऑफ 70 से समझें पैसों की घटती वैल्यू और उसी अनुसार लॉन्ग टर्म प्लान तैयार करें।

सही लक्ष्य तय करें

बुढ़ापे में आर्थिक तंगी से बचने के लिए जरूरी है कि आप जल्द से जल्द निवेश शुरू करें। नियमित रूप से अपने फाइनेंशियल टारगेट्स की समीक्षा करें। बाजार की स्थितियों और महंगाई के हिसाब से अपनी रणनीति में बदलाव करते रहें। याद रखें, समय के साथ रुपये की वैल्यू घटती है, लेकिन सही प्लानिंग से आप अपनी भविष्य की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं।

विकल्पों का विश्लेषण

निवेश की प्लानिंग एक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति या संगठन अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निवेश रणनीति तैयार करते हैं। इसमें निवेश के उद्देश्यों, जोखिम सहनशक्ति, समय सीमा, और निवेश विकल्पों का विश्लेषण करना शामिल है। निवेश के उद्देश्यों को निर्धारित करना, जैसे कि आय अर्जित करना, पैसे का बढ़ना, या भविष्य के लिए बचत करना। निवेश की प्लानिंग एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो व्यक्ति या संगठन को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकती है।

ग्रीन एफडी : सुरक्षित निवेश के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी करें योगदान

अभी सभी बैंक ग्रीन डिपॉजिट की सुविधा नहीं दे रहे हैं। फिर भी, कई बड़े सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों ने इस दिशा में कदम उठाया है। मोहित गांग के मुताबिक, एसबीआई, बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, केनरा बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे बैंक ग्रीन डिपॉजिट योजनाएं शुरू कर चुके हैं।

बचत
बिजनेस डेस्क

जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी चुनौतियों से जूझ रही दुनिया अब निवेश के तरीकों में भी धीरे-धीरे बदलाव कर रही है। इन्हीं नए नए तरीकों के बीच भारत में अब एक नया फाइनेंशियल प्रोडक्ट तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इस लोकप्रिय प्रोडक्ट को नाम दिया है ग्रीन डिपॉजिट। यह एक ऐसा निवेश विकल्प है, जो न केवल सुरक्षित और अच्छा रिटर्न देता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जून 2023 में ग्रीन डिपॉजिट के लिए एक स्ट्रक्चर जारी किया था, जिसमें बैंकों को जमा पैसे को सिर्फ ग्रीन प्रोजेक्ट्स में लगाने की अनुमति दी गई है। इस प्रोजेक्ट्स में मुख्य रूप से सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, पानी और वेस्ट मैनेजमेंट आदि शामिल होते हैं। ग्रीन डिपॉजिट एक सामान्य फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की तरह ही है, लेकिन इसका असर कहीं अधिक बड़ा और पॉजिटिव है। इसमें बैंकों को सालाना रिपोर्टिंग और थर्ड पार्टी ऑडिट जैसी पारदर्शिता की शर्तें पूरी करनी होती हैं, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत होता है। स्टेट बैंक, एक्सिस, यूनियन बैंक जैसे कई बड़े बैंक इस विकल्प की पेशकश कर रहे हैं। अगर आप एक ऐसा निवेश चाहते हैं जो आपको आर्थिक लाभ के साथ-साथ धरती को भी लाभ पहुंचाए, तो ग्रीन डिपॉजिट एक समझदारी भरा कदम हो सकता है।

यह कैसे करता है काम

ग्रीन डिपॉजिट में भी निवेशक अपने पैसे को बैंक में एक निश्चित समय के लिए एफडी की तरह जमा करते हैं, और बदले में उन्हें उसका ब्याज मिलता है, लेकिन इस योजना की खासियत यह है कि जमा किए गए पैसे का इस्तेमाल केवल उन परियोजनाओं में किया जाता है, जो पर्यावरण के लिए फायदेमंद हों। इन परियोजनाओं में सौर और पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, जलवायु परिवर्तन से बचने के लिए हो रहे काम, पानी, वेस्ट मैनेजमेंट और ग्रीन बिल्डिंग आदि शामिल हो सकते हैं। बैंकिंग एक्सपर्ट कहते हैं, "जब कोई व्यक्ति या संस्था ग्रीन डिपॉजिट में निवेश करता है, तो बैंक उस पैसे को ऐसी परियोजनाओं के लिए लोन देने या निवेश करने में उपयोग करता है।

ऐसे समझें उदाहरण

उदाहरण के लिए, यह पैसा सौर ऊर्जा प्लांट बनाने, इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने आदि को बनाने या फिर उसके लिए रिसर्च में इस्तेमाल किया जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम बनाए हैं कि इन फंड्स का उपयोग केवल इन्हीं चीजों के लिए ही हो। बैंकों को हर साल इन फंड्स के उपयोग और उनके होने वाले पर्यावरणीय प्रभाव की जानकारी सार्वजनिक करनी होती है।

क्या कहते हैं जानकार

ग्रीन डिपॉजिट में निवेश की प्रक्रिया एफडी की तरह ही होती है। निवेशक को एक निश्चित पैसा (जो आमतौर पर 5,000 रुपये से शुरू होकर 10 करोड़ रुपये तक हो सकती है) जमा करना होता है। जमा करने का समय और ब्याज दर बैंक के नियमों पर निर्भर करती है। इस पैसे को डीआईसीजीसी के तहत बीमा किया जाता है, जिससे निवेशक का पैसा सुरक्षित रहता है।

नियमों और पारदर्शिता

दूसरा अंतर नियमों और पारदर्शिता में है। ग्रीन डिपॉजिट पर भारतीय रिजर्व बैंक की पूरी नजर रहती है और इसके लिए अलग से दिशानिर्देश हैं। इसकी वजह से बैंकों को फंड्स के उपयोग की पूरी जानकारी देने और हर साल ऑडिट करवाना पड़ता है। इसके विपरीत, एफडी में ऐसी कोई शर्त या पारदर्शिता की जरूरत नहीं होती। ब्याज दरों की बात करें तो ग्रीन डिपॉजिट की दरें सामान्य एफडी के बराबर या कभी-कभी थोड़ी अधिक हो सकती हैं, क्योंकि बैंक पर्यावरण के प्रति जागरूक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कभी-कभी अच्छी दरें ऑफर करते हैं। एक और जरूरी अंतर नैतिक प्रभाव का है। ग्रीन डिपॉजिट में निवेश करके व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने में योगदान देता है, जो इसे एक नैतिक और जिम्मेदार निवेश विकल्प बनाता है। सामान्य एफडी में ऐसा कोई पर्यावरणीय या सामाजिक प्रभाव नहीं होता।

ग्रीन डिपॉजिट के क्या फायदे

ग्रीन डिपॉजिट का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह निवेशकों को पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का मौका देता है। अगर आप जलवायु परिवर्तन या प्रदूषण जैसी समस्याओं को लेकर चिंतित हैं, तो यह योजना आपके पैसे को सही दिशा में लगाने का एक तरीका है। इसके अलावा, इसकी ब्याज दरें सामान्य एफडी की तुलना में प्रतिस्पर्धी होती हैं, जिससे निवेशक को आर्थिक लाभ भी मिलता है। यह योजना उन लोगों के लिए भी खास है, जो अपने निवेश को पर्यावरण, सामाजिक और शासन मानकों के आधार पर करना चाहते हैं। ग्रीन डिपॉजिट के जरिए निवेशक अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं और साथ ही पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभा सकते हैं। बैंकों द्वारा हर साल दी जाने वाली रिपोर्ट और तीसरे पक्ष के ऑडिट से निवेशकों को यह भरोसा रहता है कि उनका पैसा सही जगह पर इस्तेमाल हो रहा है। साथ ही, डीआईसीजीसी के तहत बीमा होने से यह निवेश पूरी तरह सुरक्षित भी है।"

एफडी से कितना अलग है ग्रीन डिपॉजिट

ग्रीन डिपॉजिट और एफडी में कई समानताएं हैं। हालांकि, कुछ बुनियादी अंतर दोनों को अलग बनाते हैं। सबसे बड़ा अंतर यह है कि ग्रीन डिपॉजिट में जमा किए गए पैसे का इस्तेमाल सिर्फ पर्यावरण को लाभ पहुंचाने वाले परियोजनाओं में किया जाता है, जबकि एफडी में जमा पैसे का इस्तेमाल बैंक अपने सामान्य कारोबार, लोन देने या दूसरे निवेश में उपयोग कर सकता है। इस तरह ग्रीन डिपॉजिट में निवेश करने वाला हर व्यक्ति यह दावा कर सकता है कि उसका पैसा पर्यावरण से जुड़ी परियोजनाओं के लिए हो रहा है।

माना जा रहा है कि जब प्रतिस्पर्धा सीमित होती हैतो मूल्य निर्धारण पारदर्शी नहीं रह जाता। इससे परियोजना की लागत अनावश्यक रूप से बढ़ने की आशंका रहती है। ईपीएफओ के टेंडर में अगर अधिक से अधिक कंपनी हिस्सा लेगी तो इसका लाभ उन्हें ही होगा और प्रतिस्पर्धा की वजह से ईपीएफओ को कम लागत में एक बेहतर सेवा प्रदाता कंपनी की सेवा मिलेगी।

ईपीएफओ के डिजिटल प्लेटफॉर्म में हो रहा बदलाव, आखिर क्या होगा असर

बिजनेस डेस्क

देश के 27 करोड़ से अधिक कामगारों की बचत की संरक्षक संस्था के रूप में कार्य कर रही कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 14 जुलाई 2025 को अपने आईटी सिस्टम (ईपीएफओ प्लेटफार्म) पर व्यापक बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। स्वभाविक है कि इस बदलाव से लोगों पर व्यापक असर भी दिखाई देगा। कुछ राहत मिलेगी तो कुछ खतरे भी बढ़ सकत हैं। ईपीएफओ के इस बदलाव से जुड़ी हालिया प्रक्रिया विशेषकर एजेंसी के चयन हेतु जारी एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट(ईओआई) को लेकर विशेषज्ञों और उद्योग जगत ने पारदर्शिता, निष्पक्षता और संभावित पक्षपात को लेकर गहरी चिंता जताई है। एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट दस्तावेज में एक प्रमुख शर्त यह है कि बोलीदाता ने प्रस्तावित कोर बैंकिंग सोल्यूशन (सीबीएस) को किसी अनुसूचित कॉमर्सियल बैंक में लागू किया हो। पहली नजर में यह एक सामान्य, अनुभव आधारित मानदंड लगता है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यह शर्त ईपीएफओ की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है।

खातों का रख-रखाव, अंशदान प्रबंधन, पेंशन का वितरण आदि है। इसके लिए एक मजबूत, स्केलेबल और यूज़र-फ्रेंडली डिजिटल प्लेटफॉर्म जरूरी है, लेकिन इसके लिए कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) की अनिवार्यता अप्रासंगिक मानी जा रही है। इसका कारण ये है कि ईपीएफओ का काम कोर बैंकिंग से संबंधित नहीं है। ईओआई की भाषा से यह प्रतीत होता है कि बैंकिंग क्षेत्र को सेवा देने वाली कंपनी को प्राथमिकता दी जा रही है। प्री-बिड मीटिंग में शामिल कंपनियों ने यह भी ये सवाल उठाये किया कि दस्तावेज़ में वर्णित तकनीकी विशिष्टताएँ एक कंपनी विशेष की क्षमताओं से काफी मेल खाती हैं। कम्पनियों ने ईपीएफओ पोर्टल पर क्वेरी जेनेरेट कर अपनी चिंता व्यक्त की लेकिन ईपीएफओ ने कंपनियों के सभी आपत्ति को दरकिनार कर दिया।

नवाचार की राह में बाधा

ईओआई की शर्तों से कई प्रतिष्ठित कंपनियां इस काम के लिए बिड की करने की प्रक्रिया से बाहर हो सकती हैं, खासकर जिन्होंने डिजिटल गवर्नेंस और सार्वजनिक सेवाओं के लिए बेहतरीन समाधान विकसित किए हैं लेकिन बैंकिंग सीबीएस पर काम नहीं किया है। ईओआई बैठक में भाग लेने वाली प्रमुख कंपनियां टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो, सीआईपीएल, एडब्ल्यूएस, एचसीएल सॉफ्टवेयर और फिन्सिल थीं। जबकि केवल एक-दो कंपनियां ही सीबीएस का अनुभव रखती हैं।

इस पर क्या है विशेषज्ञों की राय

ईपीएफओ कोई बैंक नहीं

ईपीएफओ कोई बैंक नहीं है। इसकी कार्यप्रणाली सार्वजनिक सेवा मंच जैसी है। ऐसे में बैंकिंग सीबीएस की अनिवार्यता तकनीकी दृष्टि से गैरजरूरी और रणनीतिक रूप से ग्रामक है। -**पवन दुग्गल, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सायबर सुरक्षा विशेषज्ञ**

उद्देश्य समाधान ढूंढना नहीं

यह आरएफपी किसी खास उत्पाद के लिए रिवर्स इंजीनिरिड लगती है। ये बहुत ही रिस्ट्रीक्टिव है एवं इसका उद्देश्य समाधान ढूंढना नहीं, बल्कि समाधान में किसी ख़ास बोलीदाता (बिडर) को लाभ पहुंचाना है। -**अनूज प्रकाश अवस्थी, टेक्नोलॉजी एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट।**

नवाचार-विरोधी भी

- डिजिटल एवं आईटी के काम के लिए टेंडर की प्रक्रिया में हिस्सा लेने वाली एक प्रमुख कंपनी एमनेक्स टेक्नॉलाजी का कहना है कि यह सिर्फ खराब खरीद प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह नवाचार-विरोधी भी है। यह सरकार के 'मेक इन इंडिया' और 'ओपन इनोवेशन' के मूल सिद्धांतों के भी खिलाफ है।
- वहीं वित्त मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार के पद पर काम कर चुके एक अधिकारी ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया में किसी विशेष शर्त को जोड़ना या किसी खास कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए शर्तों का निर्धारण जीएफआर एवं सीवीसी के नियमों का उल्लघन है। उनके मुताबिक, अगर प्रतियोगिता का दायरा सीमित होगा, तो बोली की कीमतें बाजार के अनुरूप नहीं होंगी।

ईपीएफओ के लिए आगे की राह

- ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, ईपीएफओ पर यह दबाव बढ़ रहा है कि वह इस प्रक्रिया की समीक्षा करे, और योग्यताओं को कार्य-आधारित और समाधान-उन्मुख तरीके से परिभाषित करे। साथ ही इस प्रक्रिया मेंतकनीकी रिप्रजेंटेशन को प्रमुखता दी जाए। मूल्यांकन की प्रक्रिया में विविध पारदर्शी मानदंड जोड़े जाएं साथ ही पूरी प्रक्रिया में निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाया जाए।

मुख्य बजट में इस फंड के लिए 50 करोड़ का प्रावधान

राज्य की आर्थिक स्थिरता और सतत विकास सुनिश्चित करने छत्तीसगढ़ ग्रोथ एंड स्टेबिलिटी फंड विधेयक पारित

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में राज्य की आर्थिक स्थिरता और सतत विकास को सुनिश्चित करने हेतु छत्तीसगढ़ ग्रोथ एंड स्टेबिलिटी फंड विधेयक को सर्वसम्मति से पारित किया गया। यह विधेयक राज्य के वित्तमंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने विधेयक के उद्देश्यों, प्रावधानों और इससे होने वाले लाभों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विधेयक के संबंध में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार ने छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 दस्तावेज तैयार किया है, जिसके अंतर्गत राज्य को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। इसी कड़ी में राज्य की वित्तीय दीर्घकालिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह विशेष फंड स्थापित किया जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य में खनिज संसाधनों से होने वाली आय में निरंतर वृद्धि हुई है। वर्ष 2001-02 से 2024-25 के दौरान खनिज राजस्व में 30 गुना से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं पूंजीगत व्यय में भी लगभग 43 गुना की वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में पूंजीगत व्यय में पिछले वर्ष की तुलना में 38 प्रतिशत तथा वर्ष 2023-24 में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। उन्होंने कहा, पूंजीगत व्यय से अर्थव्यवस्था को मल्टीप्लायर इफेक्ट मिलता है, जिससे एक रुपये के निवेश से अर्थव्यवस्था को तात्कालिक रूप से 2.45 रुपए और दीर्घकाल में 3.14 रुपए का लाभ मिलता है।

फंड के प्रमुख प्रावधान और लाभ

वित्त मंत्री ने बताया कि यह फंड खनिज संसाधनों से प्राप्त वार्षिक राजस्व का न्यूनतम 1 प्रतिशत और अधिकतम 5 प्रतिशत तक निवेश की व्यवस्था करेगा। फंड से प्राप्त लाभांश को पुनः फंड में निवेश किया जाएगा। इस फंड का उपयोग केवल पूंजीगत व्यय के लिए ही किया जाएगा। विशेष परिस्थितियों में ही मूल राशि से आहरण किया जा सकेगा, वह भी एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम 10 प्रतिशत तक। फंड की पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत नियम बनाए जाएंगे, जिनमें फंड प्रबंधन, निवेश प्रक्रिया और अनुमति योग्य निवेश साधनों का स्पष्ट निर्धारण किया जाएगा।ओपी चौधरी ने कहा, ऐसा फंड बनाने वाला छत्तीसगढ़ संभवतः देश का पहला राज्य है। मुख्य बजट 2025-26 में इस फंड के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार द्वारा जिला खनिज न्यास निधि का भी व्यापक उपयोग किया जा रहा है, जिसके माध्यम से दंतेवाड़ा में मेडिकल कॉलेज समेत कई जिलों में स्वास्थ्य एवं शिक्षा अधोसंरचना का निर्माण किया जा रहा है।

पढ़ाई के बीच छोड़ी एमबीबीएस की सीट तो देना पड़ेगा 25 लाख तक जुर्माना मेडिकली अनफिट होने पर छूट

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

बहुप्रतीक्षित एमबीबीएस -बीडीएस एडमिशन की काउंसिलिंग शुरू होने के पहले छत्तीसगढ़ चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं भौतिक चिकित्सा 2025 का नियम लागू कर दिया गया है। नियम के अनुसार तृतीय काउसिलिंग पूरी होने के बाद पढ़ाई के बीच कोई सीट त्यागता है, तो उसे 25 लाख रुपये तक जुर्माना देना होगा। अगर संबंधित छात्र पढ़ाई के लिए मेडिकली रूप से अनफिट पाया जाता है, तो उसे इस फाइन से राहत मिल सकती है। एनआरआई कोटे के लिए भी अभ्यार्थी के दो पीढ़ी के प्रमाणपत्र को भी इस बार मान्य किया गया है।

राज्य के दस शासकीय और चार निजी मेडिकल कालेज में एमबीबीएस और एक शासकीय तथा पांच निजी डेंटल कालेज में बीडीएस के प्रवेश के लिए काउंसिलिंग का पहला राउंड 30 जुलाई से शुरू होना संभावित है। प्रवेश के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा नियम बनाकर इसका राजपत्र में भी प्रकाशन कर दिया गया है। इस बार नियम में बांड अवधि के साथ कुछ छोटे बदलाव किए गए हैं। पुराने नियम के मुताबिक काउंसिलिंग पूरी होने के बाद अगर कोई छात्र पढ़ाई के बीच सीट छोड़ता है, तो उसे जुर्माना देना होगा। एमबीबीएस की सीट में सामान्य वर्ग के लिए यह राशि 25 लाख ईडब्लूएस सहित आरक्षित वर्ग के लिए 20 लाख, बीडीएस के लिए सामान्य वर्ग 5 और आरक्षित वर्ग का 4 लाख होगा।

नियम के मुताबिक किसी कारणवश अगर को विद्यार्थी मेडिकल, डेंटल की पढ़ाई के लिए अनफिट पाया जाता है, तो उसे उस जुर्माना राशि से मुक्त रखा जाएगा। इस बार भी एनआरआई कोटे में प्रवेश के लिए पुराने नियम को स्वीकार किया गया है।

कुल सीटों का 10 फीसदी ईडब्लूएस को

नियम के मुताबिक शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में कुल सीटों का 10 प्रतिशत हिस्सा ईडब्लूएस कोटे के तहत आवंटित होगा। किए गए नियम में संशोधन के आधार पर काउसिलिंग के दौरान अगर इस कोटे की कोई सीट रिक्त रह जाती है। तो उसे सामान्य वर्ग को आवंटित किया जाएगा। स्टेटे कोटे की सीटों में प्रत्येक संस्थावार अनुसूचित जनजाति को 32, अनुसूचित जाति को 12, क्रीमिलेयर को छोड़कर अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 14 प्रतिशत सीट आरक्षित रहेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष

एनकाउंटर में मारे...

आवागमन के लिए प्रमुख रूप से उपयोग में लाया जाता था। माड़ बचाओ अभियान के तहत ऑपरेशन मानसून के तहत परिया-काकुर ऑपरेशन नारायणपुर पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस अभियान में कुल 6 माओवादी को मार गिरया गया, जिन पर 48 लाख रुपए का ईनाम घोषित था।

चार जिले की...

चुनौतीपूर्ण परिस्थिति के बावजूद डीआरजी नारायणपुर, कांकेर, बस्तर व कोण्डागांव के अलावा एसटीएफ व बीएसएफ की 129वीं, 133वीं व 135वीं बटालियन ऑपरेशन में शामिल थी। मुठभेड़ स्थल से चार महिला समेत छह नक्सलियों के शवों के अलावा एके 47 राइफल, एसएलआर राइफल, 12 बोर राइफल के अलावा 11 बीजीएल लॉन्चर 83 बीजीएल सेल व भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, माओवादी साहित्य व दैनिक उपयोग का सामान बरामद किया गया है।

7 माह में 204...

भी यह सफलता सुरक्षा बलों के दृढ़ संकल्प को दशार्ती है कि बस्तर में स्थायी शांति, प्रगति और समृद्धि सुनिश्चित की जाएगी। - सुंदरराज पट्टलिंगम, आईजी, बस्तर।

ईडी ने मेटा...

वाले कई प्लेटफॉर्म की जांच कर रही है, जिसमें विभिन्न इंटरनेट-आधारित सोशल मीडिया संस्थान और ऐप स्टोर्स पर उनके लिए उपलब्ध किये गए विज्ञापनों के उदाहरण भी शामिल हैं। माना जा रहा है कि ईडी ने प्रौद्योगिकी क्षेत्र की इन दिग्गज कंपनियों को यह पता लगाने के लिए बुलाया है कि ऐसे अवैध प्लेटफॉर्म उनके सोशल मीडिया और संचार लिंक पर विज्ञापन कैसे दे पा रहे हैं।

क्यों बुलाया गया है ?-

ईडी ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के एक बड़े नेटवर्क की जांच कर रहा है। कई ऐप्स खुद को 'स्किल बेस्ड गेम्स' बताकर अवैध सट्टेबाजी को बढ़ावा दे रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए करोड़ों रुपए की अवैध कमाई की गई, जिसे हवाला चैनलों के माध्यम से छिपाया गया ताकि जांच से बचा जा सके। ईडी ने इन ऐप्स के विज्ञापनों को गूगल और मेटा के प्लेटफॉर्म्स पर प्रमुखता से प्रदर्शित होने का आरोप लगाया है, जिससे इनके यूजर्स बढ़े।

याचिकाकर्ता पर कोर्ट...

इंजेक्शन बनाने वाली कंपनी डिवाइन लेबोरटरीज को 16 जून 2025 को तीन वर्षों के लिए ब्लैक लिस्टेड कर दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए कंपनी ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, इसमें राज्य सरकार के आदेश को निरस्त करने की मांग की गई थी। इसके अलावा कंपनी को भविष्य में सरकारी निविदाओं में भाग लेने की अनुमति देने के निर्देश देने की मांग की थी।

कांवड़ियों ने जवान...

पर कांवड़ियों ने जवान को घेर लिया। रेलवे स्टेशन के फर्श पर लेटाकर लात-घूंसे और थप्पड़ों से बुरी तरह पीट दिया। जवान मदद के लिए चिल्लाता रहा लेकिन तब तक भीड़ में मौजूद कुछ लोग वीडियो बनाते रहे। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस ने तुरंत स्थिति को संभाला और मारपीट में शामिल 5 से 7 आरोपियों को हिरासत में ले लिया। सभी आरोपियों के खिलाफ सरकारी कर्मचारी से मारपीट, अभद्रता और शांति भंग करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो और गवाहों के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। मामले की गहन जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुल से टकराई...

दो युवकों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

एक हजार की...

के खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर बसना थाने में एफआईआर की गई थी। तत्कालीन थाना प्रभारी गणेशराम शेंडे ने कार्रवाई की थी। मामला आईपीसी की धारा 324 के तहत जमानती था, इस वजह से तीनों आरोपियों को उसी दिन मुचलके पर रिहा कर दिया गया, लेकिन इसके दो दिन बाद 10 अप्रैल 1990 को एक आरोपी भीमलाल साहू ने रायपुर लोकायुक्त एसपी को शिकायत की थी। इसमें बताया गया कि उसे रिहा करने के बदले में एक हजार रुपए रिश्वत मांगी गई थी। इस शिकायत के आधार पर लोकायुक्त की टीम ने रेड की। इसमें थाना प्रभारी शेंडे को रंगे हाथों पकड़ा गया था। इस कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी पर केस दर्ज किया गया। साथ ही उन्हें गिरफ्तार कोर्ट में पेश किया गया।

3 साल कैद और...

की गई उसका कोई औचित्य नहीं बनता, क्योंकि शिकायतकर्ता और उसके परिजन को पहले ही 8 अप्रैल को शाम 5 बजे जमानत पर रिहा कर दिया गया था। तथ्यों के अनुसार, दो दिन बाद 10 अप्रैल को उसी जमानत के एवज में पैसे की मांग करने का आरोप असंभव लगता है।

प्रदेश में 86200...

जिन-जिन जिलों में डुप्लिकेट आधार वाले राशन कार्ड मिले हैं, उनका दोबारा भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। विभागीय सूत्रों के अनुसार दोबारा भौतिक सत्यापन में जिन लोगों के कार्ड डुप्लिकेट आधार वाले पाए जाएंगे, उनके कार्ड तत्काल निरस्त किए जाएंगे।

ई-केवाईसी के...

भी बंद हो गई है। इधर केवाईसी होने से राशन कार्ड में हुई गड़बड़ी एवं फर्जीवाड़ा के मामले भी सामने आए हैं। केवाइसी के माध्यम से कार्ड सदस्यों के किए गए भौतिक सत्यापन में प्रदेश में 86 हजार 2 सौ सदस्य ऐसे मिले हैं, जिनके आधार डुप्लिकेट पाए गए। यानी ये कार्ड सदस्यों ने जुगाड़ लगाकर डुप्लिकेट आधार बनवाकर प्राप्त किए थे।

ट्रंप का दावा...

रहे थे। ट्रंप ने कहा, भारत और पाकिस्तान एक-दूसरे से भिड़ रहे थे और स्थिति गंभीर होती जा रही थी। हमने व्यापार के जरिये इसका समाधान किया। हमने कहा 'आप लोग व्यापार समझौता करना चाहते हैं। अगर आप हथियार, शायद परमाणु हथियार से हमला करने वाले हैं तो हम व्यापार समझौता नहीं कर पाएंगे। दोनों ही बहुत शक्तिशाली परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं। उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन ने छह महीने में इतनी उपलब्धियां हासिल कर लीं, जितनी कोई भी अन्य प्रशासन आठ साल में भी हासिल नहीं कर सका।

नाइजर में आतंकी...

चिंताजनक सुरक्षा हालातों के बीच हमेशा सतर्क रहने की सलाह दी गई है। यह जानकारी मिशन ने अपनी एक एक्स पोस्ट के जरिए दी है। मिशन ने पोस्ट में बताया कि इस सप्ताह मंगलवार को आतंकी हमले की यह घटना हुई थी। जिसमें दो भारतीय नागरिक मारे गए और एक का अपहरण कर लिया गया है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मिशन ने अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। साथ ही ये दावा भी किया कि वह दोनों मृतकों के शवों को वापस लाने और आतंकियों द्वारा अपहरण किए गए एक भारतीय की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय प्राधिकारियों के संपर्क में है। नाइजर में रह रहे भारत के सभी नागरिकों को हरदम चौकन्ना रहने की सलाह भी मिशन द्वारा दी गई है।

जिहादी आतंकवाद से जूझता नाइजर-

नाइजर में वर्ष 2023 में सेना द्वारा किए गए तत्कालीन सरकार के तख्तापलट के बाद से सुरक्षा संकट चरम पर जा पहुंचा था। बीते समय में अफ्रीका का यह देश जिहादी आतंकवाद का भी शिकार रहा है। जिसका संबंध अलकायदा और इस्लामिक स्टेट जैसे वैश्विक आतंकी समूहों से है। इनके सशस्त्र संघर्ष की जगहों में जून का महीना सबसे ज्यादा रक्तपात वाला नजर आ रहा है। जिसमें आईएस के लड़ाकों ने तिलाबेरी और डोसो क्षेत्र में एक बड़ा अभियान चलाकर 100 से ज्यादा लोगों को मार दिया। यह उनके ग्रामीण इलाकों में किए गए नरसंहार के साथ अपना दबदबा बढ़ाने की कोशिशों को दर्शाता है।

फ्लिपकार्ट, इलास्ट्रिक रन...

बार ऑनलाइन साइट कंपनी तथा चाकू डिलीवर करने वाली कोरियर कंपनी के आधा दर्जन कर्मियों के खिलाफ व्यक्तिगत तथा दूसरों के जीवन को खतरे में डालने बीएनएस की धारा 125 (बी) तथ 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया है। एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार ऑनलाइन शॉपिंग साइट फ्लिक कार्ट तथा चाकू डिलीवर करने वाली इलास्ट्रिक रन कोरियर कंपनी के कर्मी गुलरेज अली, मोहित कुमार, अभिजीत गोस्वामी, दिनेश कुमार, हरिशंकर साहू तथा आलोक साहू को गिरफ्तार किया है। पेट्रोल पंप मैनेजर की हत्या के आरोप में पुलिस ने जिन दो बदमाश अभनपुर निवासी कुणाल तिवारी उर्फ लालू तथा समीर टंडन को गिरफ्तार किया है, पूछताछ में उन लोगों ने बताया कि उन लोगों ने फ्लिप कार्ट में ऑनलाइन आर्डर कर चाकू मंगवाया था। उसी चाकू से उन लोगों ने पेट्रोल पंप मैनेजर की हत्या की थी।

इसलिए की गई...

ऑनलाइन शॉपिंग साइट ने पुलिस के निर्देश का पालन नहीं करते हुए बदमाशों को चाकू उपलब्ध कराया, जिसकी वजह से एक व्यक्ति की जान चली गई। इस वजह से पुलिस ने ऑनलाइन शॉपिंग साइट के साथ चाकू डिलीवर करने वाली कोरियर कंपनी के कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनकी गिरफ्तारी की है।

चैतन्य की गिरफ्तारी...

में ईडी की कार्रवाई पर विस्तृत चर्चा की गई। सभी ने ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित तथा बदले की कार्रवाई बताया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जल, जंगल, जमीन की लूट की सहभागी बनी हुई है। सरकार के संरक्षण में अडानी प्रदेश के जंगलों को कटवा रहा है, उसका विरोध करने पर केंद्र सरकार ईडी की कार्रवाई करवाती है। कांग्रेस पार्टी पूरी एकजुटता से इसका विरोध करेगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रदेश के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों, जिलों, प्रमुख शहरों के मुख्य मार्गों में 22 जुलाई को दोपहर 12 से 2 बजे तक चक्का जाम कर अडानी के लूट के खिलाफ आर्थिक नाकेबंदी की जायेगी। बैठक में नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत, भूपेश बघेल, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव समेत सभी विधायक और संगठन के कई नेता शामिल हुए।

ध्यान भटकाने रेड-

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने राजीव भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर कहा, पेड़ कटाई को लेकर नेता प्रतिपक्ष की ओर से विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव लाया गया था। इससे ध्यान भटकाने के लिए सुबह छह बजे ईडी की रेड पड़ी। पिछली बार भी रेड मारी गई थी, लेकिन इस बार मैं विधानसभा पहुंचने में सफल रहा। आरोप लगाते हुए कहा, ये बीजेपी की सोची-समझी रणनीति है। चाहे देवेंद्र यादव हों, सतनामी समाज के नेता हों, उन्हें एक केस में फंसाया गया। आदिवासी की आवाज दबाने के लिये कवासी लखमा को जेल में डाला गया। मेरा बेटा जो राजनीति में भी नहीं है, उसे भी टारगेट किया जा रहा है।

कोई नोटिस नहीं मिला-

उन्होंने कहा, विधानसभा में मुझे जानकारी मिली कि मेरे बेटे को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। दस मार्च के बाद कल सीधे गिरफ्तारी कर ली गई, इस बीच कोई नोटिस नहीं दिया गया। ईडी की इस अवैधानिक कार्रवाई का सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध किया है। पेड़ कटाई का विरोध कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व ने किया। कांग्रेस के नेताओं पर चुन-चुन कर कार्रवाई कर रहे हैं। दूसरी तरफ बीजेपी अडानी को छत्तीसगढ़ सौंप देना चाहती है। कल विधानसभा में नारा लगा 'एक पेड़ मां के नाम, बाक़ी सब बाप के नाम'। ये किसी एक नहीं पूरे प्रदेश की लड़ाई है।

केदार का तंज, जनता का धन गांधी परिवार के लिए अधिग्रहित-

कांग्रेस की 22 जुलाई को प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी के ऐलान पर मंत्री केदार कश्यप ने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस ने तो प्रदेश का धन गांधी परिवार के लिए अधिग्रहित कर लिया था। पहले उस बात को स्पष्ट करें, तब आर्थिक नाकेबंदी की बात करें। जनता ने जो कांग्रेस को रास्ता दिखाया है, आने वाले समय में उससे बदतर रास्ता दिखाएगी। ईडी की कार्रवाई को लेकर कहा, पहले भी इसकी जांच चल रही थी। बहुत से लोग संदेह के घेरे में हैं।

साय ने कहा-...

से चर्चा में कहा, ईडी केंद्रीय एजेंसी है, देश की प्रतिष्ठित संस्था है। ईडी ने सोच समझकर ही कोई कार्रवाई की है। कांग्रेस के लोग जो करना है, उसके लिए स्वतंत्र हैं।

भाजपा का टिकट...

घर में भी जब बैठकें होती थीं तब मैं एक कोना पकड़कर बैठती थी। अच्छा लगता था सुनने में की आज रैली होने वाली है। मैं अपने स्कूल-कॉलेजों के बैग में राजनीति वाले स्टीगर भी लगती थी।छात्र राजनीति के बाद जिला पंचायत सदस्य और आज एक विधायक के रूप में भी मुझे सबका साथ और सहयोग मिला है।

शादी के बाद कैसे ससुराल वालों ने राजनीति की अनुमति दे दी?

मैं किस्मत वाली हूं कि मुझे ऐसा ससुराल और पति मिले जिनका हमेशा से सहयोग रहा है। मेरे पति को भी यह मालूम था कि मेरी इच्छा बेमेतरा में एक अच्छा स्कूल खोलने और राजनीति में जाने की है, उन्होंने इसके लिए मना नहीं किया और हमेशा सहयोग ही किया है। मेरे माता-पिता का भी सहयोग मिला। राजनीति की शुरुआत आप शादी के बाद भी कर सकते हैं। ऐसा नहीं है कि आपकी शादी हो गई तो राजनीति का अध्याय समाप्त हो गया।

सेवा भावना तो ठीक है, लेकिन इतनी दूरी पंडरिया कैसे पहुंच गई?

एक तो पंडरिया विधानसभा में मेरे पति का गांव भी है। ऐसे स्थान का चयन करना जहां कोई चुनौती हो, ऐसा स्थान मुझे पंडरिया लगा। पंडरिया जो आगे आ सकता था, लेकिन आ नहीं सका था, वो मुझे दिखा, इसलिए उसको आगे लाने की भावना भी रही, इसलिए पंडरिया का चयन किया। आने वाले समय में कोशिश रहेगी, पंडरिया विधानसभा भी उत्कृष्ट विधानसभा हो जाए।

भाजपा को चुनने का कारण क्या रहा, कांग्रेस को क्यों नहीं चुना?

मेरी जो विचारधारा है वह कहीं भी कांग्रेस से मेल नहीं खाती है। मेरी विचारधारा वाली पार्टी भाजपा लगी तो भाजपा में आ गई। कांग्रेस यह दुहाई आखिर कब तक देगी कि उसने आजादी की लड़ाई लड़ी। और भी कई चेहरे रहे हैं जिन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ी। डा. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ को संभाला, एक विकास पुरुष के रूप में काम किया, उसका उदाहरण छत्तीसगढ़ के बाहर भी दिया जाता है।मेरी आइकॉन सुषमा स्वराज रही हैं। मुझे भले उनको सामने से सुनने और देखने अवसर नहीं मिला है।

आपको पंडरिया से लड़ाया गया और आप आज उत्कृष्ट विधायक बनी हैं, किसमें ज्यादा चौंकी आप?

वैसे भाजपा चौंकाने वाले फैसले करती है, इसको चौंकाने वाला फैसला कहा जा सकता है। लेकिन विधानसभा चुनाव के समय मेरा एक ही काम था कि जितने भी सर्वे हो, उसमें मेरा काम नजर आए। ऐसा हुआ भी। जहां तक उत्कृष्ट विधायक बनने का सवाल है तो वास्तव में यह चौंकाने वाला है। विधानसभा में जब मेरा नाम आया ता मैंने अपने साथी विधायक से जरूर पूछा क्या मेरा ही नाम आया क्या। ये जरूर चौंकाने वाला था।

कवर्धा जिले के दो विधायक एक उप मुख्यमंत्री और एक आप उत्कृष्ट विधायक पर रह गई, कितना खलता है?

खलने वाली बात नहीं है, खुशी है। डॉ. रमन सिंह भी कवर्धा जिले से आते हैं, उन्होंने भी अच्छा काम किया। जहां तक सवाल है उप मुख्यमंत्री का तो खुशी है कि कवर्धा जिले को प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है।

आप जब सवाल लगाती है तो दुविधा हो जाती है, आप सत्ता पक्ष में या फिर विपक्ष में हैं?

हमारी जनता और क्षेत्र के प्रति जो जवाबदारी है, उससे जुड़े सवाल ही लगाए जाते हैं।

पांच साल विपक्ष में रहीं, डेढ़ साल से सत्ता पक्ष में हैं, इसके अंतर पर क्या कहना चाहेंगी?

मुझे लगता है विपक्ष की भूमिका ज्यादा आसान होती है। विपक्ष में आपके पास यह रहता है आपको आंदोलन करना है, विषय है आपको जनता के सामने लाना है। जब आप सत्ता में रहते हैं तो कहीं न कहीं आपकी जिम्मेदारी आपकी सरकार और आपकी जनता के प्रति भी है।

आपके संदर्भ में एक खबर यह भी आ रही है कि आप अमरकंटक से कावड़ यात्रा करने वाली हैं?

अक्सर कावड़ यात्रियों को देखकर मुझे लगता था कि ऐसी तपस्या हम क्यों नहीं कर सकती हैं। मैंने तब पूछा था, तब बताया कि महिलाएं ऐसी यात्रा आमतौर पर नहीं करती हैं, तब से मेरे मन में था कि मैं ऐसी यात्रा करूं। परिवार के साथ इस विषय में बात की तो सभी ने कहा, हम साथ हैं, इसके बाद से सबका समर्थन मिल रहा है और लोग कावड़ यात्रा से जुड़ने की बात कर रहे हैं।

यात्रा की योजना क्या है?

अमरकंटक से यात्रा की शुरुआत करने वाले हैं, सोमवार से, यात्रा छह दिनों की रहेगी। 15 से 20 किलोमीटर पर एक पड़ाव रहेगा। करीब 150 किलो की यात्रा रहेगी। कितने कावड़िया रहेंगे, यह तो वहां जाने पर ही मालूम होगा। नर्मदा माता से भोरमदेव मंदिर तक पहुंच जाए यही कामना है।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भूमि वाके मौजा बिरकोना मन. 01, प.ह.न. 47, रा.नि.म. कोनी, विकासखण्ड बिल्हा, तहसील एवं जिला बिलासपुर (छ.ग.) में स्थित है जिसका खसरा नंबर 33 रकबा 23.1 एकड, खसरा नं. 39 रकबा 2450 एकड़, बिरकोना मन. 03 जिसका खसरा नं. 6 रकवा 26.45 एकड़ है) जो कि श्रीमती देवमेति सिंह ठाकुर उम्र 73 वर्ष, प्रति श्री राम सिंह ठाकुर निवासी वॉर्ड नं. 07 एवं संतोष सिंह मीना बाई, लता सिंह, कन्या कुमारी के नाम पर दर्ज है। जिसे श्री विनय दुबे निवासी कतियापारा, बिलासपुर विवेक कुमार गुप्ता पिता राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता निवासी मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.) उक्त भूमि क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है जिसकी अग्रिम बयाना राशि दी जा चुकी है। जिसका निकट भविष्य में रजिस्ट्री होता तय है।

अतः उक्त भूमि के सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय, अर्धशासकीय व निकाय को आपत्ति हो तो 7 दिवस के भीतर मय दस्तावेज लेकर प्रस्तुत करें।

भवदीय- विनय दुबे
7225990990

आम सूचना

आम जनता सर्व को सूचित किया जाता है कि ग्राम बिनौरी प.ह.नं. 46 रा.नि.मं. व तहसील सकरी जिला बिलासपुर (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नं. 11/1 घ एवं खसरा नं. 11/1 ख,है उपरोक्त खसरे नंबर की भूमि का विवाद माननीय न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी रा. तखतपुर के रा.प्र.क्र.202408075200 033/ अ - 23-अ दिलीप कुमार ध्रुव + 3 अन्य विरूद्ध सतपाल छाबड़ा + 2 अन्य लंबित है।

अतः कोई भी पक्षकार उपरोक्त खसरे नंबर की भूमि का क्रय विक्रय संबंधी सौदा या इकरार न करें अन्यथा इकरारकर्ता स्वयं जिम्मेदार रहेंगे।

सो सूचना जाने।

हिरेन्द्र कश्यप
अधिवक्ता, तखतपुर
मोबा. नं. 9893935411

समक्ष :- श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी बिलासपुर छ.ग.

शपथपत्र
(नाम परिवर्तन)

मैं स्वाति कुमारी, उम्र 18 वर्ष 8 माह, पिता श्री सुचित कुमार, निवासी मुर्राभाटा रोड सोनकर चौक हेमुनगर तहसील व जिला-बिलासपुर छ.ग. का निवासी हूँ, तथा नीचे लिखे अनुसार शपथ करती हूँ कि-

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्त अनुसार है।
2. यह कि मेरा नाम शैक्षणिक प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र में स्वाति कुमारी (SWATI KUMARI) पिता सुचित कुमार (SUCHIT KUMAR) दर्ज है जो सत्य व सहीं है लेकिन मेरा आधार कार्ड में त्रुटिवश ब्यूटी कुमारी (BEAUTY KUMARI) अंकित हो गया है।
3. यह कि मैं उक्त दोनों नाम का एक ही व्यक्ति हूँ। व केवल आधार कार्ड में त्रुटिवश स्वाति कुमारी की जगह ब्युटी कुमारी दर्ज हो गया है, जिसे सुधार कर मेरा नाम स्वाति कुमारी, पिता सुचित कुमार दर्ज करवाना चाहती हूँ।
4. यह कि मेरा नाम आज दिनांक से स्वाति कुमारी, पिता सुचित कुमार के नाम से जाना व पहचाना व पुकारा जावे।
5. यह कि यह शपथ नाम परिवर्तन के समर्थन में माननीय श्रीमान के समक्ष प्रस्तुत है।

स्वाति कुमारी
शपथकर्ता

सत्यापन

मैं शपथकर्ता यह सत्यापित करती हूँ कि उपरोक्त शपथपत्र की कंडिका क्र 01 से लगायत 05 वर्णित सभी तथ्य सही एवं सत्य है जिसे मैं आज दिनांक को अपने स्वयं के हस्ताक्षर कर स्थान बिलासपुर में सत्यापित कर दिया हूँ।
दिनांक 18/06/2025

स्वाति कुमारी
सत्यापनकर्ता

समक्ष नोटरी सिविल
जिला बिलासपुर (छ.ग.)
शपथ पत्र

मैं श्रीमती सुरैय्या विरानी आयु 24 वर्ष पति श्री अनीश असगर वीरानी जाति सामान्य निवासी बिलासपुर तहसील बिलासपुर जिला बिलासपुर (छत्तीसगढ़) की हूँ जो कि नीचे लिखे हलफन बयान करती हूँ:-

1. यह कि मेरा विवाह 11/01/1998 में श्री अनीश असगर विरानी पिता श्री शकूर हबीब विरानी निवासी बिलासपुर वाले के साथ सम्पन्न हुआ है।
2. यह कि मेरी समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों पर शादी के पूर्व कुमारी सुरैय्या रैय्यानी पिता श्री नुरूद्दीन रैय्यानी के नाम से जानी जाती थी।
3. यह कि मेरी शादी हो चुकी है अतः मुझे कुमारी के स्थान पर श्रीमती एवं पिता के स्थान पर पति तथा उपनाम सुरैय्या रैय्यानी के स्थान पर सुरैय्या विरानी माना जावे।

अतः यह शपथ पत्र कुमारी सुरैय्या रैय्यानी पिता श्री नुरूद्दीन रैय्यानी श्रीमती सुरैय्या विरानी पति श्री अनीश असगर विरानी के नाम से जाना व पहचाना जावे इस बाबत प्रेषित कर रही हूं।

सुरैय्या विरानी
शपथकर्ता

सत्यापन

मैं श्रीमती सुरैय्या विरानी शपथपूर्वक सत्यापन सत्यापित करती हूं कि ऊपर लिखे समस्त बातें मेरी स्वतः की जानकारी से सही व सत्य है सत्यापित की आज दिनांक 12/07/2025 को नगर बिलासपुर में।

सुरैय्या विरानी
शपथकर्ता

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार की ओर से अधिकृत होकर एवं उनसे प्राप्त निर्देशानुसार यह आम सूचना प्रकाशित करता हूँ कि मेरे पक्षकार के द्वारा मौजा कोनी प.ह.नं. 23, रा.नि.मं. कोनी तहसील व जिला बिलासपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 350/1 कुल रकबा 0.1940 हेक्टेयर जो कि के.पी.एस. स्कूल के पास स्थित है, को क्रय करने का पक्का सौदा रेखाबाई, रमेश, कपिल, भुवनेश्वर, दुवासाबाई, रामअवतार, नर्मदा, फुलेश कुमार, नरबदिया, बिसमत बाई, लक्ष्मण, लक्ष्मी प्रसाद, लक्ष्मीन बाई, बुंदेलाबाई के द्वारा नियुक्त किये गये मुख्तियार आम सोमराज धृतलहरे से किया जाकर मेरे पक्षकार के द्वारा विक्रेतागण को बयाना राशि भी प्रदान की जा चुकी है। मेरे पक्षकार के द्वारा उपरोक्त अनुबंधित भूमि की शेष प्रतिफल राशि प्रदत्त कर निकट भविष्य में पंजीकृत विक्रय पत्र तहरीर कराया जाना है।

अतः इस आम सूचना के जरिये सर्वसाधारण वित्तीय संस्था, बैंक, एवं अन्य को सूचित किया जाता है कि यदि उन्हें उपरोक्त संव्यवहार से किसी भी प्रकार की आपत्ति, दावा अथवा उजर हो तो वे समस्त आपत्ति एवं दावे को लिखित रूप से कार्यालयीन अवधि में मुझे सात दिवस के मध्य प्रस्तुत कर सकते हैं। म्याद अवधि के बाहर की जाने वाली कोई भी आपत्ति या दावा न तो मान्य होगी और न ही मेरे पक्षकार पर बंधनकारी होगी।

अतः सूचना जाने।
दिनांक : 19/07/2025

भवदीय
गौरव मिश्रा अधिवक्ता
जिला न्यायालय बिलासपुर (छ.ग.)
मो.नं. 9425216557

आम सूचना का खंडन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार केशव पाण्डेय एवं अन्य सहस्वामीगण - के संज्ञान में एक ''आम सूचना'' आई है, जो दिनांक 15/07/2025 को समाचार पत्र ''पत्रिका'' तथा दिनांक 16/07/25 को ''हरिभूमि'' में प्रकाशित हुई थी। उक्त सूचना में अमरज्योति सिंह एवं आशीष मिश्रा द्वारा मौजा कोनी स्थित विभिन्न खसरा नंबरों की भूमि पर दो अलग-अलग अनुबंधों का दावा किया गया है।

मेरे पक्षकार स्पष्ट रूप से इन दोनों तथाकथित अनुबंधों का खंडन करते हैं। न तो किसी प्रकार का अनुबंध उपरोक्त व्यक्तियों से किया गया है, न ही कोई अग्रिम राशि ली गई है। अमरज्योति सिंह एवं आशीष मिश्रा से न तो कोई संपर्क हुआ है और न ही मेरे पक्षकार उन्हें जानते हैं।

उक्त ''आम सूचना'' पूर्णतः असत्य, तथ्यहीन और कपटपूर्ण है। इसका कोई विधिक या दस्तावेजी आधार नहीं है। अतः कोई भी व्यक्ति/संस्था यदि उपरोक्त व्यक्तियों से उक्त भूमि के संबंध में, उक्त दो अनुबंधों के आधार पर किसी प्रकार का संव्यवहार करता है, तो वह स्वयं समस्त विधिक, न्यायिक एवं आर्थिक परिणामों के लिए पूर्णतः उत्तरदायी होगा।

प्रकाशक :
राहुल यादव, अधिवक्ता
विकास नगर, बिलासपुर (छ.ग.)
मो 9098118114, 7829355555
(पक्षकारों-केशव पाण्डेय एवं अन्य की ओर से)

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आशाराम साहू पिता श्री संतराम साहू निवासी चाँटीडीह तहसील व जिला बिलासपुर पर नाम से ग्राम बिरकोना प.ह.नं.47, रा.नि.मं. व तहसील व जिला बिलासपुर में खसरा क्रमांक 1439/11 रकबा 1142 वर्गफुट पर भूमि स्थित है, जिसे मेरे पक्षकार श्री महेन्द्र कुमार सतपथी पिता श्री ध्रुवाचरण निवासी सरकण्डा तहसील व जिला बिलासपुर द्वारा क्रय करने का पक्का सौदा करते हुए अग्रिम राशि बयाना बतौर प्रदान करते हुए अनुबंध पत्र निष्पादित करवाये हैं। यदि उक्त संव्यवहार से किसी भी व्यक्ति, संस्था व अन्य जो उक्त भूमि पर अपना हित रखता हो, को यदि किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति होगी, तब मय दस्तावेज के साथ सूचना प्रकाशन के 05 दिवस के अंदर मेरे नीचे लिखे पते पर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि समाप्त होने के पश्चात की गई आपत्ति पर कोई विचार नहीं की जावेगी, तथा मेरे पक्षकार उक्त भूमि के पंजीयन कराने हेतु स्वतंत्र होंगे। अस्तु सूचना जानें।

राममनोहर दुबे
अधिवक्ता/नोटरी
स्टेट बैंक के पास, नया सरकंडा
बिलासपुर (छ.ग.)
मो.नं. 9827173623
मो.नं. 8370038836

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी
लोरमी, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

रा.प्र.क्र................../24-25
स्थान कोसमतरा
प.ह.नं. 42

एतद् द्वारा ग्राम कोसमतरा के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका मनी राम पिता/पति नारायण जाति कुर्मी ग्राम कोसमतरा जिला मुंगेली (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि अपने स्वयं के पिता/पति/माता/पिता/पुत्र/पुत्री/भाई धनि राम के दिनांक 25.03.2009 के जन्म/मृत्यु होने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह दिनांक 24/07/2025 तक अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार या सुनवाई नही किया जावेगा।

आज दिनांक 09/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

कार्यपालिका दण्डाधिकारी
लोरमी, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

सीएम ने एस्पायर फार्मास्यूटिकल्स की नवनिर्मित इकाई का किया भव्य शुभारंभ

साय ने कहा- नई औद्योगिक नीति से विकास और रोजगार सृजन कर रही सरकार

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, कोविड के कठिन दौर में दवाइयों की किल्लत को देखते हुए इस इकाई के निर्माण का सपना देखा गया था और आज वह साकार हुआ है। जब पूरी दुनिया कोविड के संकट से जूझ रही थी, तब भारत ने स्वदेशी वैक्सीन विकसित कर एक मिसाल कायम की। फार्मास्यूटिकल्स की इकाई का शुभारंभ प्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को नवा रायपुर स्थित एस्पायर फार्मास्यूटिकल्स की नवनिर्मित इकाई का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रबंधन को शुभकामनाएं दीं और उत्पादन इकाई का भ्रमण कर दवा निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति निवेशकों को आकर्षित कर रही है और पिछले सात-आठ महीनों में 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से कई परियोजनाओं पर कार्य आरंभ हो चुका है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार औद्योगिक इकाइयों के माध्यम से अधिक से अधिक रोजगार सृजन का कार्य कर रही है और ऐसी इकाइयों को विशेष प्रोत्साहन भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर एस्पायर फार्मास्यूटिकल्स का भ्रमण कर उन्नत तकनीकों की सराहना की। उन्होंने कहा, यह इकाई पूरी तरह ऑटोमेटेड है, जहाँ टैबलेट, सिरप, ऑइंटमेंट और क्रीम जैसे विभिन्न प्रकार की दवाइयों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस इकाई के विस्तार से बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा।

फार्मास्यूटिकल इकाई का शुभारंभ प्रदेश के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण कदम

एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक शुरुआत- रमन

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, प्रदेश के फार्मास्यूटिकल सेक्टर में यह एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक शुरुआत है। उन्होंने कहा, भारत ने इस क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई है और कोविड काल के दौरान पूरी दुनिया को यह एहसास हुआ कि दवाइयों और चिकित्सा संसाधनों का क्या महत्व है। उन्होंने कहा, अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों ने भी उस दौर में भारत की फार्मा क्षमता पर विश्वास जताया। हाल ही में विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विजन डॉक्यूमेंट जारी किया गया है, जो आने वाले वर्षों में प्रदेश को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। उन्होंने कहा, प्रदेश के औद्योगिक विकास में नवा रायपुर की केंद्रीय भूमिका है। यह क्षेत्र न केवल औद्योगिक निवेश के लिए उपयुक्त है, बल्कि सभी प्रमुख मार्गों से जुड़ाव के कारण लॉजिस्टिक्स की दृष्टि से भी अत्यंत सुविधाजनक है।

खुली छत पर मोबाइल पर बात कर रहे मजदूर पर गिरी बिजली

रायपुर। मौसम बिगड़ने और बादल गरजने के दौरान सावधानी नहीं बरतना जानलेवा साबित हो सकता है। शनिवार को दोपहर बिगड़े मौसम के बाद गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर मजदूर की मौत हो गई। बादल की गर्जना के दौरान मजदूर भावना नगर के निर्माणाधीन मकान की छत पर मोबाइल पर बात कर रहा था। विशेषज्ञों की मानें, तो बिगड़े मौसम में इलेक्ट्रानिक सामान से दूर रहना समझदारी होती है।

भारी उमस के बीच शनिवार को राजधानी का मौसम बदला। पहले तो शहर में खंड वर्षा हुई, फिर छाए बादल जमकर गरजने लगे। इस दौरान जोरों की गर्जना के साथ राजधानी के भावना नगर खम्हारडीह के एक निर्माणाधीन मकान में बिजली गिरी और वहां का काम करने वाला मजदूर आकाशीय बिजली की चपेट में आकर जान गंवा बैठा। जानकारी के अनुसार मूलतः गोरखपुर यूपी का रहने वाला 18 साल का सन्नी बरसैनी उस मकान में मजदूरी करता था। बताया जाता है कि मौसम बिगड़ने के दौरान वह दूसरी मंजिल की छत खड़ा होकर अपने रिश्तेदारों से बात कर रहा था। इसी दौरान बिजली गिरी और वह उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। इससे पहले उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया जाता, उसकी मौत हो गई।

विशेषज्ञों के मुताबिक मेघ गर्जन वाली स्थिति के दौरान सन्नी का चालू मोबाइल इलेक्ट्रोमैग्नेटिव का कारक बन गया होगा, जिससे बिजली उसके आसपास गिरी होगी। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस मौसम में मौसम के उद्वेलित होने की संभावना काफी होती है और वज्रपात होने की संभावना भी बनी रहती है। इसीलिए मौसम बिगड़ने के दौरान सावधानी बरतते हुए इलेक्ट्रानिक उपकरणों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

घर्षण से बनती है स्थिति

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार वज्रपात होने की वजह बादलों और धरती के बीच अथवा बादलों के भीतर आपसी घर्षण होता है। आंधी-तूफान के दौरान बादल के विभिन्न हिस्सों में आवेश जमा हो जाते हैं।

पुरानी पेंशन योजना लागू कराने पेंशनर्स करेंगे आंदोलन

रायपुर। अब केंद्र व राज्य सरकार ने तीन प्रकार की पेंशन, पुरानी पेंशन, एनपीएस व यूपीएस लागू की है। राज्य में भूपेश बघेल सरकार पुरानी पेंशन योजना 1 अप्रेल 22 से लागू कर चुकी है, इसके बाद भी विकल्प मांगा जा रहा है। कर्मचारी नेता विजय कुमार झा ने कहा है कि भारतीय संसद में वित्त अधिनियम 2025 को 30 मई 25 की तिथि को सदन में स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

भूल सुधार

हरिभूमि बिलासपुर दिनांक 19 जुलाई 2025 के पृष्ठ क्र.4 में संवाद क्र. 44598 कृषि उपज मंडी समिति पेण्ड्रा, जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग.) के विज्ञापन में क्र. 2 में भूलवश भृत्य/चौकीदार (वेतन लेबल (1) वेतनमान 15600-49400 सीधी भर्ती के कालम अनुसूचित जनजाति मुक्त-0, महिला-01 प्रकाशित हुआ है, जिसे कृपया सुधारकर क्र. 2 में भृत्य/चौकीदार (वेतन लेबल (1) वेतनमान 15600-49400 सीधी भर्ती के कॉलम अनुसूचित जनजाति-मुक्त-01, महिला-0 पढ़ा जावे।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. निर्माण/2025 दिनांक 14.07.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत कोरबा जोन अंतर्गत 15 नग नवीन आंगनबाड़ी भवन का निर्माण कार्य जिला खनिज न्यास मद) (प्रथम निविदा)	195.00	06.08.2025 (T.No. 172055)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

अधीक्षण अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

एंबुलेंस सुविधा की होगी रियल टाइम ट्रैकिंग, गोल्डन ऑवर पर गंभीर मरीजों को मिलेगा तत्काल उपचार

रायपुर। आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाने की जिम्मेदारी उठाने वाले एंबुलेंस अब रियल टाइम ट्रैकिंग की निगरानी में रहेंगे। इससे गंभीर मरीजों को गोल्डन ऑवर में उपचार की सुविधा प्राप्त होगी। कलेक्टर डा. गौरव सिंह एंबुलेंस टाइम ट्रैकिंग की योजना की शुरुआत राजधानी से की जाएगी। इस योजना का उद्धेश्य मरीजों को इलाज के लिए सही समय पर अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाना है।

इमरजेंसी की 'गोल्डन ऑवर' अवधारणा को प्रभावी बनाने के लिए मरीजों को अस्पताल पहुंचाने वाली 108 संजीवनी एक्सप्रेस और गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए हास्पिटल ले जाने वाली 102 महतारी एक्सप्रेस की रियल टाइम ट्रैकिंग होगी। योजना के मुताबिक मरीजों को स्थिति के बारे में अस्पतालों को पहले से जानकारी दी जाएगी, ताकि उसके आवश्यक इलाज की तैयारी वहां पूर्व से की जा सके। सूत्रों के अनुसार स्वास्थ्य विभाग की पहल पर इस योजना की शुरुआत राजधानी समेत रायपुर जिले से की जा रही है। बाद में इसकी सफलता के आधार पर इस पूरे प्रदेश में लागू करने पर विचार किया जाएगा। कलेक्टर रायपुर गौरव कुमार सिंह का कहना है कि इस प्रणाली से गंभीर मरीजों को 'गोल्डन ऑवर' में सही इलाज मिल पाएगा और जान बचाने की संभावना बढ़ेगी। इस योजना के तहत राजधानी के आंबेडकर अस्पताल, डीके हास्पिटल, जिला अस्पताल सहित अन्य सरकारी अस्पतालों को इमरजेंसी मैनेजमेंट की ट्रेनिंग दी जाएगी। चार दिवसीय इस कार्यशाला में शहर के दर्जनभर सरकारी डाक्टरों को विशेषज्ञ लाइफ सपोर्ट, एयरवे मैनेजमेंट, कार्डियक अरेस्ट, ट्रॉमा, बर्न और स्नेक बाइट जैसी आपात स्थितियों में इलाज के तौर-तरीकों के बारे में बताएंगे।

जिला प्रशासन एवं रेड क्रॉस सोसाइटी जिला रायपुर द्वारा, प्रोजेक्ट सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (पीएसओ) को प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया। 4थी वाहिनी छसबल शहीद स्मारक के पास माना में रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा के मास्टर ट्रेनर डॉक्टर देवेश रायचा द्वारा दिया गया। उन्हें आपात स्थिति में प्राथमिक उपचार की जानकारी दी गई।

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुटमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
असली **केंदवा मलहम**
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com

Classified

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- बिलासपुर में एक मार्केटिंग मैनेजर एवं दो फील्ड स्टाफ की आवश्यकता है जो डोर टू डोर पाम्पलेटिंग एवं वर्कर डाटा कलेक्शन कर सके। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 9109511248, 9244664654 (38275)

आवश्यकता है- अमेया वेन्चर्स में निर्माण कार्य कराने हेतु 5वर्ष अनुभवी साइट सुपरवाइजर की आवश्यकता है अनुभवी की योग्यता अनुसार प्राथमिकता बायोडाटा सहित सम्पर्क करे- नेशनल मेडिकोज बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7987972716 (38278)

आवश्यकता है- पेमेन्ट रिकवरी, फील्ड वर्क, ऑफिस कम्प्यूटर ऑपरेटर बिजी, GST एकाउंट कोटेशन के अनुभवी लड़के/ लड़की, रिकवरी पेमेन्ट वसूली हेतु लड़के की। सम्पर्क करें- गोड़पारा गुरुद्वारा के बाजू बिलासपुर 9669211111, 9827175811 (38277)

आवश्यकता है- घर की सफाई हेतु महिला/ पुरुष एवं ड्राइवर चाहिए (सुबह 9 से शाम 5बजे) वेतन 250 रोजी, शादीशुदा जोड़े को आवास। पता- रामा वर्ल्ड, सिरगिट्टी मोड़ रायपुर रोड बिलासपुर 9340600776 (38281)

आवश्यकता है- कार एवं टाटा एस चलाने के लिए अनुभवी ड्राइवर तथा वर्कशाप में कार्य हेतु हेल्पर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- चन्द्र टीवीएस, महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 90391 67202 (38257)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में बिलासपुर नैला, कोरबा, मुंगेली, रायगढ़ एरिया के लिये तीन अनुभवी टूरिंग सेल्समैन चाहिये सम्पर्क करें- प्रीमीयर एजेन्सीज मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (38276)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर आपरेटर, ऑफिस कार्य, इलेक्ट्रीशियन, गार्ड, कटर, फिटर, सुपरवाइजर, वेल्डर, चपरासी, स्टोर कीपर, पावर प्लांट हेतु। न्यूनतम योग्यता 5वीं वेतन 10000 से 30000 मेडिकल, रहना फ्री सम्पर्क सीपत बिलासपुर 77729 50319 (38273)

आवश्यकता है- कोरियर आफिस में कम्प्यूटर जानकार लड़की चाहिए वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा सहित आफिस आकर सम्पर्क करें- डीटीडीसी कोरियर, कृष्णा नेत्रालय के सामने, सीएमडी कालेज के पास, लिंक रोड बिलासपुर 9340092315 (38261)

वश्यकता है- श्रीराम मन्दिर तिलक नगर में (1) टैली में कार्य करने हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर (महिला/ पुरुष) (2) कार्यालय सहायक (3) मन्दिर परिसर में नियमित सफाई हेतु सफाईकर्मी चाहिए। कार्य समय सुबह 8 से 12, शाम 5 से 8.30 सम्पर्क करें- दिनांक 22/07/2025 समय शाम 4 से 7बजे तक मन्दिर कार्यालय में (38267)

आवश्यकता है- होलसेल बैग दुकान में काम करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। मिलने का समय 12pm to 7pm आर.के. बैग हाउस सरजू बगीचा रोड, तेलीपारा, बिलासपुर 97136 15767 (38246)

Requirment- Qualified experience B.Ed Male/ Female Teachers Sub. Maths & SST Interview date 21/07/25 Time 8am to 12pm. Contact- Ananda marga high school, Dev Nagar Koni road, behind Bilasa Tal, Bilaspur 8770257102 (38245)

आवश्यकता है-बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर, रायगढ़ अंबिकापुर, मनेन्द्रगढ़ जिलों में सुरक्षागार्ड, सुपरवाईजर गनमैन की आवश्यकता है। PF, ESI, मेडिकल, आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धी विनायक सिक्यूरिटी राजेन्द्र नगर बिलासपुर 9111175190 9098318675 (38141)

आवश्यकता है- फैंसी ड्रेस दुकान में कार्य हेतु सेल्समैन-2, टेलर-1, कम्प्यूटर ऑपरेटर-1 लड़के, लड़कियां चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता। पता- श्री फैंसी ड्रेसेस, DA/4 चंदेला विहार, महाराणा प्रताप चौक के पास बिलासपुर 9826903666 (38264)

आवश्यकता है- स्पोर्ट्स शोरूम में काम करने हेतु लड़के की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री लक्ष्मी स्पोर्ट्स गोंड़पारा बिलासपुर (38263)

आवश्यकता है- अनुभवी PRO (Public Relations Officer फील्ड वर्क अनुभवी व्यक्ति) एवं OT And X-Ray टेक्नीशियन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक रतनपुर रोड लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 7470946314 (38254)

आवश्यकता है- एक अग्रणी वित्तीय कंपनी में पार्टटाइम/ फुलटाईम कर्मचारियों की आवश्यकता है प्रायवेट सर्विस, छात्र, गृहणी, फिल्ड जॉब करने वाले। स्थान सीमित तत्काल संपर्क करें 7389486395 (38262)

आवश्यकता है- तिफरा इंडस्ट्रियल एरिया में फैक्ट्री कार्य हेतु लड़कों एवं ऑफिस कार्य हेतु महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर की (विवाहित को प्राथमिकता) आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्री शारदा इंडस्ट्रीज तिफरा बिलासपुर बिलासपुर 9755107990 (38249)

आवश्यकता है- रेडीमेड शोरूम में 3वर्ष अनुभवी युवक/ युवती कम्प्यूटर आपरेटर चाहिए (बीजी साफ्टवेयर का ज्ञान हो) युवती शादीशुदा हो। वेतन 12000 से अधिक सम्पर्क करें- नेशनल होजयरी NX सदर बाजार बिलासपुर (38248)

आवश्यकता है- रियल स्टेट कम्पनी में कार्य करने हेतु युवक, युवतियों, गृहणियों की तत्काल आवश्यकता है फ्रेशर व अनुभवी को प्राथमिकता। शानदार इंसेंटिव सम्पर्क करें- 7987374690, 93026 52734 (38247)

आवश्यकता है- CCTV कैमरा लगाने हेतु अनुभवी युवक की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- Rays इलेक्ट्रिकल, होटल अजीत के नीचे, मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 9752760266 (38256)

आवश्यकता है-(1) आफिस वर्क, हिन्दी टायपिंग फाइलिंग वर्क हेतु अनुभवी (2) अनुभवी मेहनती साइट मैनेजर (3) घरेलू काम+ महिला की देखभाल हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8078280001, 62672 49741 (38177)

आवश्यकता है- बिलासपुर में गर्ल्स हॉस्टल के लिए 24 घंटे ड्यूटी करने हेतु महिला वार्डन एवं 24 घंटे हॉस्टल देखरेख रखरखाव के लिए पति पत्नी (जोड़े) की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 72920 66850 (38251)

आवश्यकता है- इंस्टाग्राम, सोशल मीडिया हेतु फूड प्रोडक्ट्स के मार्केटिंग कैम्पन, प्रोमोशनल वीडियो एडिटिंग, अपलोडिंग, रील्स, शॉर्ट फॉर्म वीडियो कंटेंट बनाने हेतु क्रिएटिव सोच, समझ वाली मोबाइल ऑपरेटर युवती चाहिए सैलरी 15000 से 20000 सम्पर्क करें- 7587258374 (38258)

आवश्यकता है- मेस में नाश्ता बनाने के लिए कुक और काम करने के लिए एक महिला कर्मचारी की आवश्यकता है मंगला बिलासपुर में। सम्पर्क करे 9755655055 (38255)

आवश्यकता है-टेलीकॉलिंग और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट हेतु अनुभवी, अंग्रेजी बोलने वाले कर्मचारी की आवश्यकता है कम्प्यूटर वर्क, फुल टाइम। सैलरी 10000 से शुरू सम्पर्क करें- अस्तित्व प्रकाशन कोनी बिलासपुर 7898160321, 6268361597 (38238)

आवश्यकता है- हिन्दी मीडियम के स्कूल हेतु 8वीं तक पढ़ाने विवाहित संस्कारी टीचर चाहिये एक आयामदर। कुक (सादा भोजन) एक श्रमजीवी मजदूर की आवश्यकता है मानदेय/निवास/ अन्य सुविधाये पात्रतानुसार। सम्पर्क करें- सुबह 8 से 10 तक गौकर्ण हायर सेकेण्डरी स्कूल धुसेरा सेजबहार रायपुर 99776 04440 (1710)

आवश्यकता है- लड़के 18-22 वर्ष साथ में रहकर घर कार्य, कपड़े प्रेस के जानकार को प्राथमिकता इच्छुक व्यक्ति बायोडाटा, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- राव लॉन्ड्री, 3/85, चंदन आवास राज किशोर नगर आने से पहले कॉल करें 09238286967 (38230)

आवश्यकता है- चाय पत्ती की फैक्ट्री में काम करने के लिए लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क करें- जैन ट्रेडर्स नियर एसबीआई एटीएम आकृति विहार अमलीडीह रायपुर 7469980000, 0771 4075490 (6826)

आवश्यकता है- चाय पत्ती की फैक्ट्री में 12वीं पास लड़कों की जो सेल्समैन का काम कर सके आवश्यकता है। संपर्क करें - जैन ट्रेडर्स नियर एसबीआई एटीएम आकृति बिहार अमलीडीह रायपुर मो 7469980000, 0771-4075490 (6825)

आवश्यकता है-औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षागार्ड वेतन 14000 सुपरवाइजर वेतन 16000 फील्ड ऑफिसर वेतन 15000 आवास फ्री PF+ ESIC सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक, सिलतरा रायपुर, छ.ग. 77470 00019, 7746000016, 7747000016, 77460 00019 (074)

Required- Sales Manager IT-2 Qualification- MBA, BBA, Bcom, Mcom. Team leader IT-2 Qualification- B.Tech, MCA, BCA. (minimum 1 yrs of experience leading an IT team). Software Support Engineer-4, IT Trainer-4, Jr. Accountant-3, Hr Manager-2. Contact- BHNSSPL 6267013536, 9425590124 Email ID- edu.bhnsspl@gmail.com (185)

आवश्यकता है- सिक्योरिटी एजेंसी में काम करने हेतु इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें मिनिमम दसवीं पास, अनुभवी आदमी को वरीयता दी जाएगी जो लिखा पढ़ी का काम कर सके आकर्षक वेतन तुरंत संपर्कः- 9981630084, 9425534940 (187)

आवश्यकता है-अर्जेंट भर्ती वन सुरक्षा को जिलानुसार लड़के - लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या-655 वन रक्षक फील्ड ऑफिसर माली वन सिपाही सैलरी (27500+54500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधार कार्ड मार्क शीट फोटो व्हाट्सएप करे (धीरेंद्र कुमार) 8957118102 (1048)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सर्विसेस

सर्विसेस - टिफिन सर्विस उत्तम वेज और नॉन वेज खाने की होम डिलीवरी की सुविधा अधिक जानकारी के लिए कॉल करें- 8982979406 (38271)

शैक्षणिक

शैक्षणिक - I.C.E. Computer Education MS Office, Tally Prime With GST, Page Maker, Corel Draw, PhotoShop, Programming, मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय, शासकीय सेवा में मान्य DCA, PGDCA, BCA, BSc, MSc, BA, BCom BLib, MLib. SC, ST, OBC विद्यार्थियों को शासकीय नियमानुसार छात्रवृत्ति Contact- Rajendra Nagar Chowk, Bilaspur 9516036581, 7440470581 (38270)

बेचना है

बेचना है- अल्का एवेन्यू कालोनी के अन्दर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में ग्राऊण्ड फ्लोर की 10'-10× 19' (208 वर्गफुट) की दुकान बेचना है सम्पर्क करें- 7999826873, 6265074633 (38279)

बेचना है- सरकण्डा सीपत रोड से 150 मीटर पर प्राइम लोकेशन में 34×51 का प्लॉट एवं मोपका मारुति शोरूम से 200 मीटर पर 2400 वर्गफुट रेसिडेंशियल प्लॉट बेचना है सम्पर्क- 7999067371, 7801018190 (38260)

बेचना है- अच्छी कंडीशन में दुकान/ ऑफिस हेतु 11×14= 154 वर्गफुट शहर के अन्दर कम रेट में तारबाहर चौक के पास गैस एजेंसी के बगल में बेचना है सम्पर्क करें- 9826879131, 7697128760 (38274)

बेचना है- कृषि/ आवासीय जमीन रायपुर रोड ग्राम पेण्ड्रीडीह तहसील बोदरी में 1.80 एकड़ बेचना हैं सम्पर्क करें- 7023445244 (38266)

बेचना है- खमतराई अशोक नगर प्रत्यक्षा विहार में डबल रोड से लगा डायवर्टेड 2200 वर्गफीट फ्रन्ट का प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 9589848485, 9300482612 (38272)

बेचना है- प्राइम प्रॉपर्टीज अटल यूनिवर्सिटी, सैनिक आधारशिला स्कूल, सरस्वती महाविद्यालय के सामने 30 डिसमिल (13080 वर्गफिट) एवं नेशनल हाईवे रोड के ऊपर निरतु कोनी बिलासपुर में 28 डिसमिल (12208 वर्गफिट) एवं 57 डिसमिल (24852 वर्गफिट) का शानदार प्लाट शोरूम, हॉटल, हॉस्टल, हॉस्पिटल एवं इन्वेस्टमेंट हेतु सम्पर्क करें 9300878897, 9406441535 (189)

किराया

किराया-फ्लैट किराये पर देना है ग्रीन गार्डन (नीलगिरी अपार्टमेंट) मुंगेली रोड में 3 बेडरूम, सर्वेंट क्वार्टर, नव पुनर्निर्मित सर्वसुविधायुक्त फ्लैट। बैंक अधिकारी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7023445244 (38265)

किराया- बिलासपुर में मंगला चौक में स्थित ग्राउंड फ्लोर की दुकान साइज 15×60 वर्गफुट किराये से देना है सम्पर्क करें- 9981922140, 90392 14975, 8103444994 (38259)

किराया- दुकान किराये से देना है साइज 12×40, दुकान नम्बर 8, ताहा काम्प्लेक्स, क्वालिटी होटल के सामने, व्यापार विहार रोड बिलासपुर में। सम्पर्क करें- 9926512755 (38252)

किराया- विनोबा नगर गायत्री मंदिर के पास 2 BHK प्रथम तल फूल फर्निश्ड सर्वसुविधायुक्त बंगला किराए से देना है संपर्कः- 98271 58359 (188)

वैवाहिकी

वधू चाहिए

वधू चाहिए
अग्रवाल (वैश्य)
32/ 5'-4"
एसबीआई लाइफ में इन्श्योरेन्स एडवाइजर, बिलासपुर में दुकान एवं घर।
शिक्षित, गृह कार्य में दक्ष, मध्यम परिवार की अविवाहित कन्या चाहिए
सम्पर्क करें- 8839071395

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/ Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sqcm
Bhilai+Durg Edition	440	560	520	150/- Sqcm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sqcm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sqcm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sqcm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sqcm
All CG+MP	1280	1750	1600	330/- Sqcm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sqcm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
COLOUR 20% Extra Charge For Bisply
SCHEME (Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50 Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15% extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail 1d Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100 Rs. EXTRA.
ADVT. Booking Time 10.30 am to 4.00 pm.
GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP (Size 5x1 Box)

(Runing Matter)	
500/- 1 Sunday	800/- 1 Sunday
900/- 2 Sunday	1200/- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur
Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778
E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur.
Mob.: 9826782100
E-mail- hbclassified375@gmail.com

टेस्ट कॅरियर के स्वर्णिम दौर में केएल राहुल, उनके बल्ले से निकलेंगे कई शतक : शास्त्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि 'फ्रंटफुट' तकनीक में बदलाव से केएल राहुल को इंग्लैंड में बल्लेबाजी में सफलता मिल रही है और उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले तीन चार साल तक वह इसी लय को बनाए रखेंगे। राहुल ने तीन टेस्ट में दो शतक और एक अर्धशतक की मदद से 375 रन बनाए हैं।

वह अब तक श्रृंखला में शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जैमी स्मिथ के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। शास्त्री ने कहा,'मुझे लग रहा है कि उसने फ्रंट फुट की तकनीक में थोड़ा बदलाव किया है। इसके अलावा डिफेंस के समय स्टांस भी बदला है।' उन्होंने कहा कि नई तकनीक से उनके बोल्ड या पगबाधा आउट होने की संभावना भी कम हुई है । शास्त्री के अनुसार, बल्लेबाज केएल राहुल अपने टेस्ट करियर के स्वर्णिम दौर में हैं और उन्हें उम्मीद है कि भारत का यह सलामी बल्लेबाज आने वाले वर्षों में कई शतक लगाएगा।

स्विंग लेती गेंदों का सामना करने के लिए राहुल के पास तकनीक

शास्त्री ने यह भी कहा कि इंग्लैंड के हालात में स्विंग लेती गेंदों का सामना करने के लिए भी राहुल के पास तकनीक है। उन्होंने कहा,' वह तकनीक का धनी है। अभी तक गेंद में इतना मूवमेंट दिखा नहीं है लेकिन अगर गेंद मूव भी करती है तो उसके पास इसका सामना करने की तकनीक है।' उन्होंने आगे कहा, 'दुनिया में ऐसा कोई नहीं होगा, जिसने यह कहा हो कि राहुल के पास प्रतिभा नहीं है। गुस्सा इस बात का था कि इतना प्रतिभाशाली होते हुए भी वह प्रदर्शन नहीं दे पा रहा लेकिन इस श्रृंखला में उसे शानदार लय में देखा है।' शास्त्री ने उम्मीद जताई कि उसका बल्लेबाजी औसत अगले कुछ साल में 50 के आसपास रहने वाला है।

राहुल अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म पर

शास्त्री ने एक खास तकनीकी बदलाव पर भी प्रकाश डाला जिसने काफी फर्क डाला है। उन्होंने कहा, मैं देख रहा हूं कि उसने अपने अगले पैर, अपनी मूवमेंट और डिफेंडिंग करते समय थोड़ा सा बदलाव किया है। उनकी तकनीक में अच्छे बदलाव आए हैं,जिससे उनके लिए मिड-विकेट की ओर शॉट मारना पहले से भी आसान हुआ है। उन्होंने आगे बताया कि कैसे इस बदलाव से राहुल की बल्लेबाजी में काफी निखार आया है। पहले जिस तरह वह आउट हो रहे थे, उसमें सुधार देखने को मिला है। 33 साल की उम्र में, राहुल के अब 35.3 की औसत से 3,632 टेस्ट रन हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। पांच मैचों की सीरीज में भारत 1-2 से पीछे चल रहा है, ऐसे में सभी की निगाहें 23 जुलाई को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच पर टिकी हैं।

चैपल ने कहा, गिल की असली परीक्षा अब होगी शुरू

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल का मानना है कि शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है और युवा कप्तान के रूप में अपनी क्षमता की झलक दिखाई है, लेकिन उनकी असली परीक्षा अब शुरू होगी जबकि भारत पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 1-2 से पीछे चल रहा है। भारत इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट मैच 22 रन से हार गया और श्रृंखला में 1-2 से पिछड़ गया। दोनों टीमें 23 जुलाई से मैनचेस्टर में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में आमने-सामने होंगी। चैपल ने अपने कॉलम में लिखा, 'भारतीय टीम अब इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम दो टेस्ट मैच की तैयारी कर रही है। ऐसे में अब सभी की नजरें उनके 25 वर्षीय कप्तान शुभमन गिल पर टिकी हैं। एक प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी के रूप में उन्होंने बल्लेबाजी में कमाल का प्रदर्शन किया है और नेतृत्व क्षमता की झलक भी दिखाई है, लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी। यह वह मौका है जो टेस्ट कप्तान के रूप में उनकी दिशा तय करेगा।'

गिल को अपनी साख स्थापित करने का मौका

उन्होंने कहा, 'चयनकर्ता और गिल जिन खिलाड़ियों का चयन करते हैं उन पर उन्हें भरोसा बनाए रखना होगा। उन्हें खिलाड़ियों के एक मुख्य समूह की पहचान करनी होगी जिन पर उन्हें विश्वास रहे कि वे अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।' चैपल ने लिखा है, ' उन्हें अपनी स्पष्ट योजना बनानी होगी और प्रत्येक खिलाड़ी को उसकी भूमिका से अवगत कराना होगा। टीम में शामिल प्रत्येक खिलाड़ी को अपनी भूमिका पता होनी चाहिए।

सिर्फ 40 रन बनाते ही हिटमैन को पीछे छोड़ देंगे ऋषभ

डब्ल्यूटीसी रिकॉर्ड: मैनचेस्टर में पंत के पास रोहित को पीछे छोड़ने का सुनहरा अवसर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय बल्लेबाज और विकेटकीपर ऋषभ पंत के पास टेस्ट क्रिकेट में रोहित शर्मा के रिकार्ड को तोड़ने का सुनहरा मौका है। भारत और इंग्लैंड के बीच 23 जुलाई से मैनचेस्टर में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में पंत रोहित को पछाड़कर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। पंत ने डब्ल्यूटीसी में फिलहाल 2677 रन बनाए हैं, जबकि रोहित ने इस चैंपियनशिप में 2716 रन बनाए हैं। यानी पंत को रोहित को पीछे छोड़ने के लिए 40 रन और बनाने की जरूरत है। पंत के पास चौथे टेस्ट के दौरान यह उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका रहेगा।

अभी पंत दूसरे स्थान पर

भारतीय बल्लेबाजों में डब्ल्यूटीसी इतिहास में रोहित ने 69 पारियों में 2716 रन बनाए हैं। दूसरे स्थान पर पंत हैं, जिन्होंने 67 पारियों में 2677 रन बनाए हैं। विराट कोहली 79 पारियों में 2617 रन बनाकर इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। वहीं, कप्तान शुभमन गिल ने डब्ल्यूटीसी इतिहास में 65 पारियों में 2500 रन बनाए हैं, जबकि रवींद्र जडेजा ने 64 पारियों में 2212 रन बनाए हैं वह शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल हैं।

पंत की उपलब्धता को लेकर संशय

पंत की चौथे टेस्ट में उपलब्धता को लेकर भी संशय चल रहा है। पंत को तीसरे टेस्ट मैच में विकेटकीपिंग के दौरान चोट लगी थी और वह विकेट के पीछे जिम्मेदारी नहीं संभाल रहे थे। पंत की जगह विकेटकीपिंग के लिए ध्रुव जुरेल उतरे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पंत को मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट में खेलने के लिए फिट घोषित हो गए हैं। तीसरे टेस्ट मैच के बाद पंत की फिटनेस को लेकर गिल ने कहा था, पंत स्कैन के लिए गए हैं और चोट ज्यादा गंभीर नहीं है इसलिए वह चौथे टेस्ट से पहले फिट हो जाएंगे। भारतीय टीम के लिए सीरीज में बने रहने के लिए चौथा टेस्ट जीतना काफी जरूरी है। अगर भारत अगला मुकाबला गंवा देता है तो सीरीज हार जाएगा। पंत इस सीरीज में अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं और चौथे टेस्ट मैच में भी उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

टेस्ट में इतिहास बनाने से 31 रन दूर रूट

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट टेस्ट क्रिकेट में एक ताकत रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद से, 34 वर्षीय रूट टेस्ट क्रिकेट में बेहद प्रभावशाली रहे हैं और अब जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ के शानदार टेस्ट रिकॉर्ड को तोड़ने की राह पर हैं। गौरतलब है कि रूट को टेस्ट क्रिकेट इतिहास में तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए केवल 31 रनों की जरूरत है। सचिन तेंदुलकर 15921 रनों के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं, उनके बाद रिकी पोंटिंग 13378 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ क्रमशः 13289 और 13288 रनों के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। रूट, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 13259 रन हैं, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट में कैलिस और द्रविड़ को आसानी से पीछे छोड़ सकते हैं। वह चौथे टेस्ट में पोंटिंग को पीछे छोड़कर टेस्ट इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। रूट को केवल 119 रनों की जरूरत है, जो रूट जैसे कद के खिलाड़ी के लिए आसानी से हासिल किया जा सकता है। हालाँकि, सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए उन्हें तेंदुलकर को पीछे छोड़ने के लिए समय चाहिए।

हम्पी खिताब जीतने की प्रबल दावेदार क्वार्टर फाइनल में सोंग से भिड़ेंगी

एजेंसी ▶▶| बातुमी (जॉर्जिया)

भारत की कम से कम एक खिलाड़ी का फिडे महिला शतरंज विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचना तय है, जिसमें ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी अपना पहला खिताब जीतने की प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगी। वह क्वार्टर फाइनल में चीन की युक्सिन सोंग से भिड़ेंगी। भारत की चार खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। इनमें प्रतियोगिता में भाग ले रही सबसे अधिक रेटिंग वाली खिलाड़ी और विश्व स्तर पर कई टूर्नामेंट की विजेता हम्पी के अलावा दिव्या देशमुख, डी. हरिका और आर वैशाली शामिल हैं।

वैशाली के सामने कठिन चुनौती, पूर्व महिला विश्व चैंपियन से होगा मुकाबला

यह पहला अवसर है जब किसी एक देश की चार खिलाड़ी प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। क्वार्टर फाइनल में हरिका का सामना दिव्या देशमुख से होगा, जिससे कम से कम एक भारतीय का सेमीफाइनल में जगह बनाना तय हो गया है। आर. वैशाली के सामने सबसे कठिन चुनौती है क्योंकि उनका सामना क्वार्टर फाइनल में पूर्व महिला विश्व चैंपियन चीन की तान झोंगयी से होगा। इस तरह से भारत की कुल तीन खिलाड़ियों के पास सेमीफाइनल में जगह बनाने का मौका होगा।

पुजारा के जीवन पर लिखी किताब लंदन में लांच

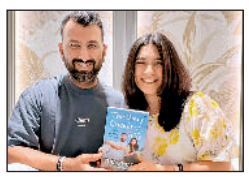

लंदन। पूजा पुजारा की अपने पति और भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पर लिखी किताब 'द डायरी ऑफ अ क्रिकेटर वाइफ' को लार्ड्स क्रिकेट मैदान की लाइब्रेरी में जगह मिली है, जिसे शुक्रवार को आधिकारिक रूप से लंदन के नेहरू सेंटर में लांच किया गया। किताब की लेखिका पूजा का कहना है कि इस किताब में हर किसी के लिए कुछ न कुछ है। इसमें पूजा ने एक पत्नी के मैदान के बाहर के नजरिए से भारतीय बल्लेबाज के 2010 से 2023 तक के अंतरराष्ट्रीय करियर की उपलब्धियों और संघर्षों के बारे में लिखा है। लाइब्रेरी में किताब के औपचारिक प्रस्तुतीकरण के बाद पुजारा ने कहा।

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

वृष आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयेाग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

टी20 सीरीजः न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को 8 विकेट से हराया, कॉन्वे ने बनाए 59 रन

हरारे। त्रिकोणीय टी20 सीरीज में मेजबान जिम्बाब्वे को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद जिम्बाब्वे को शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से हरा दिया। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। जिम्बाब्वे ने पहले बैटिंग करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 120 रन बनाए। जिम्बाब्वे के लिए सर्वाधिक 36 वेस्ले मेधवेरे ने बनाए। ब्रायन बेनेट ने 21, सिकंदर रजा और रेयान बर्ल ने 12-12 और टोनी मुनयोंगा ने 13 रन बनाए। बल्लेबाज शुरुआत मिलने के बाद भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और यही वजह रही कि टीम 121 रन का मामूली लक्ष्य न्यूजीलैंड के सामने रख पाई।

न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में 122 रन बनाए : न्यूजीलैंड ने 13.5 ओवर में 2 विकेट पर 122 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया। कीवी टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने टिम सिफर्ट के रूप में 5 के स्कोर पर अपना पहला विकेट खो दिया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
परिशिष्ट "अ"
ई-निविदा सूचना

ई-निविदा संख्या : 93 - एस एन टी- परियोजना-निविदा - 2025 दिनांक: 11.07.2025
कार्य का नाम: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर डिवीजन के बिलासपुर-न्यू कटनी जंक्शन सेक्शन में कवच के लिए 4x48 (एफ) ऑप्टिकल फाइबर केबल बैकबोन के प्रावधान हेतु ऑप्टिकल फाइबर केबल की आपूर्ति, परिवहन, खुदाई, बिछाने, बैकफ़िलिंग, क्षैतिज दिशात्मक ड्रिलिंग, एचडीपीई पाइप डालने, ब्लोविंग, जोड़ना, टर्मिनेशन और ऑप्टिकल फाइबर केबल की कमीशनिंग और हट्स का निर्माण / संशोधन / विस्तार।
निविदा मुल्य : 62,39,00,633.80 (रुपये बासठ करोड़ उनचालीस लाख छह सौ तैंतीस और अस्सी पैसे मात्र) **अमानत राशि** : 32,69,500.00 (रुपये बत्तीस लाख उनहत्तर हजार पांच सौ मात्र). **निविदा ज़मा करने की तिथि तथा समय** : दिनांक 08.08.2025 को 12.30 बजे तक.
विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज़ का विक्रय, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु हमारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं, उससे देख सकते हैं।
उप-मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजी(परियोजना)
सीपीआर/10/AM/173 द.पू.म.रेलवे/बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

शब्द पहेली - 5933

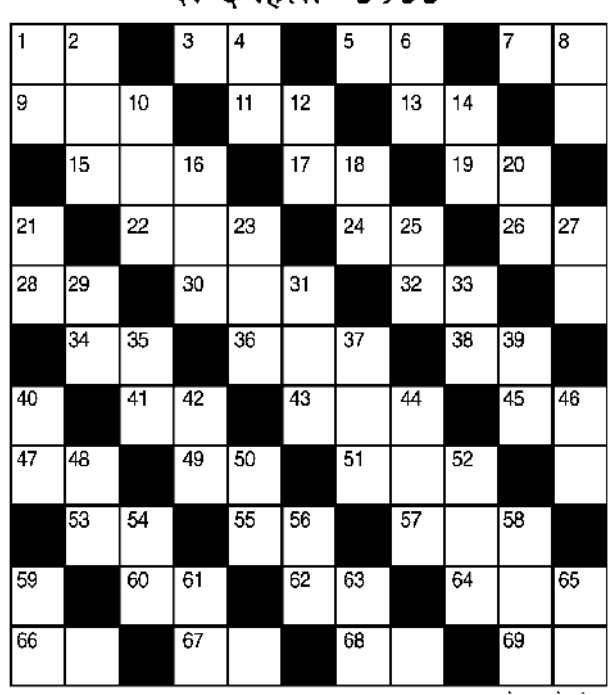

बाएँ से दाएँ
1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.ससुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली- 5932 का हल

सूडोकु नवताल - 5943

सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5942 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

इस आइलैंड पर चारों ओर है जहरीले सांपों का डेरा

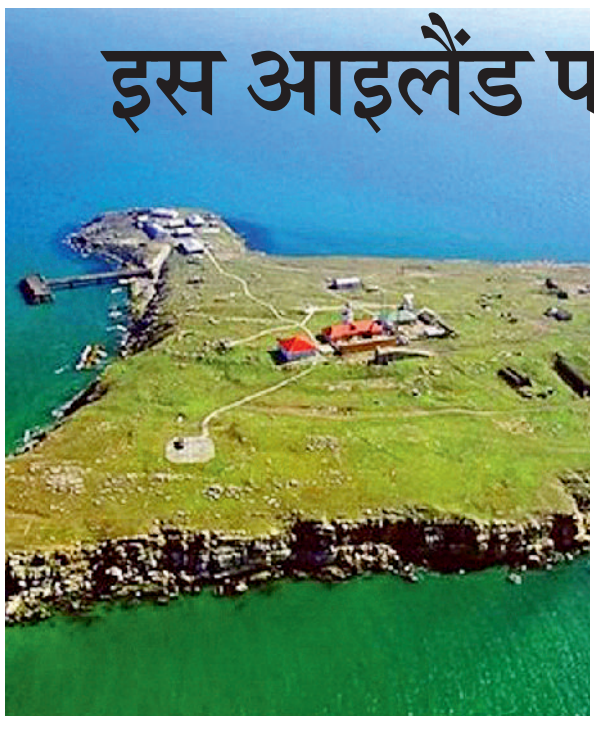

नई दिल्ली। अगर आपको लगता है कि दुनिया में सबसे खतरनाक सांप केवल भारत में पाए जाते हैं तो ऐसा नहीं है। हकीकत तो यह है कि दुनिया के कई जगंल ऐसे हैं जहां सांप बहुत अधिक संख्या में मिलते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक अनोखा द्वीप ऐसा भी है जहां जहरीले सांपों का राज है। कहा जाता है कि यहां पर इंसान जाते हैं तो जिंदा वापस नहीं आते हैं। यहां दुनिया का सबसे जहरीले सांपों में से एक गोल्डन लांसहेड वाइपर मिलता है। आलम यह है कि यहां कि इंसानों के जाने पर पाबंदी लगाई जा चुकी है।

यहां इंसानों के जाने पर पाबंदी

इल्हा दा क्वेनमाडा नाम का है यह द्वीप ब्राजील के पास है

इल्हा दा क्वेनमाडा नाम का है यह द्वीप ब्राजील के पास है। इल्हा दा क्वेनमाडा को दुनिया में सांप के द्वीप के तौर पर जाना जाता है। यह ब्राजील के साओ पाओलो के तट से 33 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है जो चार लाख 30 हजार वर्ग किलोमीटर के इलाके में फैला है। भूमध्य रेखा के पास स्थित होने के कारण यहां घने जंगल और कई जानवर मिलते हैं जिनमें सांप सबसे ज्यादा हैं।

दुनिया की सबसे जहरीले सांप हैं यहां

इल्हा दा क्वेनमाडा में बहुत सारे सांपों की प्रजातियां रहती है। इनमें से गोल्डन लांसहेड वाइपर नाम की विलुप्त होने की कगार पर पहुंच चुकी प्रजाति भी शामिल है। यह दुनिया के सबसे जहरीले सांपों में से एक माना जाता है। इसकी लंबाई करीब 46 इंच की होती है और इसका रंग पीले और कत्थई रंग का होता है। वर्ष 2015 के आंकलन के अनुसानर यहां करीब दो से चार हजार सांप हैं।

10 से 12 हजार साल पहले द्वीप जमीन से हुआ अलग

इल्हा दा क्वेनमाडा के सांप उसी प्रजाति के हुआ करते थे जो ब्राजील की जमीन पर मिलते हैं, पर 10 से 12 हजार साल पहले समुद्र का जलस्तर बढ़ने से यह द्वीप ब्राजील की जमीन से अलग हो गया था। इससे यहां सांपों की जनसंख्या अकेली पड़ गई थी। यहां किसी तरह के स्तनपायी जानवर ना होने के कारण ये सांप पेड़ पर रहने लगे थे और पक्षी खाने लगे थे।

चीन में एक जैसे चेहरे के हैं 500 से ज्यादा लोग

बीजिंग। अगर हम कहे कि आज की आधुनिक दुनिया में हर चीज मुमकिन है तो शायद आप यकीन न करें, लेकिन आए दिन सामने आते अजीब मामले ये कहने पर मजबूर कर ही देते हैं कि क्या ऐसा भी हो सकता है? ऐसे ही चीन से एक आश्चर्यजनक मामला सामने आया है। यहां एक बेबी-फेस्ड ब्यूटी की ओपिनियन लीडर ने 500 से अधिक प्रशंसकों को अपने क्लिनिक में कॉस्मेटिक सर्जरी के जरिए एक जैसा चेहरा बनवाने के लिए प्रेरित किया। वीडियो में वांग ने बताया, सर्जरी के शुरूआती चरणों के बाद मेरा चेहरा असमान और ऊबड़-खाबड़ था, लेकिन कई सेशन के बाद मैनें आखिरकार बच्चे जैसा चेहरा हासिल कर ही लिया। उन्होंने आगे बताया कि सर्जरी की प्रक्रिया के कारण उन्हें काफी दर्द सहन करना पड़ा और चेहरे को ठीक होने में काफी समय भी लगा।

महिला ने खर्च किए 1 करोड़ से ज्यादा रुपए

सर्जरी के जरिए लोगों ने बच्चे जैसा चेहरा बनवाया, जिसमें बड़ी आंखें, उभरी हुई निचली पलकें और छोटी ठुड्डी है। ऐसे में यह चेहरा युवा और मासूमियत का आभास कराता है। पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत की निवासी 30 वर्षीय वांग जिंग ने खुलासा किया उन्होंने यह सर्जरी कराने के लिए 10 लाख युआन (1 करोड़ से ज्यादा रुपये) खर्च किए हैं। वांग ने सर्जरी के अनुभव को एक वीडियो द्वारा चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डॉयिन पर साझा किया है।

सर्जरी को लेकर कुछ लोग कर रहे आलोचनाएं

जहां कई लोग बेबी फेस्ड सर्जरी का समर्थन करते हुए सोशल मीडिया पर अपना अनुभव साझा कर रहे हैं, वहीं कई इसके खिलाफ भी हैं। जिंगजिंग की पोस्ट के कंमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा, भले ही सर्जरी लोगों को सुंदर बना रही हो, लेकिन एक जैसे चेहरे से लोगों का अपना खुद का व्यक्तित्व खो रहा है। यह एक भयावह घटना है। एक अन्य व्यक्ति ने लिखा, पैसा भी बर्बाद और खुद की पहचान भी खत्म।

मुस्लिम भी करते हैं इस शक्तिपीठ की पूजा पहुंचने के लिए पूरी करनी पड़ती हैं 2 शर्तें

नई दिल्ली। आपने अकसर पाकिस्तान से हिंदू मंदिरों को तोड़े जाने की खबरें आम सुनी होंगी लेकिन क्या आप जानते हैं मां के 51 शक्तिपीठों में से एक शक्तिपीठ ऐसा हैं, जहां दुनियाभर से मुस्लिम लोग आकर अपना सिर झुकाते हैं। इस मंदिर में मां की एक झलक पाने के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहती हैं। खुद मुस्लिम लोग इस मंदिर की सुरक्षा और देखरेख करते हैं। जी हां, इस अद्भुत शक्तिपीठ का नाम हिंगलाज मंदिर है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में है मंदिर

बता दें, माता का हिंगलाज मंदिर,पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बना हुआ है। हिंगलाज मंदिर में हिंदू लोगों के साथ मुस्लिम लोगों की भी गहरी श्रद्धा बनी हुई है। इस मंदिर में पहुंचकर किसी भी भक्त को यह पता नहीं चलता कि कौन हिंदू है और कौन मुस्लिम। यहां खुद कई बार पुजारी और सेवक नमाजी टोपी पहने दिखते हैं तो मुस्लिम पूजा करते दिख जाते हैं। आइए जानते हैं इस मंदिर से जुड़ी रोचक कहानी, इतिहास और विशेषता।

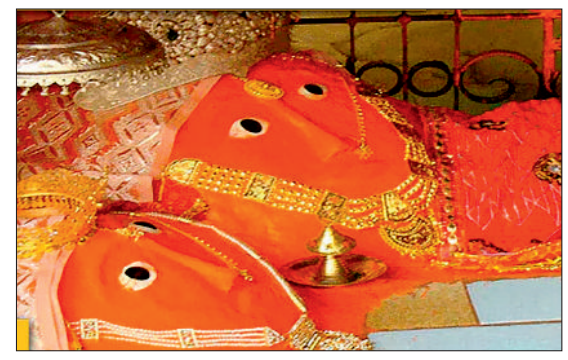

हिंगलाज माता की कहानी

हिंगलाज माता को मां भगवती का रूप माना जाता है। पुराणों के अनुसार भगवान शंकर के मना करने के बावजूद माता सती एक बार पिता प्रजापति के आयोजित यज्ञ में पहुंच गईं। जहां उन्होंने अपने पिता के मुख से अपने पति के लिए तिरस्कार भरे शब्द सुनें। माता सती उन शब्दों को सुनकर इतनी लज्जित और क्रोधित हुई कि उन्होंने यज्ञ के हवनकुंड में ही कूदकर अपने प्राण त्याग दिए। भगवान शिव को जब इस बात का पता चला तो वे क्रोधित हो उठे। उन्होंने माता सती के अर्धजले शव को कंधे पर लादकर तांडव करना शुरू कर दिया। अंत में देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना करके शिव को शांत करने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से सती के शरीर के 51 टुकड़े कर दिए। माता सती का शरीर 51 टुकड़ों में कटकर जिस-जिस जगह पर गिरा वो शक्तिपीठ कहलाएं। कहा जाता है कि हिंगलाज में माता सती का सिर गिरा था। इसलिए इस शक्तिपीठ को सबसे चमत्कारिक माना जाता है।

मंदिर तक पहुंचने के लिए लेनी पड़ती हैं दो शपथ

बताया जाता है कि हिंगलाज माता के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को यात्रा शुरू करने से पहले 2 शपथ लेनी पड़ती हैं। अपनी पहली शपथ में श्रद्धालुओं को माता के दर्शन करके वापस लौटने तक संन्यास लेना होता है। दूसरी शपथ में पूरी यात्रा में किसी दूसरे यात्री को अपनी सुराही का पानी नहीं पिलाना होता है, भले ही वो यात्री रास्ते में प्यास से तड़प कर मर क्यों ना जाए। माना जाता है कि ये दोनों शपथ हिंगलाज माता मंदिर तक पहुंचने के लिए भक्तों की परीक्षा लेने की एक प्राचीन परंपरा है। जो भक्त इन दोनों शर्तों को पूरा नहीं कर पाता है, उसकी यात्रा पूरी नहीं मानी जाती है।

मुस्लिम लोगों का 'नानी मंदिर' है हिंगलाज मंदिर

बलूच और सिंध के मुस्लिम लोगों के अलावा पाकिस्तान,अफगानिस्तान, मिस्र और ईरान के मुस्लिम लोग भी हिंगलाज मंदिर को 'नानी मंदिर', 'नानी पीर' या 'नानी के हज' के तौर पर जानते और मानते हैं। इस मंदिर में आकर वो माता हिंगलाज को नानी के तौर पर पूजते हैं।

कैसे पड़ा मंदिर का नाम हिंगलाज

हिंगलाज माता का नाम हिंगलाज कैसे पड़ा, इसको लेकर एक कहानी है। किवदंतियों के अनुसार, इस जगह पर सालों पहले हिंगोल नाम का एक राज हुआ करता था। जिसके राजा का नाम हंगोल था। हंगोल बहुत ही बहादुर और न्यायप्रिय राजा था। बावजूद इसके उसके दरबारी उसे पसंद नहीं करते थे। हंगोल के राज्य पर कब्जा करने के लिए मंत्री ने राजा को कई बुरी चीजों की लत लगा दी। जिससे परेशान राज्य के लोगों ने देवी हिगलाज से राजा को सुधारने की प्रार्थना की। माता ने उनकी प्रार्थना सुन ली। तभी से वह हिंगलाज माता कहलाने लगीं।

कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर

मुंह का ना खुलना

पान, तंबाकू सेवन के कारण मुंह का ना खुलना एक्सीडेंट में चोट या अन्य कारणों से मुंह का ना खुलना

छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त

आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर

कॉल : 9827143060/8871003060

Ajay 9827144371

1500 साल पुरानी प्राचीन पत्थर की पट्टिका 42 करोड़ रुपए में बिकी

नई दिल्ली। बाइबिल के 10 आदेशों से अंकित 1,500 साल पुरानी पत्थर पट्टिका बीती बुधवार को 5.4 लाख डॉलर (करीब 42 करोड़ रुपये) में नीलाम हुई है। इस प्राचीन पत्थर पट्टिका का वजन लगभग 52 किलो है और यह 2 फीट लंबी है। इस पट्टिका पर उकेरे गए सभी आदेश हिब्रू भाषा के शुरूआती संस्करण में है, जिसे अब पैलियो-हिब्रू कहा जाता है। आइए जानते हैं कि यह नीलामी कहां हुई।

कहां हुई नीलामी : बाइबिल के 10 आदेशों से अंकित प्राचीन पत्थर पट्टिका की नीलामी न्यूयॉर्क के सोथबी नीलामी घर द्वारा आयोजित की गई थी। सोथबी का अनुमान था कि यह पत्थर पट्टिका 10 लाख डॉलर से 20 लाख डॉलर यानी (8 करोड़ से लेकर 17 करोड़ रुपये) के बीच बिकेगी, लेकिन बोलियां शुरू होने के 10 मिनट बाद ही यह 42 करोड़ से ज्यादा रुपये में बिक गई। नीलामी घर का कहना है कि यह पत्थर पट्टिका रोमन-बीजान्टिन युग के अंत की है।

इस प्राचीन पत्थर पट्टिका को खरीदने वाले का नाम तो सामने नहीं आया है, लेकिन यह बात सामने आई है कि वह इस कलाकृति को एक इजराइली संस्थान को दान करने की योजना बना रहा है।

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध

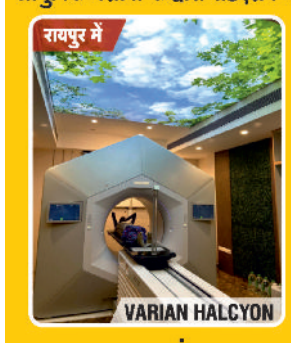

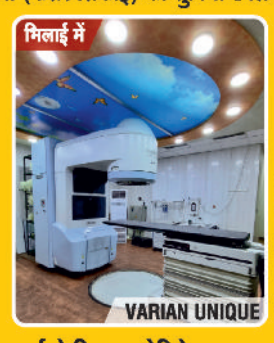

Deepak Ad./101

आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से नि:शुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
• रेडियो थैरेपी • कीमोथेरेपी • कैंसर सर्जरी • मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी
रायपुर: अवंति बाई चौक, पंडरी 9343079151, 91313 99570
भिलाई: टी.आई. मॉल के पास 7722880844, 0788-2294440

(NABH से मान्यता प्राप्त) सुयश हॉस्पिटल
हड्डी रोग विभाग
• HIP (कुल्हा), Knee (घुटना) रिप्लेसमेंट एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट
• ब्रेन एक्सीडेंट एवं ट्रामा
• सभी प्रकार के फ्रेक्चर
• पीठ दर्द या कमर दर्द (सायटिका)
• कमर में टेढ़ापन
• आर्थोस्कोपी व्दारा घुटने के लिगामेंट का पुर्ननिर्माण
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

BALCO Medical Centre
बालको मेडिकल सेंटर

मध्यभारत का अत्याधुनिक व विश्वसनीय कैंसर हॉस्पिटल
NABH व NABL से मान्यता प्राप्त
• सभी प्रकार की कैंसर सर्जरी
• पैट, स्पैक्ट स्कैन, HDT, LDT थेरेपी
• अत्याधुनिक टू-बीम लिनक एवं हैल्सीऑन मशीन द्वारा रेडिएशन थेरेपी व ब्रैकिथेरपी की सुविधा
• कीमोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी, इम्युनोथेरेपी
• रक्त-सम्बन्धी सभी बीमारियाँ एवं बोन मेरो ट्रांसप्लांट
• आधुनिक रेडियोलॉजी, लेबोरेटरी एवं ब्लड सेंटर
आयुष्मान भारत योजना से नि:शुल्क ईलाज एवं सभी PSUs व बीमा कम्पनियों से अनुबंधित
सिटी सेंटर - बीएमसी कैंसर डेकेयर- कलर्स मॉल के बाजू, धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.) 9201966330
मेन हॉस्पिटल - सेक्टर 36, नया रायपुर, छ.ग. 8282823333/4444

संजीवनी
कैंसर केयर हॉस्पिटल
त्वरित कैंसर जाँच और रेडिएशन थेरेपी के लिए विशेषज्ञों की कुशल टीम

डॉ. रमेश कोठारी
MBBS, MD (RADIATION ONCOLOGY) RADIATION ONCOLOGIST

डॉ. सतीश देवांगन
MBBS, MD (RADIATION ONCOLOGY) RADIATION ONCOLOGIST

डॉ. विलास मेश्राम
MBBS, MD (NUCLEAR MEDICINE) NUCLEAR MEDICINE PHYSICIAN

डॉ. प्रशांत साहू
DMRD, DNB ONCO RADIOLOGIST

कैंसर के सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण उपचार के लिए -
NABH से पूर्णतः मान्यता प्राप्त कैंसर अस्पताल
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389904010, 07714081010

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com